नितिन नवीन को लेकर भाजपा.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

क्या 12वीं फेल की मेधा शंकर... 11

वर्ष - 02, अंक - 94 | गाजियाबाद / मंगलवार 07 जुलाई 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

यूपी का जलालाबाद अब हुआ परशुराम पुरी

● योगी सरकार ने बदला शाहजहांपुर के कस्बे का नाम

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार को हुई कैबिनेट बैठक में बड़ा फैसला हुआ है। शाहजहांपुर के जलालाबाद कस्बे का नाम बदलकर परशुराम पुरी करने का प्रस्ताव पास हो गया है। नाम परिवर्तन के इस प्रक्रिया की शुरुआत मार्च 2018 से हुई थी। यह स्थान भगवान परशुराम की जन्मस्थली मानी जाती है।

यहां भगवान परशुराम का एक प्राचीन मंदिर भी है। शाहजहांपुर नगर पालिका परिषद ने मार्च 2018 और सितंबर 2023 में बोर्ड बैठक में इस प्रस्ताव को पारित किया। शाहजहांपुर के तत्कालीन डीएम ने अपनी संस्तुति के साथ प्रस्ताव प्रदेश सरकार को भेजा था। प्रदेश सरकार ने इसे केंद्र सरकार को आगे भेज दिया था। केंद्र सरकार ने 20 अगस्त, 2025 को राज्य सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी दे थी जिसे आज कैबिनेट बैठक में हरी झंडी दिखा दी गई है। **भगवान परशुराम की जन्मभूमि माना जाता है ये कस्बा-** कई पौराणिक ग्रंथों में इस छोटे से कस्बे को भगवान परशुराम की जन्मभूमि के रूप में वर्णित किया गया है। यही वजह है कि 2022 में सरकार ने इसे परशुराम जन्मभूमि के रूप में आधिकारिक घोषणा की थी।

सिया ने केतन मर्डर से पहले पढ़ा था राजा रघुवंशी केस

● मोबाइल हिस्ट्री से पता चला, यह भी जाना-क्या कस्टडी में महिला से मारपीट होती है

पुणे (एजेंसी)। पुणे के केतन अग्रवाल हत्याकांड की मुख्य आरोपी सिया गोयल ने वारदात से पहले इंदौर के राजा रघुवंशी हत्याकांड की जानकारी जुटाई थी। पुलिस के मुताबिक सिया ने इंटरनेट पर यह भी सर्च किया था कि क्या पुलिस कस्टडी में महिलाओं के साथ मारपीट होती है। यह पूरी जानकारी सिया के दोनों मोबाइल की सर्च हिस्ट्री से

मिली। पुलिस 2 दिन पहले सिया को उसके घर लेकर गई थी, जहां उसके बेडरूम से दूसरा मोबाइल भी जब्त किया है। घटना वाले दिन के कुछ चश्मदीद भी मिले हैं, जिनके बयान जांच को और मजबूत कर रहे हैं। आरोप है कि 18 जून को सिया और चेतन ने केतन को पुणे के लोहगढ़ किले से 400 फीट गहरी खाई में धक्का दे दिया था। सिया गोयल के पिता ने उन दावों को खारिज कर दिया है कि उसने मीडिया की ओर कोई अश्लील इशारा किया था।

बिहार में तय समय पर होंगे पंचायत चुनाव

● पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश ने किया ऐलान

पटना (एजेंसी)। बिहार में पंचायत चुनाव को लेकर हलचल शुरू हो गई है। थर्ड राउंड के पदवार आरक्षण की प्रक्रिया अब तक शुरू नहीं होने की वजह से कहा जा रहा है कि इस बार पंचायत चुनाव तय समय यानी दिसंबर 2026 शायद ही पूरा हो सके। हालांकि बिहार सरकार के पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश ने साफ कर दिया कि बिहार में समय पर पंचायत चुनाव होंगे। इसके साथ ही आरक्षण रोस्टर भी लागू रहेगा। आरक्षण के रोस्टर को लेकर पूछे गए सवाल पर बिहार के दीपक प्रकाश ने कहा कि आरक्षण का पिछला रोस्टर लागू हुए 10 साल हो गए हैं। प्रावधान के मुताबिक कानूनन 10 साल के बाद आरक्षण का नया रोस्टर लगू करना है। तो इस बार जो पंचायत चुनाव, 2026 में उसमें नया रोस्टर लगू किया जाएगा। **आरक्षण के लिए 2011 की जनसंख्या को बनाया आधार-** बिहार के पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश कुशवाहा ने बताया कि आरक्षण के रोस्टर को लेकर निर्वाचन आयोग के निर्देश में सारा काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि सभी जगह जनसंख्या का प्रकाशन किया गया है। आरक्षण के लिए 2011 की जनसंख्या को आधार बनाया है।

पाकिस्तान देखता रह गया, भारत ने मार लिया मैदान!

पीएम मोदी अब इंडोनेशिया में ठोकेंगे आखिरी कील!

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत दुनिया के सबसे बड़े मुस्लिम देश इंडोनेशिया में बड़ा कदम रखने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार से शुरू हो रहे अपने तीन देशों के दौरे में सबसे पहले इंडोनेशिया की यात्रा पर पहुंच गए हैं। पीएम मोदी के इस दौरे से पाकिस्तान की छटपटाहट बढ़नी तय है, क्योंकि पाकिस्तान पूरे क्षेत्र में खुद को इस्लामी देशों का अगुवा मानता है। वहीं, यह दौरा चीन को भी अखर सकता है, क्योंकि चीन इंडोनेशिया में अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिशों में लगा हुआ है। इंडोनेशिया के बेहद करीब मलक्का स्ट्रेट से ही चीन के ज्यादातर समुद्री जहाज गुजरते हैं। पीएम मोदी छह जुलाई से लेकर 11 जुलाई तक इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के दौरे पर रहेंगे। **चार बार जा चुके हैं पीएम-** व्यापक रणनीतिक भागीदारी के तहत पीएम सबसे पहले इंडोनेशिया दौरे पर हैं। इंडोनेशिया की अहमियत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पीएम का यह इंडोनेशिया का चौथा दौरा है। मई 2018 में व्यापक रणनीतिक भागीदारी के साथ यह शुरू हुआ है।

● **इंडोनेशिया को ब्रह्मोस देगा! दुश्मन की उड़ी नींद-** भारत एक्ट ईस्ट पॉलिसी के तहत इंडोनेशिया से अपने रिश्ते तेजी से बढ़ा रहा है। खासतौर पर पीएम मोदी के कार्यकाल में रक्षा और समुद्री भागीदारी को बढ़ाने की कोशिशें की जा रही हैं। इसमें ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों की बिक्री भी शामिल है। पीएम मोदी के दौरे में इंडोनेशिया को ब्रह्मोस मिसाइल बेचने को लेकर डील हो सकती है।

समुद्री सतर्कता और हिंद-प्रशांत में सहयोग

भारत और इंडोनेशिया ने 2018 से ही हिंद-प्रशांत में समुद्री सहयोग को लेकर विजन शेयर किए थे। इसके तहत एक इंडोनेशियाई लाइजन ऑफीसर को तैनात किया गया है, जो हमारी समुद्री सतर्कता को बढ़ाने में मददगार होगा। भारत इंडोनेशियाई आर्मी के कैडेटों और ऑफिसरों को एनडीए और डीएसएससी में ट्रेनिंग भी देगा, जो रक्षा क्षमता को बढ़ाने में मददगार साबित होगा। भारत के इंडोनेशिया के साथ संबंध बढ़ाने के पीछे एक बड़ी वजह क्रिटिकल मिनरल भी है। इंडोनेशिया के पास क्रिटिकल मिनरल की खान है। इंडोनेशिया पूरी दुनिया में क्रिटिकल मिनरल के मामले में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। इंडोनेशिया के पास पूरी दुनिया का करीब 21 फीसदी निकिल रिजर्व है। यह कॉपर, बॉक्साइट और टिन के मामले में दुनिया के टॉप उत्पादकों में से एक है। पीएम मोदी के इस दौरे में इस मामले में सहयोग को मजबूत किया जा सकेगा।

हाफिज ने रची थी पहलगाम हमले की साजिश

● एनआईए ने स्पेशल कोर्ट दाखिल की सप्लीमेंट्री चार्जशीट

एजेंसी ने भारत के खिलाफ जंग छेड़ने का आरोप लगाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी ने पहलगाम आतंकी हमले में पाकिस्तान स्थित आतंकी हाफिज सईद के खिलाफ सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की है। जम्मू की स्पेशल कोर्ट में दाखिल चार्जशीट में उसे हमले की साजिश रचने,आतंकियों को संचालित करने और भारत के खिलाफ जंग छेड़ने का आरोपी बनाया गया है।

एनआईए चार्जशीट में क्या-क्या खुलासा

हमले का मास्टरमाइंड लश्कर-ए-तैयबा आतंकी सैफुल्लाह उर्फ सैफुल्लाह साजिद जट्ट उर्फ लंगड़ा था। साजिद, पाकिस्तान के लाहौर में कसूर में रहता है। साजिद जट्ट ही आतंकियों का मेन हैंडलर था। वह उन्हें रियल टाइम डायरेक्शन दे रहा था। उसने ही हमले वाली जगह बैसरन वैली की लोकेशन भेजी थी। हमले के दौरान भी वह लगातार आतंकियों से बात कर रहा था। टूरिस्ट गाइड परवेज अहमद जोठार और बशीर अहमद बड़े साजिशकर्ता हैं।

पहलगाम हमले के 3 गुनहगार ढेर हो चुके

एनआईए के मुताबिक पहलगाम आतंकी हमले में शामिल पाक आतंकी फैसल जट्ट उर्फ सुलेमान, हबीब ताहिर उर्फ जिब्रान भाई और हमजा अफगानी को सुरक्षा बलों ने 28 जुलाई, 2025 को ढेर कर दिया था। भारत के टॉप वांटेड में शामिल आतंकी लंगड़ा पर 10 लाख का इनाम है। इन्हीं के पास से गो-प्रो कैमरा मिला था। भारत ने पहलगाम हमले का बदला लेते हुए 6-7 मई की रात 1.05 बजे पाकिस्तान और पीओके में एयर स्ट्राइक की। इसे ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया गया। भारत ने 24 मिसाइलें दागीं थीं। इसमें 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया, जिसमें 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए। हमले में मसूद अजहर की फैमिली के 10 सदस्य और 4 सहयोगी मारे गए थे।

वेस्ट बंगाल के बाद अब झारखंड है हमारा लक्ष्य

● असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा का बड़ा बयान

कहा-राज्य में बदल रही डेमोग्राफी,बदलाव है जरूरी

रांची (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता हिमंत बिस्वा सरमा ने झारखंड को लेकर पार्टी की आगामी रणनीति पर एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के बाद अब भाजपा का अगला मुख्य लक्ष्य झारखंड होगा। असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने झारखंड को भाजपा का एक 'अधूरा एजेंडा' बताते हुए कहा कि हालांकि पिछले चुनाव में गठबंधन के स्तर पर कुछ कमियों और अन्य दलों की ओर से वोट काटे जाने के कारण सफलता नहीं मिली, लेकिन असफलता ही सफलता का स्तंभ होती है।

डेमोग्राफिक और घुसपैठ पर जताई चिंता

मुख्यमंत्री सरमा ने बात करते हुए झारखंड की सुरक्षा और सामाजिक ताने-बाने को लेकर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि कई लोगों को इस बात का अंदाजा नहीं है कि झारखंड के कुछ जिले अंतरराष्ट्रीय सीमा के बहुत करीब हैं। सरमा के मुताबिक, मुर्शिदाबाद मार्ग के जरिए बड़ी संख्या में लोग झारखंड में दाखिल हुए हैं, जिससे राज्य की जनसांख्यिकी (आबादी का ढांचा) बदल रही है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने इंटरव्यू के दौरान कहा कि बंगाल की तरह ही झारखंड को भी अपनी पहचान बचाने के लिए भाजपा की सख्त जरूरत है। झारखंड में भी आदिवासी गौरव को बचाना है।

एमपी में इसी महीने आएगा यूनिफॉर्म सिविल कोड

● सीएम ने कहा-सभी के लिए एक ही कानून होगा ● कहा-सतगढ़ी इंडस्ट्रियल पार्क से देंगे 15 हजार रोजगार

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा- एमपी में इसी महीने यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) आएगा। हिंदू भाई एक शादी करता है और सात फेरे लेता है, तो सभी के लिए ऐसा ही कानून होना चाहिए। कांग्रेस तुष्टिकरण की राजनीति करती है। वह फिर दावा करेगी कि यह कानून किसी धर्म विशेष के खिलाफ है। कांग्रेसियों को याद रखना चाहिए कि एक समान नागरिक संहिता हर हाल में लागू की जाएगी। इसके लिए प्रदेश की जनता से राय ली गई है। 10 लाख से अधिक सुझाव मिले हैं। हम चाहते तो सीधे विधानसभा में कानून ला सकते थे, लेकिन जनता की राय के आधार पर फैसला कर रहे हैं। मुख्यमंत्री यादव ने यह बात सोमवार को भोपाल के सतगढ़ी में

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क का भूमिपूजन करने के बाद कही।

वर्क-लिव-ग्रो मॉडल पर विकसित होगा इंडस्ट्रियल पार्क- सीएम ने कहा- करीब 173 एकड़ में बनने वाला यह स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क वर्क-लिव-ग्रो मॉडल पर विकसित किया जाएगा। यहां उद्योगों के साथ कर्मचारियों के रहने, कौशल विकास और अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इससे उद्योगों को बेहतर माहौल मिलेगा और निवेश की उम्मीद बढ़ेगी। पार्क में हाई वैल्यू मैन्युफैक्चरिंग, गारमेंट, टॉयज, आईटी, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, लॉजिस्टिक्स और नई तकनीक से जुड़े उद्योग स्थापित किए जाएंगे। यह परियोजना भोपाल को औद्योगिक विकास का नया केंद्र बनाएगी। इससे 15 हजार से ज्यादा प्रत्यक्ष और परोक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

10 हजार लोगों की क्षमता वाला कन्वेंशन सेंटर बनेगा- स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क के तहत 25 एकड़ में विश्वस्तरीय कन्वेंशन एंड एग्जिबिशन सेंटर भी बनाया जाएगा। इसकी क्षमता 10 हजार से ज्यादा लोगों की होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले साल हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 30 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिले थे। इनमें से 10 लाख करोड़ रुपए का निवेश धरातल पर उतर चुका है।

सीएम बोले-यूका की जगह पर अस्पताल बनाएंगे

सीएम यादव ने कहा कि प्रदेश में विकास कार्यों की गति बढ़ रही है, इसलिए कांग्रेसियों की छाती पर सांप लोट रहा है। कांग्रेस ने यूनियन कार्बाइड (यूका) के आरोपियों को बचाने का काम किया। उन्हें विमान देकर भगा दिया था। हमने यूका का कचरा हटाया। वहां स्मारक बनाएंगे। अस्पताल भी बनाया जाएगा, जो लोगों को जीवन देने का काम करेगा। संविधान के अनुच्छेद 44 के भाग- 4 में यूनिफॉर्म सिविल कोड की चर्चा है। राज्य के नीति-निदेशक तत्व से संबंधित इस अनुच्छेद में कहा गया है कि 'राज्य, देशभर में नागरिकों के लिए एक यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू कराने का प्रयास करेगा।' हमारे संविधान में नीति निदेशक तत्व सरकारों के लिए एक गाइड की तरह है। इनमें वे सिद्धांत या उद्देश्य बताए गए हैं, जिन्हें हासिल करने के लिए सरकारों को काम करना होता है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी : चंपत राय, अनिल मिश्रा का इस्तीफा मंजूर

● पूर्व IFS कृष्ण मोहन नए महासचिव, ट्रस्ट बोला- घटना से हम शर्मिंदा

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी के बाद श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की पहली बैठक 3 घंटे चली। बैठक के बाद कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी बोले महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा का इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है। चंपत राय ने कहा है कि जब तक अपराधी पकड़े नहीं जाते तब तक पद पर रहना सही नहीं है। जो हुआ वह कष्टदायी है। इससे हम सब दुखी हैं। चढ़ावा चोरी लज्जाजनक घटना है। ट्रस्टी के. पाराशरन ने कहा था कि त्यागपत्र देते ही इसे स्वीकार करना ट्रस्ट के संविधान में हैं। इसलिए इस्तीफा स्वीकार किया गया।

झमाझम बारिश से बिगड़े महाराष्ट्र के हालात

● सतारा में पुल टूटा, क्रेन से निकाली गई कारें ● घाटी में लैंडस्लाइड, हिमाचल में कार पर पत्थर गिरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई राज्यों में मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। महाराष्ट्र में तीन दिन से लगातार बारिश हो रही है। मुंबई-पुणे रेल रूट पर करजत-लोनावला के भोर घाट सेक्शन में दो जगह लैंडस्लाइड हो गई। इससे तीनों रेलवे लाइनें प्रभावित हो गईं। 20 ट्रेनों को कैंसिल करना पड़ा। उधर, मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर भी लैंडस्लाइड होने से रास्ता बंद हो गया। सातारा जिले के महाबलेश्वर में वेण्णा नदी का पुल टूटने से 10-12 पर्यटक फंस गए। कारों को क्रेन की मदद से निकाला गया। डीएम ने आज सभी सरकारी और प्रायवेट स्कूलों-कॉलेजों में छुट्टी घोषित की है। मुंबई एयरपोर्ट पर 17 फ्लाइट रद्द हुईं। मुंबई में प्राइवेट ऑफिसों के कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम करने को कहा गया है। वहीं जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में भारी बारिश के बाद लैंडस्लाइड हो गई। 6-7 गाड़ियां मलबे में दब गईं। मलबा हटाने का काम जारी है।

● **कुल्लू में पागल नाले में बाढ़, मलबा आने से हाईवे बंद-** हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में सुबह से हो रही बारिश के बाद आज पागल नाला में बाढ़ आ गई। इससे सारा मलबा हाईवे पर आ गया। इसके बाद लारजी को सैंज से जोड़ने वाला हाईवे वाहनों के लिए बंद हो गया है। मुंबई में लगातार बारिश से वसई-विरार के कई निचले इलाके पानी में डूब गए। कई सड़कों पर घुटनों तक पानी भर गया, जिससे वाहनों की रफ्तार धीमी पड़ गई। वसई-विरार से हर दिन लाखों लोग काम के लिए मुंबई आते-जाते हैं। सोमवार सुबह जलभराव और ट्रैफिक की वजह से लोगों को ऑफिस पहुंचने में काफी परेशानी हुई।

● **महाराष्ट्र विधानसभा की कार्यवाही स्थगित-** मुंबई और आसपास के इलाकों में भारी बारिश के रेड अलर्ट को देखते हुए महाराष्ट्र विधानसभा की सोमवार की कार्यवाही पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि प्रशासन अलर्ट पर है। उन्होंने लोगों से बेवजह यात्रा नहीं करने की अपील की। वहीं, रविवार को तेज हवाओं के बीच 350 पेड़ गिरने की घटनाएं दर्ज की गईं।

● **बालाघाट में नदी में बहे कार-जेसीबी-** मध्य प्रदेश में मानसून जमकर बरस रहा है। बालाघाट से आए वीडियो में किरनापुर-लांजी से होकर बहने वाली बाघ नदी में कार, जेसीबी और लोडर जैसी गाड़ियां बहती दिखीं।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी कांड- इस 'पाप' में शामिल हर व्यक्ति के खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी : महंत नृत्य गोपाल दास

अयोध्या(एजेंसी)। (ईएमएस)। राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी मामले को लेकर जारी विवाद के बीच सोमवार को हुई श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की अहम बैठक से पहले ट्रस्ट अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास ने पहली बार सार्वजनिक प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि राम मंदिर में हुई कथित चोरी की घटना से वह बेहद आहत हैं और उन्हें विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस मामले में दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाएंगे। बैठक से पहले जारी बयान में महंत नृत्य गोपाल दास ने कहा कि यह केवल चोरी का मामला नहीं, बल्कि करोड़ों हिंदुओं की आस्था से जुड़ा विषय है। उन्होंने कहा कि इस मामले में किसी भी व्यक्ति को निजी लाभ या राजनीतिक उद्देश्य से बयानबाजी नहीं करनी चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस कथित 'पाप' में शामिल प्रत्येक व्यक्ति के खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी। सूत्रों के मुताबिक महंत नृत्य गोपाल दास हाल ही में स्वास्थ्य संबंधी कारणों से लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भर्ती हुए थे। तीन जुलाई को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बावजूद उनके सोमवार की बैठक में शामिल होने की संभावना नहीं है। पहले उनके वर्चुअल माध्यम से जुड़ने की चर्चा थी, लेकिन अब इसके भी संकेत नहीं हैं।

गुजरात में शेरनी ने किया किसान पर हमला : आधे घंटे तक रहा जबड़े में हाथ

भावनगर (एजेंसी)। गुजरात के भावनगर जिले के गरजिया गांव में सोमवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जब एक शेरनी ने कालूभाई बोगभाई परमार नामक किसान पर हमला किया। कालूभाई जब सुबह 10:30 बजे अपनी गाय को चारा खिलाने जा रहे थे, तभी शेरनी ने पीछे से उनकी पीठ पर वार कर उन्हें जमीन पर गिरा दिया। इसके बाद शेरनी ने उनका हाथ करीब आधे घंटे तक अपने जबड़े में दबाए रखा। कालूभाई ने अपनी जान बचाने के लिए लगातार संघर्ष किया और शेरनी को खरोंचा, जिसके बाद उसने उनका हाथ छोड़ दिया। घायल होने के बावजूद कालूभाई तुरंत वहां से भागने में सफल रहे। हमले से कुछ देर पहले, शेरनी ने हेमूभाई गढ़वी नामक एक अन्य व्यक्ति पर भी हमला करने की कोशिश की थी। हेमूभाई ने बताया कि शेरनी उनकी भैंस के पास थी और जब उन्होंने भगाने की कोशिश की, तब वह सीधे उनकी ओर दौड़ी। वे बाल-बाल बचे और भागकर अपने भाई के घर में घुसकर दरवाजा बंद किया। यह घटना तब हुई है जब भावनगर जिला, गिर नेशनल पार्क के निकट होने के कारण, अक्सर जंगली शेरों की रिहायशी इलाकों और खेतों में मौजूदगी से जूझता रहता है। इस घटना के बाद गरजिया गांव और आसपास के इलाकों के पशुपालकों में अपने पशुओं और परिवार की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता और दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने तत्काल वन विभाग को सूचना दी, जिसके बाद टीम डेढ़ घंटे के भीतर मौके पर पहुंच गई और शेरनी को पकड़ने के प्रयास शुरू कर दिए गए हैं। पालीताना तालुका पंचायत सदस्य चेतन डाभी ने वन विभाग से अपील की है कि वे इस क्षेत्र के शेरों को सुरक्षित रूप से जंगल में वापस छोड़ दें, क्योंकि ग्रामीण कई बार सुरक्षा व्यवस्था की कमी के बारे में सूचित कर चुके हैं, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

भैरव बाबा के मंदिर में वीआईपी दर्शन से 45 दिन में 3.09 करोड़ की आय

उज्जैन(एजेंसी)। काल भैरव मंदिर में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए शुरू की गई 500 रुपये की वीआईपी (शीघ्र दर्शन) व्यवस्था मंदिर प्रबंधन के लिए आय का बड़ा माध्यम बन गई है। 20 मई से 3 जुलाई तक 45 दिनों में इस व्यवस्था से मंदिर को 3 करोड़ 9 लाख 27 हजार रुपये की आय हुई है। मंदिर प्रबंधन के अनुसार वीआईपी श्रद्धालुओं के लिए अलग प्रवेश मार्ग बनाया गया है, जिससे सामान्य दर्शन व्यवस्था भी सुचारु बनी हुई है। अधिकारियों का कहना है कि प्राप्त आय का उपयोग मंदिर की सुविधाओं, रखरखाव और श्रद्धालुओं के लिए बेहतर व्यवस्थाएं विकसित करने में किया जाएगा।

दक्षिण के चार राज्यों में हटे 22.14 लाख मतदाताओं के नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत दक्षिण भारत के चार राज्यों की ड्राफ्ट मतदाता सूची से कुल 22.14 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। चुनाव आयोग के अनुसार यह कार्रवाई मतदाता सूची को अधिक सटीक और अद्यतन बनाने के उद्देश्य से की गई है। हटाए गए नामों में कर्नाटक के 6.12 लाख, आंध्र प्रदेश के 5.80 लाख, तमिलनाडु के 5.40 लाख और तेलंगाना के 4.82 लाख मतदाता शामिल हैं। आयोग का कहना है कि यह केवल ड्राफ्ट सूची है और अंतिम सूची जारी होने से पहले सभी दावों एवं आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा। जिन मतदाताओं के नाम सूची से हट गए हैं, वे निर्धारित प्रक्रिया के तहत दावा या आपत्ति दर्ज कराकर अपने दस्तावेज प्रस्तुत कर सकते हैं। सत्यापन के बाद पात्र पाए जाने पर उनके नाम दोबारा मतदाता सूची में जोड़े जाएंगे। चुनाव आयोग ने नागरिकों से अपील की है कि वे समय रहते अपनी मतदाता जानकारी की जांच करें और किसी भी त्रुटि की स्थिति में निर्धारित अवधि के भीतर आवेदन अवश्य करें।

नितिन नवीन को लेकर भाजपा और आप में जुबानी जंग

-पीएम मोदी और अरविंद केजरीवाल के बीच सोशल मीडिया पर हुई तकरार
-आप कौन हैं, टिप्पणी से शुरू हुआ था विवाद, राम मंदिर मुद्दे तक पहुंचा राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी और आम आदमी पार्टी (आप) के बीच सोशल मीडिया पर शुरू हुई जुबानी जंग अब और तेज हो गई है। विवाद की शुरुआत आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की एक टिप्पणी से हुई थी, जिसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिना नाम लिए प्रतिक्रिया दी। इसके जवाब में केजरीवाल ने भी प्रधानमंत्री के पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए राम मंदिर से जुड़े मुद्दे उठाए हैं।

यहां बताते चलें कि पूरा विवाद रविवार को उस समय शुरू हुआ, जब भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन लखनऊ दौरे पर शक्ति केंद्र संयोजक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। अपने संबोधन में उन्होंने कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी, अखिलेश यादव और अरविंद केजरीवाल यह भ्रम न पालें कि हिंदू समाज उनके बहकावे में आने वाला है।

नितिन नवीन के इस बयान से संबंधित भाजपा की एक पोस्ट को रीपोस्ट करते हुए दिल्ली के पूर्व सीएम और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने संक्षिप्त टिप्पणी की, आप कौन हैं? इसके बाद यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुई और चर्चा का विषय बन गई। सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पत्रकार पीयूष पद्माकर की एक पोस्ट का स्क्रीनशॉट साझा करते हुए लिखा कि यह सादगी और सरलता हर भाजपा कार्यकर्ता के लिए गर्व की बात है। पीयूष पद्माकर ने अपनी पोस्ट में नितिन नवीन के छात्र जीवन और राजनीतिक सफर का उल्लेख करते हुए उन्हें विनम्र और सरल व्यक्तित्व का नेता बताया था। राजनीतिक हलकों में प्रधानमंत्री की इस पोस्ट को केजरीवाल की टिप्पणी का अप्रत्यक्ष जवाब माना गया। प्रधानमंत्री मोदी की पोस्ट के बाद अरविंद केजरीवाल ने भी सोशल मीडिया मंच एक्स पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा कि प्रधानमंत्री ने नितिन नवीन के बारे में जानकारी देने के लिए धन्यवाद, लेकिन साथ ही सवाल किया कि देश यह जानना चाहता है कि राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी, जमीन घोटाले और निर्माण में कथित अनियमितताओं के आरोपों में कार्रवाई कब होगी और दोषियों को सजा क्यों नहीं दी जा रही है।

केजरीवाल की इस प्रतिक्रिया के बाद राम मंदिर से जुड़े मुद्दे भी राजनीतिक बहस का हिस्सा बन गए हैं। फिलहाल भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच सोशल मीडिया के जरिए आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है, जिससे राजनीतिक माहौल और गर्म हो गया है।

भारत की शरण में तिब्बती संघर्ष- दलाई लामा के 91वें जन्मदिन पर विशेष

नई दिल्ली (एजेंसी)। बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा अपना 91वां जन्मदिन मना रहे हैं। खुद को एक साधारण भिक्षु कहने वाले दलाई लामा ने बीते 60 सालों से अधिक समय से तिब्बत के लोगों और उनके हितों के लिए अथक प्रयास किए हैं। इस वैश्विक संघर्ष में भारत उनकी कर्मभूमि रहा है, जिसने उनके मिशन को एक नया जीवन दिया। 14वें दलाई लामा, ल्हामो धोंदुप का जन्म 06 जुलाई 1935 को किंघई प्रांत के एक किसान परिवार में हुआ था और महज दो साल की उम्र में उन्हें तिब्बत के आध्यात्मिक नेता के 14वें अवतार के रूप में पहचाना गया। साल 1950 में चीन ने तिब्बत पर शांतिपूर्ण मुक्ति का दावा कर कब्जा किया। किशोर दलाई लामा ने शुरुआती दौर में चीनी नेताओं से मुलाकातें कीं, लेकिन तिब्बत में चीनी दमन और ज्यादतियां जल्द ही मुखर होने लगीं। मार्च 1959 में, दलाई लामा को बिना अंगरक्षक के एक चीनी जनरल द्वारा नृत्य प्रदर्शन के लिए आमंत्रित किया गया, इस आमंत्रण ने अपहरण की आशंकाओं को जन्म दिया। हजारों तिब्बतियों ने उनके महल के बाहर विरोध प्रदर्शन किया, और चीनी हमले की अफवाहों के बीच 17 मार्च 1959 की रात को, तत्कालीन 23 वर्षीय दलाई लामा को सैनिक वेश में अपने परिवार और शीर्ष अधिकारियों के साथ ल्हासा से भागना पड़ा। उन्होंने भारतीय वाणिज्य दूत से भारत में शरण का अनुरोध किया। भारत ने, तिब्बत को हमेशा एक स्वतंत्र देश मानते हुए (हालांकि 1954 में पंचशील समझौते के तहत चीन के तिब्बत क्षेत्र के रूप में स्वीकार किया गया था), दलाई लामा का स्वागत किया। कुछ समय अरुणाचल प्रदेश के तवांग मठ में रुकने के बाद, पंडित नेहरू से मुलाकात के बाद 03 अप्रैल 1959 को उन्हें औपचारिक रूप से शरण दी गई। हिमाचल प्रदेश का धर्मशाला जल्द ही चीनी दमन से भाग रहे हजारों तिब्बती शरणार्थियों का घर बन गया और दलाई लामा ने भी वहीं स्थायी निवास बनाकर निर्वासित तिब्बती सरकार की स्थापना की। भारत के इस साहसिक कदम ने चीन को नाराज कर दिया।

करूर भगदड़: सीएम और मंत्रियों की बयानबाजी रोकने की याचिका पर आज सुनवाई

– डीएमके नेता आरएस भारती ने दायर की याचिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट तमिलनाडु के करूर भगदड़ मामले में मंगलवार को सुनवाई करेगा। यह सुनवाई द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) द्वारा दाखिल की गई याचिका पर होगी, जिसमें आरोप लगाया गया है कि राज्य के मुख्यमंत्री विजय और कुछ मंत्री सीबीआई जांच को प्रभावित करने वाले सार्वजनिक बयान दे रहे हैं। जस्टिस अहसनुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस शील नागु की पीठ महत्वपूर्ण मामले को सुनेगी, जिसमें गवाहों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और मंत्रियों की बयानबाजी पर तत्काल रोक लगाने की मांग की गई है।

दरअसल डीएमके नेता आरएस भारती ने अपनी याचिका में मंत्री आधव अर्जुन के बयानों का हवाला दिया है, जो इस मामले में खुद एक आरोपी हैं। याचिका में कहा गया है कि अर्जुन ने हाल ही में सार्वजनिक कार्यक्रम में हिसाब बराबर करना है जैसे भड़काऊ बयान दिए और करूर भगदड़ के लिए पिछली डीएमके सरकार को जिम्मेदार ठहराया। डीएमके का आरोप है कि इसतरह के बयान जांच प्रक्रिया में हस्तक्षेप करते हैं और राजनीतिक लाभ के लिए जनता की राय को प्रभावित करने का प्रयास है, जो सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में चल रही सीबीआई जांच के लिए अनुचित है।

याचिका में मुख्यमंत्री विजय के आगामी करूर दौरे पर भी चिंता जाहिर की गई है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, मुख्यमंत्री विजय 10 जुलाई को करूर जाकर भगदड़ में मारे गए लोगों के परिजनों को सरकारी सहायता और अनुकंपा नियुक्तियां प्रदान कर सकते हैं। डीएमके का मानना है कि यह कदम भी जांच को प्रभावित कर सकता है और पीड़ितों या उनके परिवारों को अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित कर सकता है। डीएमके की याचिका में कोर्ट से आग्रह किया गया है कि सीबीआई जांच की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित पक्षों, विशेषकर सत्ता में बैठे लोगों को सार्वजनिक बयानबाजी से रोका जाए।

यह मामला बीते साल 27 सितंबर को करूर जिले में हुई एक भीषण भगदड़ से जुड़ा है। मुख्यमंत्री विजय की एक चुनावी रैली के दौरान भारी भीड़ और कथित कुप्रबंधन के कारण हुई घटना में 41 लोगों की जान चली गई थी और 100 से अधिक घायल हो गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने बाद में मामले की जांच सीबीआई को सौंपी थी, जिसकी निगरानी पूर्व न्यायाधीश अजय रस्तोगी के नेतृत्व वाली एक समिति कर रही है।

'हरित दून' का संकल्प: एमडीडीए का एक लाख पौधों का लक्ष्य, खुद सड़कों पर उतरे बंशीधर तिवारी

आरव शर्मा

देहरादून (शिखर समाचार)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के 'हरित दून' विजन को धरातल पर उतारने के लिए मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने कमर कस ली है। विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाने की कोशिशों के तहत एमडीडीए देहरादून की तस्वीर बदलने की तैयारी में है। इसी कड़ी में एमडीडीए उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने सोमवार को कार्यालय जाते समय खुद सड़क पर रुककर पौधरोपण अभियान का औचक निरीक्षण किया और जमीनी हकीकत को परखा।

रास्ते में रुके, हरियाली के लिए झुके

सोमवार सुबह अपने कार्यालय के लिए निकलते समय बंशीधर तिवारी की नजर सड़क डिवाइडरों पर चल रहे पौधरोपण कार्यों पर पड़ी। उन्होंने तत्काल अपना वाहन रुकवाया और मौके पर पहुंचकर कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने न केवल पौधों की गुणवत्ता देखी, बल्कि स्वयं एक पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने उद्यान

अनुभाग के कर्मचारियों को निर्देश दिए कि लगाए गए पौधों की नियमित निराई-गुड़ाई और सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

एक लाख पौधों का महत्वाकांक्षी लक्ष्य

एमडीडीए ने इस वर्ष देहरादून में एक लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। यह अभियान केवल मुख्य मार्गों तक सीमित नहीं है, बल्कि शहर के पार्कों, सार्वजनिक स्थलों और खाली पड़ी जमीनों को भी हरा-भरा बनाने की योजना है। प्राधिकरण का मुख्य उद्देश्य देहरादून के वायु प्रदूषण को नियंत्रित करना और शहर के तापमान को संतुलित रखना है।

सिर्फ पौधारोपण नहीं, संरक्षण पर जोर

निरीक्षण के दौरान बंशीधर तिवारी ने स्पष्ट किया कि पौधारोपण महज एक औपचारिकता नहीं है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ भविष्य का निर्माण है। उन्होंने अधिकारियों को हिदायत दी कि किसी भी पौधे की सफलता तब मानी जाएगी जब वह सुरक्षित रहकर विकसित हो। एमडीडीए अब केवल पौधे लगाने पर ही नहीं, बल्कि उनके दीर्घकालिक रखरखाव और नियमित सिंचाई पर भी विशेष ध्यान दे रहा है।

कर्मचारियों का बढ़ाया उत्साह

मौके पर मौजूद उद्यान अनुभाग के कर्मचारियों की कार्यशैली की सराहना करते हुए बंशीधर तिवारी ने कहा कि शहर को हरित बनाने में इन कर्मचारियों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उपाध्यक्ष द्वारा खुद मौके पर पहुंचकर काम देखने से कर्मचारियों का उत्साहवर्धन हुआ। उन्होंने पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ काम जारी रखने के निर्देश दिए।

जनभागीदारी से बनेगा 'हरित देहरादून'

एमडीडीए सचिव मोहन सिंह बर्निया ने बताया कि प्राधिकरण अपनी ओर से पूरी कोशिश कर रहा है, लेकिन इस मुहिम की सफलता जनसहभागिता पर टिकी है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि वे अपने आसपास के पौधों की सुरक्षा को अपनी जिम्मेदारी समझें। यदि प्राधिकरण और आम नागरिक मिलकर इस दिशा में कदम उठाएं, तो देहरादून को 'हरित राजधानी' बनाने का सपना जल्द ही साकार हो सकेगा।

एलओसी पर मंडराता नजर आया पाक ड्रोन, भारतीय सेना ने चलाया तलाशी अभियान

जम्मू(एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती जिलों में आतंकवादियों की घुसपैठ और हथियारों की तस्करी के लिए पाकिस्तानी साजिशें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। सोमवार तड़के राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) से सटे अग्रिम इलाकों में एक बार फिर संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन की हलचल देखी गई। ड्रोन की इस संदिग्ध गतिविधि के बाद भारतीय सेना और स्थानीय पुलिस ने पूरे इलाके को घेरकर एक बड़े स्तर पर तलाशी अभियान की शुरुआत की है। अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक यह घटना रविवार देर रात की है, जिसके बाद सोमवार सुबह होते ही सुरक्षाबलों ने चप्पे-चप्पे को खंगालना शुरू कर दिया। सुरक्षा अधिकारियों के मुताबिक रविवार और सोमवार की दरमियानी रात राजौरी जिले के सुंदरबनी सेक्टर के अग्रिम गांवों मीनका और बेरीपट्टन के आसमान में एक उड़ती हुई संदिग्ध वस्तु देखी गई। यह वस्तु हूबहू एक सैन्य या जासूसी ड्रोन जैसी लग रही थी। एलओसी के बिल्कुल करीब स्थित इन गांवों के ऊपर यह ड्रोन कुछ समय तक मंडराता रहा। भारतीय सीमा में घुसपैठ करने के कुछ ही मिनटों बाद यह संदिग्ध ड्रोन वापस पाकिस्तान की सीमा की ओर लौट गया। सीमा पर तैनात सतर्क जवानों ने जैसे ही इसकी भिनभिनाहट सुनी और रोशनी देखी, तुरंत पूरे सुरक्षा तंत्र को हाई अलर्ट पर डाल दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि ड्रोन के वापस लौट जाने के तुरंत बाद सुरक्षाबलों ने बिना वक्त गंवाए मीनका और बेरीपट्टन समेत आसपास के पूरे जंगली और मैदानी इलाके की घेराबंदी कर दी। सोमवार सुबह पहली किरण के साथ ही सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवानों ने संयुक्त रूप से तलाशी अभियान शुरू किया। आमतौर पर सीमा पार से आने वाले इन ड्रोनों का इस्तेमाल पाकिस्तान में बैठे आतंकी आका दो मुख्य मकसदों के लिए करते हैं। घाटी में सक्रिय आतंकियों के लिए आईईडी, पिस्तौल, ग्रेनेड या अत्याधुनिक राइफलें गिराना।

देहरादून महायोजना-2041: भविष्य की तस्वीर पर जनता की मुहर, पहले दिन 18 आपत्तियों का निस्तारण

आरव शर्मा

देहरादून (शिखर समाचार)। आगामी डेढ़ दशक में राजधानी देहरादून की तस्वीर बदलने वाली ह्यदेहरादून महायोजना-2041ह्ल को लेकर मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने जनसुनवाई अभियान का आगाज कर दिया है। शहर के विस्तार, हरित क्षेत्रों के संरक्षण, आधुनिक यातायात व्यवस्था और बढ़ती आबादी की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए एमडीडीए इस योजना को और अधिक व्यवहारिक बनाने की कवायद में जुटा है। सोमवार को सेक्टर-1 के लिए अजबपुर खुर्द स्थित शकुन स्पोर्ट्स एकेडमी में आयोजित पहले जनसुनवाई कैंप में नागरिकों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर अपने सुझाव और आपत्तियां दर्ज कराईं।

18 नागरिकों ने रखे सुझाव, अधिकारियों ने लिया संज्ञान

जनसुनवाई कार्यक्रम में एमडीडीए के उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी, सचिव मोहन सिंह बर्निया और संयुक्त सचिव गौरव चटवाल सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। पहले दिन कुल 18 नागरिकों ने महायोजना-2041 के विभिन्न प्रावधानों पर अपने सुझाव और आपत्तियां प्रस्तुत कीं। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने इन सभी बिंदुओं का गंभीरता से परीक्षण किया, उनका अभिलेखीकरण किया और नियमानुसार आवश्यक संशोधन की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए।

शहर के भविष्य को आकार देने की बड़ी कवायद

एमडीडीए उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने स्पष्ट किया कि महायोजना-2041 केवल एक प्रशासनिक दस्तावेज नहीं है, बल्कि शहर के भविष्य का विजन है। उन्होंने कहा कि तेजी से बढ़ती आबादी, अनियोजित निर्माण, ट्रैफिक दबाव और पर्यावरणीय चुनौतियों के बीच एक संतुलित विकास जरूरी है। आवासीय, व्यावसायिक और औद्योगिक विकास के साथ-साथ

हरित पट्टियों का संरक्षण सुनिश्चित करना प्राधिकरण की प्राथमिकता है। उनके अनुसार, स्थानीय नागरिकों की सहभागिता ही इस योजना की सफलता की कुंजी है।

16 दिनों तक चलेगी जनसुनवाई की प्रक्रिया

प्राधिकरण द्वारा जारी कार्यक्रम के तहत 6 जुलाई से 21 जुलाई 2026 तक शहर के 12 अलग-अलग सेक्टरों में जनसुनवाई आयोजित की जाएगी। ये कैंप सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक संचालित होंगे। प्राधिकरण का स्पष्ट उद्देश्य है कि शहर के हर क्षेत्र की स्थानीय समस्याओं और संभावनाओं को महायोजना में स्थान दिया जाए। प्राप्त सभी सुझावों का तकनीकी एवं विधिक परीक्षण करने के बाद ही महायोजना में अंतिम संशोधन किए जाएंगे।

पारदर्शिता और जवाबदेही पर जोर

सचिव मोहन सिंह बर्निया ने बताया कि जनसुनवाई प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाया गया है। प्रत्येक सेक्टर में अधिकारियों की एक समर्पित टीम तैनात की गई है, जो नागरिकों के सुझावों को विधिवत दर्ज कर रही है। प्राधिकरण ने राजधानी के निवासियों से इस प्रक्रिया में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की है, ताकि एक आधुनिक, सुव्यवस्थित और पर्यावरण के अनुकूल देहरादून का निर्माण किया जा सके।

भरत तिवारी एनकाउंटर पर अलग-थलग पड़े अशोक चौधरी

-मंत्री के बयान से जेडीयू ने बनाई दूरी, न्यायिक जांच के बीच सियासी हलचल तेज

पटना (एजेंसी)। भोजपुर जिले के बिलौटी गांव के भरत तिवारी कथित एनकाउंटर मामले को लेकर जनता दल (यूनाइटेड) के भीतर अलग-अलग राय सामने आती दिख रही है। बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी द्वारा एनकाउंटर पर सवाल उठाने और पीड़ित परिवार से मुलाकात के बाद अब उनकी ही पार्टी ने उनके बयान से दूरी बना ली है। जेडीयू के वरिष्ठ नेता और मंत्री श्रवण कुमार ने स्पष्ट किया है कि अशोक चौधरी की टिप्पणियां उनकी व्यक्तिगत राय हैं, न कि पार्टी या बिहार सरकार का आधिकारिक रुख।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक श्रवण कुमार ने कहा, कि भरत तिवारी के घर अशोक चौधरी का दौरा भी निजी था और उसे सरकार या पार्टी के रुख के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए यह भी कहा कि सार्वजनिक

जीवन में नेताओं को सोच-समझकर बयान देना चाहिए, ताकि किसी तरह का भ्रम पैदा न हो। दरअसल, अशोक चौधरी ने 5 जुलाई को भोजपुर जिले के बिलौटी गांव पहुंचकर भरत तिवारी के परिजनों से मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने कथित मुठभेड़ पर सवाल उठाए थे और भरत तिवारी को बहादुर संतान बताते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई तथा निष्पक्ष जांच की बात कही थी। उन्होंने परिवार को न्याय दिलाने का भरोसा भी दिया था।

मुलाकात के बाद अशोक चौधरी ने कहा था कि उन्हें मामले के कई ऐसे पहलुओं की जानकारी मिली है, जिनसे वे पहले अवगत नहीं थे। उन्होंने कहा कि वह इन सभी तथ्यों से मुख्यमंत्री को अवगत कराएंगे और पूरे घटनाक्रम की जानकारी साझा करेंगे। उन्होंने पीड़ित परिवार को आश्वस्त किया कि मामले में निष्पक्ष जांच होगी और न्याय सुनिश्चित किया जाएगा। गौरतलब है कि भोजपुर जिले में 17 जून को हुई कथित पुलिस मुठभेड़ में भरत तिवारी की मौत के बाद इस मामले ने राजनीतिक तूल पकड़ लिया था। बढ़ते विवाद के बीच बिहार सरकार पहले ही इस घटना की न्यायिक जांच के आदेश दे चुकी है। अब अशोक चौधरी के बयान से पार्टी द्वारा दूरी बनाए जाने के बाद इस मुद्दे पर जेडीयू के भीतर मतभेद की चर्चा भी तेज हो गई है।

एमडीडीए में सजी विकास की प्रदर्शनी: 'सेवा सप्ताह' के जरिए जन-जन तक पहुंचा विकास का संकल्प

आरव शर्मा

देहरादून (शिखर समाचार)। मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) सभागार में सोमवार को विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। सेवा, सुशासन एवं समर्पण सप्ताह के तीसरे दिन आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व वाली सरकार के पिछले पांच वर्षों की विकास यात्रा और उपलब्धियों को आम जनता के सामने रखा गया।

प्रदेशभर में 4 से 10 जुलाई 2026 तक मनाए जा रहे इस सप्ताह का मुख्य उद्देश्य सुशासन, पारदर्शिता और जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारना है। एमडीडीए सभागार में आयोजित प्रदर्शनी में आधारभूत संरचना, कनेक्टिविटी, शहरी विकास, पर्यटन और आवास से जुड़ी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में नोडल अधिकारियों, प्राधिकरण के कर्मचारियों और बड़ी संख्या में स्थानीय निवासियों ने प्रतिभाग किया।

आधारभूत ढांचे के विस्तार पर रहा फोकस

प्रदर्शनी में विभिन्न डिस्प्ले पैनलों के माध्यम से सड़क, रेल, रोपवे और क्षेत्रीय हवाई संपर्क (उड़ान योजना) से जुड़ी परियोजनाओं की जानकारी दी गई। आगंतुकों को बताया गया कि किस प्रकार सरकार प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों को आधुनिक सुविधाओं से जोड़ रही है। चारधाम ऑल वेदर रोड, शहरी बुनियादी ढांचा और पर्यटन विकास से जुड़ी योजनाओं ने प्रदर्शनी में विशेष आकर्षण पैदा किया।

जन-भागीदारी से विकास को

मिलेगी गति

एमडीडीए उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने प्रदर्शनी के दौरान कहा कि सेवा सप्ताह सरकार की जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में आधारभूत संरचना के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुए हैं और इन विकास परियोजनाओं की वास्तविक तस्वीर आमजन तक पहुंचाना जरूरी है। उन्होंने सड़क, रेल और हवाई संपर्क जैसी परियोजनाओं को प्रदेश के आर्थिक और सामाजिक विकास का आधार बताया।

एमडीडीए सचिव मोहन सिंह बर्निया ने कहा कि इन कार्यक्रमों का उद्देश्य शासन और जनता के बीच संवाद को मजबूत करना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विकास योजनाओं की सफलता तभी संभव है जब नागरिक उनमें सक्रिय सहभागिता निभाएं। प्रदर्शनी का मकसद राज्य की विकासपरक सोच को नागरिकों के सामने स्पष्ट करना और उन्हें योजनाओं का लाभ लेने के लिए जागरूक करना है।

कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि सरकार का लक्ष्य विकास को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है, जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार से जुड़ी योजनाएं प्राथमिकता पर हैं।

गाजियाबाद की तीनों तहसीलों में हुए सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ के निर्देशन में गाजियाबाद की तीनों तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। मुख्य विकास अधिकारी श्री कुमार सौरभ की अध्यक्षता में मोदीनगर तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान 80 शिकायतें प्राप्त हुई और मौके पर 3 शिकायतों का निस्तारण किया गया। इस दौरान एसडीएम मोदीनगर अजीत कुमार सिंह, तहसीलदार सहित राजस्व विभाग, पुलिस विभाग, नगर पालिका सहित अन्य विभागों के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे। एडीएम एल/ए अवनीश सिंह की अध्यक्षता में लोनी तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान 70 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें मौके पर 4 शिकायतों का निरस्तारण किया गया। इस दौरान तहसीलदार सदर सहित सम्बंधित विभागों के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

एसडीएम अरूण दीक्षित की अध्यक्षता में सदर तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। इस दौरान 47 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से मौके पर 8 शिकायतों का निस्तारण किया गया। इस दौरान तहसीलदार सहित राजस्व विभाग, पुलिस विभाग, नगर निगम, स्वास्थ्य सहित अन्य विभागों के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे। इस प्रकार जनपद की तीनों तहसीलों में 197 शिकायतें प्राप्त हुई और मौके पर 15 शिकायतों का निस्तारण हुआ।

पुलिस लाइन्स का डीसीपी धवल जायसवाल ने किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के दिए निर्देश

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। पुलिस व्यवस्था को अधिक प्रभावी एवं सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से पुलिस उपायुक्त धवल जायसवाल ने पुलिस लाइन्स का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने परिसर की विभिन्न व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पुलिस उपायुक्त ने सबसे पहले पुलिस लाइन्स परिसर की साफ-सफाई, अनुशासन एवं रखरखाव की स्थिति का अवलोकन किया। उन्होंने बैरकों, कार्यालयों, शस्त्रागार, वाहन पार्किंग, परेड ग्राउंड तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों का निरीक्षण कर वहां मौजूद व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परिसर में स्वच्छता और अनुशासन बनाए रखने में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा नियमित रूप से साफ सफाई सुनिश्चित की जाए इसके अलावा निरीक्षण के दौरान विभिन्न शाखाओं में रखे जाने

वाले अभिलेखों एवं दस्तावेजों के संधारण की भी जांच की गई। पुलिस उपायुक्त ने अभिलेखों को अद्यतन रखने, आवश्यक दस्तावेजों का व्यवस्थित रखरखाव करने तथा सरकारी रिकॉर्ड के संरक्षण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी अभिलेख निर्धारित नियमों के अनुरूप सुरक्षित एवं व्यवस्थित होने चाहिए ताकि आवश्यकता पड़ने पर उन्हें तुरंत उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों से विभिन्न व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए कहा कि पुलिस लाइन्स किसी भी पुलिस कमिश्नरेट की कार्यप्रणाली का महत्वपूर्ण केंद्र होता है। इसलिए यहां की व्यवस्थाएं हर समय बेहतर और मानकों के अनुरूप रहनी चाहिए। प्रत्येक कार्य का समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से निष्पादन सुनिश्चित किया जाए तथा किसी भी प्रकार की कमी पाए जाने पर उसका तत्काल समाधान किया जाए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पुलिस कर्मियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं की भी समीक्षा की और आवश्यकतानुसार उनमें सुधार करने के निर्देश दिए।

पूजा पाठ का मजाक उड़ाने की रंजिश में दोस्त ने की युवक की निर्मम हत्या, 10 घंटे में हुआ खुलासा

मोदीनगर (शिखर समाचार)। निवाड़ी थाना क्षेत्र के पूठरी गांव में 21 वर्षीय युवक तरुण कुमार की हत्या का पुलिस ने महज 10 घंटे के भीतर पदार्फाश करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जांच में सामने आया कि हत्या की वजह आरोपी की धार्मिक आस्था और पूजा पाठ का लगातार मजाक उड़ाया जाना था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त दराती और मृतक का मोबाइल फोन बरामद कर लिया है। मुजफ्फरनगर जनपद के खतौली क्षेत्र के शेरपुट्टा गांव निवासी निर्दोष कुमार अपने परिवार के साथ पूठरी गांव में किराये के मकान में रहकर मजदूरी करते हैं। उनका पुत्र तरुण कुमार मेरठ के मोहिउद्दीनपुर स्थित गद्दा निर्माण कारखाने में कार्यरत था। रविवार शाम निर्दोष कुमार किसी कार्य से निवाड़ी गए हुए थे। इसी दौरान तरुण अपने पिता को लेने के लिए पैदल निवाड़ी के लिए निकला, लेकिन देर रात तक घर नहीं लौटा। परिजनों ने काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद मामले की सूचना निवाड़ी थाना पुलिस को

मृतक तरुण कुमार का फाइल फोटो

आरोपी निरांचल उर्फ मंत्री पुलिस गिरफ्त में

दी गई। सोमवार सुबह पूठरी गांव के एक किसान ने अपने गन्ने के खेत में एक युवक का शव पड़ा होने की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान तरुण कुमार के रूप में कराई। शव पर धारदार हथियार से किए गए कई वार के निशान मिले, जिससे स्पष्ट था कि युवक की बड़ी बेरहमी से हत्या की गई है। निवाड़ी थाना प्रभारी अंकित कुमार चौहान ने बताया कि घटनास्थल से मिले साक्ष्यों और पूछताछ के आधार पर गांव निवासी निराचल को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उसने हत्या की बात स्वीकार करते हुए बताया कि वह नियमित रूप से पूजा-पाठ करता था, लेकिन तरुण और गांव का एक अन्य युवक प्रिंस उसका उपहास उड़ाते हुए उसे बाबा कहकर चिढ़ाते थे। इस बात को लेकर उसके मन में गहरा आक्रोश था। आरोपी ने यह भी बताया कि तीन दिन पहले उसने इसी विवाद में प्रिंस पर पेचकस से हमला किया था, लेकिन वह बच गया था।

रविवार शाम जब उसने तरुण को अकेले पैदल जाते देखा तो पहले उसके सिर पर दराती से हमला किया। इसके बाद उसे खींचकर गन्ने के खेत में ले गया और उस पर कई वार कर उसकी हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी ने शव को पॉलीथीन में लपेटकर गंग नहर में फेंकने की योजना बनाई, लेकिन किसी व्यक्ति की आहट मिलने पर वह शव खेत में ही छोड़कर फरार हो गया।

संपूर्ण समाधान दिवस में 82 शिकायतें दर्ज, 14 का मौके पर निस्तारण, जिलाधिकारी ने गर्भवती महिलाओं को वितरित की पोषण किट

हापुड़ (शिखर समाचार)। जनपद की तीनों तहसीलों में सोमवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में प्रशासन ने आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर जोर दिया। समाधान दिवस से पूर्व गढ़मुक्तेश्वर तहसील परिसर में महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से आयोजित गोद भराई कार्यक्रम में जिलाधिकारी कविता मीना ने पांच गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म संपन्न कराई। इस अवसर पर महिलाओं को फल, सूखे मेवे, हरी सब्जियां तथा पोषण किट वितरित की गई। आंगनबाड़ी कार्यकताओं ने गर्भवती महिलाओं को संतुलित एवं पौष्टिक आहार, नियमित स्वास्थ्य जांच तथा प्रसव पूर्व देखभाल के महत्व की जानकारी देकर स्वस्थ मातृत्व के प्रति जागरूक किया।

इसके उपरांत गढ़मुक्तेश्वर तहसील में जिलाधिकारी कविता मीना और पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ। यहां कुल 29 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से सात का अधिकारियों ने मौके पर ही निस्तारण कर दिया। शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को समयबद्ध कार्रवाई के लिए सौंप दिया गया। समाधान दिवस में खतौनी, वरासत, सीमांकन, नामांतरण, अतिक्रमण, भूमि विवाद, मारपीट, शांति व्यवस्था, साइबर ठगी, पेंशन, आवास, शौचालय, सड़क,

विद्युत आपूर्ति तथा पेयजल जैसी समस्याओं से जुड़े प्रार्थना पत्र बड़ी संख्या में प्राप्त हुए।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत का जन शिकायत पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अंकन कर निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि राजस्व एवं पुलिस विभाग आपसी समन्वय बनाकर भूमि विवादों का 15 दिनों के भीतर निस्तारण करें तथा शिकायतकताओं को दूरभाष के माध्यम से भी कार्रवाई की जानकारी उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि समाधान दिवस का उद्देश्य केवल शिकायत दर्ज करना नहीं, बल्कि लोगों को समय पर न्याय और राहत उपलब्ध कराना है। पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने कानून व्यवस्था से संबंधित शिकायतों पर संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक थाने में पीड़ितों की प्रभावी सुनवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि लोगों को अनावश्यक रूप से उच्च अधिकारियों के चक्कर न लगाने पड़ें। प्रशासन की प्राथमिकता है कि प्रत्येक शिकायत का निष्पक्ष एवं समयबद्ध समाधान हो।

इसी क्रम में धौलाना तहसील में अपर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में 19 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से दो का मौके पर ही निस्तारण किया गया। वहीं हापुड़ तहसील में मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा की अध्यक्षता में 34 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से पांच शिकायतों का तत्काल समाधान कराया गया। इस प्रकार जनपद की तीनों तहसीलों में कुल 82 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 14 का मौके पर ही निस्तारण कर प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई का संदेश दिया, जबकि शेष मामलों के शीघ्र निस्तारण के लिए संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया।

भांजे ने साथियों के साथ मिलकर रची लूट की साजिश, मसूरी पुलिस ने 3 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना मसूरी पुलिस और स्वाट टीम ग्रामीण जोन ने महज 24 घंटे के भीतर 2.25 लाख रुपये की लूट की वारदात का सनसनीखेज खुलासा करते हुए तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि जिस युवक ने खुद को लूट का शिकार बताया था, उसी ने अपने साथियों के साथ मिलकर पूरी साजिश रची थी। पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से लूट की रकम में से 1 लाख 67 हजार रुपये नकद और वारदात में प्रयुक्त स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की है, जबकि एक अभियुक्त मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है। 5 जुलाई को मसूरी थाने में रिजवान ने तहरीर देकर बताया था कि उसने अपनी फैक्ट्री से अपने पार्टनर दानिश के माध्यम से 2 लाख 25 हजार रुपये मंगवाए थे। रुपये

लेकर आ रहे उसके रिश्ते के भांजे से बाइक सवार तीन बदमाशों ने मसूरी क्षेत्र में नकदी लूट ली। मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल मुकदमा दर्ज कर पुलिस और स्वाट टीम को खुलासे की जिम्मेदारी सौंपी गई। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज, सर्विलांस और अन्य तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया गया। जांच में कई संदिग्ध तथ्य सामने आए, जिसके बाद पुलिस ने कथित पीड़ित युवक नवेद और उसके साथियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में पूरे मामले का पदार्फाश हो गया। पुलिस पूछताछ में नवेद ने बताया कि उसे पहले से जानकारी थी कि वह फैक्ट्री से 2.25 लाख रुपये लेकर आएगा। इतनी बड़ी रकम देखकर उसके मन में लालच आ गया और उसने अपने दोस्तों शादाब, फरकान और शोएब के साथ मिलकर लूट की योजना बना ली थी। योजना के तहत वह रुपये लेकर निकला, जबकि उसके साथी दूसरी बाइक से पीछे-पीछे चलते रहे। मसूरी अंडरपास से आगे बैंके बिहारी डेंटल कॉलेज के पास तय योजना के अनुसार साथियों ने उससे नकदी छीन ली। शक से बचने के लिए नवेद ने खुद ही पुलिस चौकी पहुंचकर लूट की झूठी सूचना दे दी। बाद में सभी आरोपी रकम का बंटवारा करने वाले थे, तभी पुलिस ने तीन अभियुक्तों को दबोच लिया, जबकि शोएब अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया।

राष्ट्रीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में रजत पदक जीतने वाले निशांत का हापुड़ में भव्य स्वागत

हापुड़ (शिखर समाचार)। जनपद के होनहार मुक्केबाज निशांत ने 23 से 29 जून 2026 तक पंजाब के जालंधर स्थित लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में आयोजित पांचवीं अंडर-15 सब जूनियर राष्ट्रीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता के 70 प्लस किलोग्राम भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीतकर हापुड़ और उत्तर प्रदेश का गौरव बढ़ाया। उनकी इस उपलब्धि पर सोमवार को जिला खेल कार्यालय एवं जिला हापुड़ बॉक्सिंग एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में मूलचंद त्यागी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में उप क्रीड़ा अधिकारी अरुणा, जिला हापुड़ बॉक्सिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपक त्यागी, महासचिव रोबिन सिंह तथा बॉक्सिंग प्रशिक्षक शाहरुख खान ने पुष्पमालाएं पहनाकर निशांत का सम्मान किया। कार्यक्रम में मौजूद खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच उनका स्वागत करते हुए इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि निशांत की सफलता जनपद के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। कठिन परिश्रम, अनुशासन और लगन के बल पर उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। इससे जिले में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने

का नया उत्साह मिलेगा।

बताया गया कि निशांत वर्तमान में झांसी स्थित खेल छात्रावास में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। उनके प्रशिक्षक सुनील कुमार ने रजत पदक जीतने पर उन्हें बधाई देते हुए विश्वास जताया कि वह भविष्य में राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी देश, प्रदेश और जनपद का नाम रोशन करेंगे।

जिला हापुड़ बॉक्सिंग एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने भी निशांत को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी उपलब्धि से जिले के अन्य युवा खिलाड़ी भी प्रेरित होंगे और खेलों के प्रति उनका रुझान बढ़ेगा। समारोह का समापन खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन और निशांत के उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ हुआ।

रेलवे स्टेशन के बाहर जलभराव से यात्री बेहाल, निकासी व्यवस्था ठप होने पर लोगों में रोष

हापुड़ (शिखर समाचार)। स्थानीय रेलवे स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार के बाहर लंबे समय से बने जलभराव ने यात्रियों, दुकानदारों और वाहन चालकों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। बरसात के बाद हालात और अधिक गंभीर हो गए हैं। जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण स्टेशन के बाहर स्थायी रूप से पानी जमा रहता है, जिससे प्रतिदिन हजारों यात्रियों को गंदे पानी से होकर स्टेशन तक पहुंचना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद रेलवे प्रशासन ने अब तक समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। स्टेशन पर आने जाने वाले यात्रियों का कहना है कि जलभराव के कारण बुजुर्गों, महिलाओं, बच्चों और दिव्यांग यात्रियों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है। कई बार लोग पानी में फिसलकर चोटिल भी हो चुके हैं। बारिश के दिनों में स्थिति और अधिक खराब हो जाती है, जिससे स्टेशन परिसर के बाहर आवागमन बाधित हो जाता है और यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है।

जलभराव का असर आसपास के व्यापार पर भी पड़ रहा है। स्टेशन के बाहर स्थित दुकानदारों का कहना है कि गंदा पानी जमा रहने से ग्राहक दुकानों तक पहुंचने से कतराते हैं, जिससे कारोबार प्रभावित हो रहा है। वहीं ऑटो और रिक्शा चालकों को भी यात्रियों को बैठाने

और उतारने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि लगातार जलभराव के कारण क्षेत्र में मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है, जिससे संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका भी बनी हुई है। लोगों ने रेलवे प्रशासन से जल्द से जल्द जल निकासी की स्थायी व्यवस्था कराने की मांग की है। यात्रियों और स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि रेलवे अधिकारियों को कई बार इस समस्या से अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा भी हो सकता है। उन्होंने रेलवे प्रशासन से जनहित को देखते हुए स्टेशन के बाहर जल निकासी की समुचित व्यवस्था कराने और जलभराव से स्थायी राहत दिलाने की मांग की है।

रेलवे लाइन पार करते समय ट्रेन की चपेट में आई पुलिस भर्ती की अभ्यर्थी, युवती की मौत

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। सिंभावली थाना क्षेत्र के गांव हिम्मतपुर के निकट उच्च न्यायालय रेलवे फाटक की ओर स्थित रेलवे लाइन पर सोमवार सुबह एक 21 वर्षीय युवती की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। सूचना मिलने पर सिंभावली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार मृतका की पहचान पायल (21 वर्ष) के रूप में हुई है। वह पुलिस भर्ती की तैयारी कर रही थी और हाल ही में भर्ती परीक्षा भी दे चुकी थी। परिजनों और स्थानीय लोगों के अनुसार पायल प्रतिदिन की तरह सोमवार सुबह भी शारीरिक दक्षता की तैयारी के लिए दौड़ लगाने मैदान जा रही थी। प्रारंभिक आशंका है कि रेलवे लाइन पार करते समय वह ट्रेन की चपेट में आ गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। थाना प्रभारी सुरेश कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। प्रथम दृष्टया मामला ट्रेन की चपेट में आने का प्रतीत हो रहा है, हालांकि घटना के सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ ही उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर घटना के कारणों का पता लगाने में जुटी है। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। गांव में भी शोक का माहौल है। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सर्विस सेंटर से टेस्ट ड्राइव के बहाने उड़ाई वरना कार, टीलामोड़ पुलिस ने 2 अभियुक्त को किया गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना टीलामोड़ पुलिस ने वाहन चोरी की वारदात का त्वरित खुलासा करते हुए 2 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है, जबकि उनके साथ शामिल एक बाल अपचारी को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से चोरी की गई हुंडई वरना कार भी बरामद की है। अभियुक्त कार वॉश सेंटर में काम करते थे और टेस्ट ड्राइव के बहाने कार लेकर फरार हो गए थे। वह वाहन को बेचने की फिराक में थे, लेकिन पुलिस ने समय रहते उन्हें धर दबोचा। 5 जुलाई को टीलामोड़ क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई कि उसने अपनी हुंडई वरना कार धुलाई के लिए एक

सर्विस सेंटर पर छोड़ी थी। कुछ समय बाद पता चला कि कार वहां से गायब हो गई है। शिकायत के आधार पर थाना टीलामोड़ में वाहन चोरी का मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। चेकिंग के दौरान पुलिस ने हिंडन एयरपोर्ट सिविल टर्मिनल रोड से दो अभियुक्तों को चोरी की गई हुंडई वरना कार के साथ गिरफ्तार किया। उनके साथ मौजूद एक बाल अपचारी को भी हिरासत में लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान 19 वर्षीय अंश यादव और 19 वर्षीय प्रिंस के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वह कार धुलाई सेंटर पर कार्य करते थे। इसी दौरान उन्होंने कार को टेस्ट ड्राइव के बहाने बाहर निकाला और उसे लेकर फरार हो गए। उनका इरादा वाहन को बेचकर मोटी रकम कमाने का था, लेकिन उससे पहले ही पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। डीसीपी धवल जायसवाल ने बताया कि बरामदगी के आधार पर मुकदमे में संबंधित धाराओं की बढ़ोतरी कर दी गई है। अभियुक्तों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि क्या दोनों आरोपी पहले भी वाहन चोरी की अन्य घटनाओं में शामिल रहे है। उनके आपराधिक रिकॉर्ड और संभावित गिरोह से जुड़े होने के पहलुओं की भी जांच कर रही है। उन्होंने वाहन मालिकों से अपील कि वह अपने वाहन केवल विश्वसनीय सर्विस सेंटर पर ही दें और वाहन सौंपते समय आवश्यक दस्तावेज व पहचान की पुष्टि अवश्य करें, ताकि इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

सुहागरात पर पत्नी ने प्रेम संबंध की बताई बात, दंपती ने महिला थाने में आपसी सहमति से किया समझौता

हापुड़ (शिखर समाचार)। हापुड़ में नवविवाहित दंपती का वैवाहिक जीवन सुहागरात से पहले ही विवादों में घिर गया। विवाह के बाद पत्नी ने पति के सामने किसी अन्य युवक से प्रेम संबंध होने की बात कही। पति का आरोप है कि पत्नी ने उसे निकट आने पर गंभीर परिणाम भुगतने और हत्या कराने तक की धमकी दी। इसके बाद मामला महिला थाने पहुंचा, जहां दोनों पक्षों की काउंसलिंग कराई गई। अंततः आपसी सहमति से समझौता हो गया और युवती अपने प्रेमी के साथ चली गई।

जानकारी के अनुसार हापुड़ निवासी युवक का विवाह 25 जून को मेरठ जनपद के एक गांव की युवती से हुआ था। पति ने महिला थाना प्रभारी अरुणा राय को दी गई शिकायत में आरोप लगाया कि विवाह की पहली रात ही पत्नी ने स्पष्ट कर दिया कि वह किसी अन्य युवक से प्रेम करती है और उसके साथ वैवाहिक संबंध नहीं रखना चाहती। पति का यह भी आरोप है कि विरोध करने पर पत्नी ने उसे छूने की कोशिश करने पर गंभीर परिणाम भुगतने और हत्या कराने की धमकी दी। युवक ने बताया कि उसने इस संबंध में युवती के परिजनों को भी जानकारी दी, लेकिन उनकी ओर से कोई समाधान नहीं निकला। मामला महिला थाने पहुंचने पर महिला थाना प्रभारी अरुणा राय ने दोनों पक्षों तथा उनके परिजनों की काउंसलिंग कराई। काफी देर तक चली बातचीत के बाद दोनों पक्ष आपसी सहमति से विवाद समाप्त करने पर राजी हो गए। समझौते के बाद नवविवाहिता अपने प्रेमी के साथ चली गई, जबकि पति ने भी इस निर्णय पर सहमति जताई। महिला थाना प्रभारी अरुणा राय ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच शांतिपूर्ण ढंग से समझौता हो गया है। किसी भी पक्ष ने आगे कोई कानूनी कार्रवाई की मांग नहीं की। पुलिस के अनुसार मामला आपसी सहमति से निपटाया गया है और आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर दी गई हैं।

बिजलीघर में निकला कोबरा, वन विभाग की त्वरित कार्रवाई से टला खतरा

हापुड़ (शिखर समाचार)। बाबूगढ़ थाना क्षेत्र स्थित रमपुरा बिजलीघर में सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब परिसर में एक विषैला कोबरा सांप दिखाई दिया। सांप को देखते ही बिजलीघर में कार्यरत कर्मचारियों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। कर्मचारियों ने सतर्कता बरतते हुए स्वयं उसे पकड़ने का प्रयास नहीं किया और तत्काल वन विभाग को सूचना दी।

सूचना मिलते ही वन विभाग की रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। टीम ने सावधानी और विशेषज्ञता के साथ रेस्क्यू अभियान चलाते हुए कोबरा सांप को सुरक्षित तरीके से पकड़ लिया। रेस्क्यू के दौरान कुछ देर के लिए बिजलीघर परिसर में लोगों की भीड़ भी एकत्र हो गई, लेकिन वन विभाग की टीम ने स्थिति को पूरी तरह नियंत्रित रखा। वन विभाग की टीम ने बताया कि पकड़े गए कोबरा को उसके प्राकृतिक आवास को ध्यान में रखते हुए सुरक्षित जंगल क्षेत्र में छोड़ दिया गया, ताकि उसे किसी प्रकार की हानि न पहुंचे और आबादी वाले क्षेत्र में भी खतरा समाप्त हो सके। कोबरा के सुरक्षित रेस्क्यू के बाद बिजलीघर में कार्यरत कर्मचारियों ने राहत की सांस ली और वन विभाग की त्वरित कार्रवाई की सराहना की। अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि यदि कहीं भी विषैला या अन्य वन्य जीव दिखाई दे तो उसे पकड़ने का प्रयास न करें, बल्कि तत्काल वन विभाग या संबंधित विभाग को सूचना दें, ताकि किसी प्रकार की जनहानि या दुर्घटना से बचा जा सके।

योगी बोले : आज की अयोध्या रामभक्तों के तप संघर्ष का परिणाम

प्रयागराज में सी.एम ने प्रेरणास्थल पार्क का उद्घाटन किया, डिप्टी सीएम पूजा पाल का नाम भूले

प्रयागराज (एजेंसी)। सीएम योगी आदित्यनाथ सोमवार को प्रयागराज पहुंचे। वह यहां पर प्रेरणा स्थल पार्क का उद्घाटन किया। पार्क में लगीं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, अटल बिहारी वाजपेई और अशोक सिंघल की प्रतिमाओं का अनावरण किया। 37वीं राष्ट्रीय कयाकिंग प्रतियोगिता का भी उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि आज श्रीराम जन्मभूमि पर भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर पूरे देश के सामने है। आज जो भव्य अयोध्या हम देख रहे हैं, वह करोड़ों रामभक्तों के त्याग, तप और संघर्ष का परिणाम है। देश के पूज्य संतों को एक मंच पर लाने का यह सबसे बड़ा सांस्कृतिक आंदोलन था। पूज्य संतों के नेतृत्व और जन-जन की भागीदारी से पूरे देश में एक अद्भुत जनजागरण हुआ। सन 1980 के दशक में उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक एक ही नारा गूंजता था। न जाति का बंधन था, न क्षेत्र का, न भाषा का। चारों ओर एक ही स्वर सुनाई देता था। रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे।इन्हीं नारों के साथ उस समय के युवाओं ने पूज्य अशोक सिंघल जी के नेतृत्व में देश के भीतर एक नए जनआंदोलन को गति दी। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन सनातन धर्म, राष्ट्र और समाज की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। वहीं डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य मंच पर मौजूद सपा की बागी विधायक और भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष पूजा पाल का

नाम भूल गए। सीएम 3 घंटे तक संगमनगरी में रहेंगे। वह पीडब्लूडी प्रयागराज मंडल के कार्यों की समीक्षा भी करेंगे। शाम 6 बजे के करीब वह रवाना हो जाएंगे। समीक्षा बैठक का आयोजन प्रयागराज मेला प्राधिकरण सभागार में होगा। मंच पर सीएम के साथ डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, नंद गोपाल गुप्ता नंदी और सपा की बागी विधायक पूजा पाल भी मौजूद रहीं। सीएम योगी ने कहा- महाकुंभ के दौरान नगर निगम ने शिवाजी पार्क का निर्माण कर 'वेस्ट टू वेल्थ' का एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। महाकुंभ के दौरान इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालु शिवाजी पार्क देखने पहुंचे कि वहां जितना निवेश हुआ था, उससे कहीं अधिक लाभ प्राप्त हुआ।मुझे विश्वास है कि यमुना तट पर स्थापित इन तीन महान विभूतियों की प्रतिमाएं केवल इस क्षेत्र की शोभा ही नहीं बढ़ाएंगी, बल्कि हर नागरिक और हर युवा को नई प्रेरणा भी देंगी।आज श्रीराम जन्मभूमि पर भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर पूरे देश के सामने है। आज जो भव्य अयोध्या हम देख रहे हैं, वह करोड़ों रामभक्तों के त्याग, तप और संघर्ष का परिणाम है। अशोक सिंघल जी की सपना की अयोध्या है।
सन- 1980 के दशक में उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक एक ही नारा गूंजता था। न जाति का बंधन था, न क्षेत्र का, न भाषा का। चारों ओर एक ही स्वर सुनाई देता था–"रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे।"इन्हीं नारों के साथ उस समय के युवाओं ने पूज्य अशोक सिंघल जी के नेतृत्व में देश के भीतर एक नए जनआंदोलन को गति दी। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन सनातन धर्म, राष्ट्र और समाज की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। उनका संपूर्ण जीवन त्याग, तपस्या और राष्ट्रसेवा का प्रेरक उदाहरण है। योगी ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी हिंदू महासभा से नेहरू की कैबिनेट में मंत्री बने थे। मगर जब नेहरू ने भारत की अंखड़ता के खिलाफ काम करना शुरू किया तो उन्होंने ने इसका विरोध किया।

संक्षिप्त डायरी

गोरखपुर में पैसों की खातिर मासूम की हत्या

गोरखपुर (एजेंसी)। सहजनवा में 2 जुलाई को 6 साल के मासूम अंशुमान सिंह की गला दबाकर हत्या कर दी गई। इस घटना में हत्यारोपी किराएदार कल्पेश राय और साजिश रचने के आरोप में उसकी पत्नी नीलम राय को कानूनी प्रक्रिया पूरी कर रविवार को जेल भिजवा दिया। इस दौरान

कल्पेश की पत्नी ने कहा कि मुझे प्यार करने की सजा मिल रही है। आरोपी कल्पेश डेढ़ साल पहले नीलम से लव मैरिज किया था। एक माह पहले संतकबीरनगर से आकर अंशुमान के घर किराए का एक कमरा लेकर पत्नी के साथ रह रहा था। पुलिस के मुताबिक, हाई-फाई जिंदगी का ख्वाब देखने वाले पति-पत्नी की जरूरतें पूरी नहीं हो पा रही थीं। इसलिए दोनों ने बच्चे का अपहरण कर 50 हजार रुपये की फिरौती मांगने का प्लान बनाया। प्लान फेल होने पर कल्पेश ने बच्चे का गला दबाकर मार दिया। इसके बाद खंडहर में ही शव छोड़कर भाग निकला था। पुलिस के मुताबिक, सीसीटीवी कैमरे में गुरुवार की शाम करीब 5:57 बजे कल्पेश बच्चे को साथ लेकर जाता दिखा है। घर से 500 मीटर दूर खंडहर में बच्चे को लेकर गया। 6:20 बजे वह घर वापस आ गया। बाजार में लगे कैमरे की फुटेज के अनुसार, खंडहर की तरफ बच्चे को लेकर कल्पेश जाता दिखा है। वहां से 10 मिनट बाद अकेले बाहर आता दिखा है। पुलिस के मुताबिक, खंडहर के अंदर वह बच्चे का कैद करना चाहता था, लेकिन प्लान फेल हो गया। इसके बाद कल्पेश ने बच्चे का गला दबाकर मारा। इस दौरान वह करीब 10 मिनट तक रूका था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से हुआ खुलासा सहजनवा के वार्ड नंबर-9 पिपरा निवासी 6 साल के मासूम अंशुमान सिंह की गला दबाकर हत्या की गई थी। इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हुआ। वहीं आरोपी ने बताया था कि गलती से बच्चे का सिर दीवार में लड़ने की वजह से उसकी मौत हो गई थी। शनिवार शाम पोस्टमार्टम के बाद जैसे ही शव घर पहुंचा, पूरे इलाके में कोहराम मच गया। परिजनों की चीख-पुकार से माहौल गमगीन हो गया, वहीं ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। लोगों ने आरोपी को तत्काल फांसी देने की मांग को लेकर प्रदर्शन शुरू कर दिया, जिससे मौके पर तनाव की स्थिति बन गई स्थिति को देखते हुए सहजनवां, गीडा और आसपास के थानों की भारी पुलिस फोर्स तैनात करनी पड़ी। अधिकारियों ने लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया और निष्पक्ष जांच व कड़ी कार्रवाई का भरोसा दिया। इसके बाद पुलिस की मौजूदगी में कालेसर स्थित मोक्षधाम पर मासूम को जल समाधि दी गई।

पाली में बखिरा पम्प नहर-द्वितीय का आधुनिकीकरण जारी

गोरखपुर (एजेंसी)। पाली क्षेत्र स्थित बखिरा पम्प नहर-द्वितीय, नलकूप खण्ड प्रथम में आधुनिकीकरण का कार्य तेजी से चल रहा है। इस परियोजना के तहत पुराने पम्पों के स्थान पर नई क्षमता वाले पम्प, मोटर और पाइपलाइन स्थापित किए जा रहे हैं। पम्प हाउस के भीतर आवश्यक तकनीकी उपकरण भी लगाए जा रहे हैं, जिससे नहर की कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, आधुनिकीकरण का कार्य पूरा होने के बाद नहर के माध्यम से किसानों को अधिक सुचारु और समय पर सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराया जा सकेगा। इससे क्षेत्र की सिंचाई व्यवस्था मजबूत होगी और खरीफ व रबी दोनों मौसम की फसलों को लाभ मिलेगा। स्थानीय किसानों, जिनमें मुकेश, महेश, रमेश, मोहन, जगदीश, लक्ष्मण और जगमोहन शामिल हैं, का कहना है कि पहले पुराने पम्पों की कम क्षमता और बार-बार तकनीकी खराबी के कारण सिंचाई प्रभावित होती थी। नई व्यवस्था से पानी की आपूर्ति बेहतर होने की उम्मीद है। वर्तमान में, पम्प, मोटर और पाइपलाइन के इंस्टॉलेशन के साथ परीक्षण का कार्य भी जारी है। किसानों को आशा है कि परियोजना जल्द पूरी होने के बाद उन्हें सिंचाई संबंधी समस्याओं से काफी राहत मिलेगी। अधिशासी अभियंता विनोद थापा ने बताया कि किसानो की सुविधा के लिए आधुनिकीकरण किया जा रहा है जल्द से जल्द किसानों को बेहतर सुविधा मिलेगी

कंटेनर ने 2 ट्रैफिक सिपाहियों को कुचला, एक की मौत

कानपुर (एजेंसी)। बर्रा एलिवेटेड रोड पर सोमवार तड़के 4 बजे ड्यूटी पर तैनात 2 ट्रैफिक सिपाहियों को कंटेनर ने कुचल दिया। एक सिपाही की मौके पर मौत हो गई। दूसरा गंभीर घायल है। ट्रैफिक कांस्टेबल जितेंद्र कुमार और राकेश कुमार की ड्यूटी नौबस्ता चौराहे पर थी। देर रात झारखंड नंबर का खाली ट्रक नौबस्ता रैंप से होकर पनकी स्थित प्लांट जा रहा था। जितेंद्र और राकेश ने रुकने का इशारा किया तो ड्राइवर ने रफ्तार बढ़ा दी। शक होने पर दोनों ने ट्रक का पीछा किया। बर्रा बाईपास स्थित प्रिया नर्सिंग हॉस्पिटल के सामने एलिवेटेड फ्लाईओवर पर रोककर ड्राइवर को नीचे उतारा। दोनों ट्रक के पीछे खड़े होकर ड्राइवर के कागजात जांच रहे थे। तभी पीछे से आ रहे माल लदे कंटेनर ने ट्रक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि खाली कंटेनर करीब 50 मीटर तक घसीटता चला गया। उसके साथ दोनों कांस्टेबल और ड्राइवर भी घिसलते चले गए। मृतक जितेंद्र 2018 बैच के सिपाही थे। मूलरूप से आगरा के रहने वाले थे। जबकि सिपाही राकेश कुमार घायल हैं। उन्हें कांशीराम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राकेश मूलरूप से बुलंदशहर के रहने वाले हैं। ड्राइवर की पहचान बिहार के रितेश कुमार यादव (24) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, झारखंड नंबर का खाली ट्रक मूलरूप से बिहार के भोजपुर का रहने वाला रितेश चला रहा था। वह पनकी स्थित प्लांट जा रहा था। दोनों कांस्टेबल ड्राइवर को ट्रक के पीछे ले जाकर पूछताछ कर रहे थे। कागजात जांच रहे थे। ड्राइवर ने भोजपुर (बिहार) निवासी ट्रक के मालिक राजेश यादव से फोन पर दोनों की बात कराई थी। इसी दौरान पीछे से आ रहे कंटेनर टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही तीनों जमीन पर गिर गए। कंटेनर जितेंद्र और रितेश को कुचलता हुआ आगे बढ़ गया। जबकि, राकेश जख्मी हो गए। हादसे में सिपाही की मौत की सूचना मिलते ही अपर पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) डॉ. विपिन टाडा और डीसीपी ट्रैफिक रवींद्र कुमार मौके पर पहुंचे। घटनास्थल का निरीक्षण किया। घटना के कारणों को लेकर जानकारी जुटाई। हादसे के बाद एलिवेटेड रोड पर करीब 2 घंटे तक ट्रैफिक जाम लगा रहा। कांस्टेबल जितेंद्र कुमार के भाई ख्याली राम ने बताया- मैं आगरा में ही सैलून चलाता हूं। भाई जितेंद्र की शादी 2 दिसम्बर 2020 में पीएसी में तैनात इटावा के रहने वाले कैलाशचंद्र की बेटी वर्षा के साथ हुई थी। उनके ढाई साल की बेटी भूमिका है। पिता वीधाराम मजदूरी करते थे।

वॉट्सएप चैट न दिखाने पर गर्लफ्रेंड के तीन टुकड़े किए

जौनपुर (एजेंसी)। वॉट्सएप चैट नहीं दिखाने पर युवक ने शनिवार को अपनी शादीशुदा गर्लफ्रेंड की गला रेतकर हत्या कर दी। गड़ासे से लाश के तीन टुकड़े किए। दोनों हाथ और दोनों पैर काटकर अलग कर दिए। हाथ और धड़ को ब्लैक पॉलीथिन में भरकर अलग-अलग जगहों पर सड़क किनारे झाड़ियों में फेंक आया। वॉक पर निकले लोगों को बदबू की वजह से शक हुआ। पास जाकर देखा तो पॉलीथिन दिखाई दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पॉलीथिन खोली तो महिला का धड़ मिला। बाकी हिस्सों की तलाश शुरू की तो एक किमी. दूर हाथ मिले। शव के बाकी हिस्सों की तलाश के लिए 3 टीमें बनाईं। पूरे इलाके घेराबंदी कर दी। इस बीच रविवार देर रात मुखबिर ने खबर दी कि एक शख्स बाइक से वैसी की काली पॉलिथीन लेकर जा रहा है। रात करीब साढ़े 12 बजे पुलिस ने उसे घेर लिया। पकड़े जाने के डर से आरोपी ने फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में आरोपी के दाहिने पैर में गोली लगी। वह सड़क पर गिर पड़ा। पुलिस उसे गिरफ्तार कर अस्पताल ले गई। उसके पास से महिला के पैर, वारदात में इस्तेमाल गड़ासा और तमंचा बरामद हुआ है। पूछताछ में उसने जुर्म कबूल कर लिया है। महिला की पहचान वाराणसी की रेशमा खातून उर्फ सना (38) के रूप में हुई। उसके पति ने शव की शिनाख्त कर ली है। घटना जिला मुख्यालय से 25 किमी. दूर मड़ियाहूं कोतवाली क्षेत्र की है। मड़ियाहूं के सीओ विजय चौधरी ने बताया- हेमल खखरिया उर्फ दिलीप (42) पुत्र भूपेंद्र भाई खखरिया मड़ियाहूं कस्बे की टीचर्स कॉलोनी में किराए पर कमरा लेकर रहता था। अउ रिपेयरिंग का काम करता है। वह मूल रूप से गुजरात के भावनगर जिले का रहने वाला है। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि 2 महीने पहले उसकी मुलाकात वाराणसी के राजातालाब के गांव केवलीपुर की रहने वाली रेशमा खातून उर्फ सना से हुई। बातचीत के दौरान दोनों ने मोबाइल नंबर एक्सचेंज किए। सना ने नौकरी दिलवाने की बात कही तो उसने उसे पास बुला लिया। 18 हजार की सैलरी पर एक निजी कंपनी में नौकरी लगवा दी। फिर साथ ही रहने लगे। बीच-बीच में सना वाराणसी अपने घर भी जाती रही। 4 जुलाई यानी शनिवार की शाम उसने सना से मोबाइल मांगा। कहने लगा कि वाट्सऐप चैट देखनी है। सना ने इनकार किया तो भड़क गया। उनके बीच कहासुनी होने लगी। रात करीब 9 बजे उसने चाकू से सना का गला रेत दिया इसके बाद शव को ठिकाने लगाने के लिए मार्केट गया। गड़ासा और ब्लैक पॉलिथीन खरीदकर लाया। शव के तीन टुकड़े किए। रात के अंधेरे में एक हिस्सा 2 किमी. दूर रानीपुर बाईपास के पास सड़क किनारे झाड़ियों में फेंक आया। दूसरा हिस्सा 4 किमी दूर रामनगर पुलिया के पास फेंक आया।

अखिलेश के सामने पुशअप लगाने वाले सीताराम कौन

झांसी (एजेंसी)। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के सामने सपा कार्यकर्ता ने लेटकर पुशअप लगाए। यह झांसी के सीताराम यादव उर्फ कन्हैयालाल हैं। वह कहते हैं कि भैया के लिए एक या दो क्या, 100-200 पुशअप लगा देंगे। इसके बाद 50 साल के सीताराम ने अपना मोबाइल और घड़ी टेबल पर रखी। फिर पुशअप लगाना शुरू कर दिया। सीताराम के पुशअप की अखिलेश यादव ने खुद काउंटिंग की। लेकिन 4 पुशअप के बाद अखिलेश उन्हें रोकने लगे। इस पर सीताराम ने जवाब दिया कि यहीं अखाड़ा बनेगा। 9 पुशअप लगाने के बाद खुद अखिलेश ने उन्हें यह कहकर रोक दिया कि बस हाथ-पैर दुखने लगेंगे। सीताराम का पुशअप लगाते हुए यह वीडियो 1 जनवरी, 2026 का है। जो सोशल मीडिया पर अब सामने आया है। सपा प्रमुख का हाल ही में 1 जुलाई को जन्मदिन था। इस मौके पर सीताराम ने लखनऊ जाकर उन्हें

58 किलो की पीतल की प्रतिमा भेंट की थी। जिसमें अखिलेश साइकिल पर सवार हैं। सीताराम यादव उर्फ कन्हैयालाल ने बताया- मैंने लखनऊ कार्यालय पर एक जनवरी 2026 को पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की 38 किलो की पीतल की प्रतिमा सपा प्रमुख अखिलेश यादव को भेंट की थी। मैंने उनसे कहा था कि मुलायम सिंह यादव धरती पुत्र थे और पहलवान भी। मैं भी पहवान हूं। यह सुनते ही कि अखिलेश कहने लगे कि फिर तो पुशअप भी लगाते होंगे। मेरे हां कहते ही अखिलेश यादव बोले लगाकर दिखाओ। तब मैंने मुलायम सिंह यादव की प्रतिमा को प्रणाम किया और पुशअप लगाए। हालांकि, अखिलेश यादव ने बीच में ही मुझे पकड़ लिया। मैंने अखिलेश को बेटी की शादी का कार्ड भी दिया था। वह 21 फरवरी को शादी में शामिल होने के लिए झांसी आए थे। कन्हैयालाल ने बताया- एक जुलाई को अखिलेश यादव का जन्मदिन था। इस मौके पर अलीगढ़ से 58 किलोग्राम की पीतल की खास प्रतिमा बनवाई थी। इसमें अखिलेश यादव साइकिल पर सवार हैं। प्रतिमा लेकर एक जुलाई को लखनऊ कार्यालय पहुंचा तो हजारों की भीड़ थी मगर अखिलेश यादव ने मुझे देखकर मिलने बुलाया। तब मैंने उनको प्रतिमा भेंट की। अखिलेश यादव दिल के साफ हैं। हमेशा अपने कार्यकताओं का ध्यान रखते हैं। सीताराम यादव अपने क्षेत्र के बड़े किसान हैं। वह सपा के सक्रिय कार्यकर्ता है। सीताराम ने बताया कि मैं बचपन से ही पहलवान रहा हूं। मैं 50 साल का हो गया हूं, लेकिन रोजाना अपने घर पर एक से दो घंटे कसरत करता हूं। पुशअप लगाता हूं। इसी बदौलत आज भी फिट हूं। समाजवादी पार्टी के झांसी जिलाध्यक्ष बृजेंद्र सिंह भोजला का कहना है कि सीताराम यादव उर्फ कन्हैयालाल पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता है। कार्यकर्ता ही पार्टी की रीढ़ होती है।
सीताराम पार्टी के लिए क्षेत्र में भी कड़ी मेहनत करते हैं।

कन्नौज में किसान यूनियन का प्रदर्शन

कन्नौज (एजेंसी)। भारतीय किसान यूनियन महाशक्ति ने कन्नौज में कोल्ड स्टोरेज के मनमाने भाड़े और मंडी समिति में फर्जी लाइसेंस के खिलाफ सोमवार को प्रदर्शन किया। उन्होंने कलक्ट्रेट पहुंचकर एडीएम को ज्ञापन सौंपा और समस्याओं के समाधान की मांग की। संगठन के कानपुर मंडल अध्यक्ष अभिषेक यादव के नेतृत्व में भारतीय किसान यूनियन महाशक्ति के सदस्यों ने कलक्ट्रेट में नारेबाजी की। उन्होंने छिबरामऊ की नवीन मंडी समिति में व्याप्त अनियमितताओं और फजीवाड़े की शिकायत की। इसमें फर्जी लाइसेंस जारी करने,

अभिलेखों में छेड़छाड़ और मंडी शुल्क के गबन जैसे गंभीर आरोप लगाए गए। किसान नेताओं ने बताया कि वे इन मामलों को लेकर मंडी के उपनिदेशक को भी शिकायत पत्र दे चुके हैं, लेकिन कोई जांच या कार्रवाई नहीं हुई। इसी प्रकार, कोल्ड स्टोरेज में आलू किसानों से मनमाना भाड़ा वसूला जा रहा है। उन्होंने इसकी जांच करवाकर एक निश्चित भाड़ा तय करने की मांग की। खरीद केंद्रों पर मक्का खरीद में भी किसानों के साथ मनमानी की जा रही है और उन्हें परेशान किया जा रहा है। किसान नेताओं ने मक्का खरीद केंद्रों की जांच करवाने की मांग की, ताकि किसानों को उनकी फसल का उचित दाम मिल सके। इसके अतिरिक्त, किसान नेताओं ने बिना मानक संचालित स्कूलों की जांच और उन पर कार्रवाई की भी मांग रखी। उन्होंने सवाल उठाया कि जिन स्कूलों में आने-जाने का सिर्फ एक ही गेट है, उन्हें स्कूल चलाने की मान्यता कैसे मिल गई, इसकी भी जांच होनी चाहिए।

प्रयागराज में तूफानी बारिश, काशी में गलियों में पानी भरा

बरेली में सड़कें डूबीं, ई-रिक्शा पलटे; 10 शहरों में बरसात, 57 में अलर्ट

लखनऊ(एजेंसी)। यूपी में मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। प्रयागराज में तूफानी हवाओं के साथ बारिश हो रही है। सड़कों पर पानी भर गया है। इससे पहले वाराणसी, भदोही और मिजार्पुर समेत 10 शहरों में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। वाराणसी में गलियों में पानी भर गया। तेज हवाओं के कारण गंगा नदी किनारे लगी जेटी बह गई। लखनऊ-कानपुर समेत ज्यादातर शहरों में तेज धूप है। बीच-बीच में बादल छा रहे हैं। लखीमपुर खीरी के प्राइमरी स्कूल में गर्मी-उमस से 2 छात्र बेहोश हो गए। बरेली में हुई बारिश से कई सड़कें जलमग्न हो गईं। जलभराव में फंसकर कई ई-रिक्शा पलट गए। मौसम विभाग ने आज 57 शहरों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। कल से मानसूनी एक्टिविटी और तेज होगी। इससे पूरे प्रदेश में अच्छी बारिश होने की संभावना है। पिछले 24 घंटे की बात करें तो गाजियाबाद, बलिया समेत 18 शहरों में बरसात हुई। लखनऊ-बाराबंकी में 45 मिनट तक आंधी के साथ बारिश हुई। कई जगह पेड़ और पोल उखड़ गए। हापुड़ में बारिश से हाईवे पर पानी भर गया था। उत्तरी पश्चिमी बंगाल की खाड़ी में बना मौसमी सिस्टम आज शाम उत्तरी ओडिशा तट पार कर छत्तीसगढ़ की ओर बढ़ेगा। इसके मौजूदा पश्चिमी विक्षोभ के साथ मिलने की वजह से यूपी में कहीं-कहीं अचानक तेज बारिश हो सकती है। ओले गिर सकते हैं।गाजीपुर के रेवतीपुर क्षेत्र में सोमवार सुबह 10 बजे मौसम ने अचानक करवट ली। घने बादलों के बीच शुरू हुई बूंदाबांदी जल्द ही तेज बारिश में बदल गई, जिससे कई दिनों से पड़ रही उमस भरी गर्मी से लोगों को राहत मिली। बारिश के बाद तापमान में गिरावट आने से मौसम सुहावना हो गया। मौसम विज्ञान विभाग के महानिदेशक डॉ. एम महापात्रा ने बताया कि इस साल प्रशांत महासागर में ला नीना जैसी स्थितियां खत्म होकर अल नीनो की ओर बढ़ने के संकेत हैं, जो कम वर्षा का कारण बनेगी। यानी इस साल दक्षिण-पश्चिम मानसून के सामान्य से कमजोर रहने के संकेत हैं। साथ ही इस साल जनवरी-मार्च में उत्तरी गोलार्ध में बनी कम बर्फ भी मानसून को प्रभावित कर सकती है। मौसम विभाग ने बताया कि दक्षिण-पश्चिम मानसून सबसे पहले केरल तट से भारत में प्रवेश करता है। इसके बाद यह दो शाखाओं में विभाजित हो जाता है। पहली शाखा अरब सागर के रास्ते केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र, गुजरात और राजस्थान की ओर बढ़ती है, जबकि दूसरी शाखा बंगाल की खाड़ी से पश्चिम बंगाल, बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश की ओर आगे बढ़ती है। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, उत्तर प्रदेश में 2025 के मानसून सीजन (जून से सितंबर) के दौरान औसतन 870 से 900 मिमी बारिश दर्ज की गई थी। यह सामान्य मानसूनी औसत से करीब 10 से 15 प्रतिशत अधिक रही। अयोध्या में आसमान में हल्के बादल छाए हुए हैं। उमस भरी गर्मी पड़ रही है। पिछले 24 घंटे में अधिकतम तापमान 38.5 डिग्री दर्ज किया गया। आचार्य नरेंद्र देव कृषि प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मौसम विभाग के अनुसार, आगामी 24 घंटे में पूर्वी आसमान में मध्यम बादल छाए रहने और कहीं-कहीं बूंदाबांदी होने की संभावना है।

संपूर्ण समाधान दिवस में 171 शिकायतें पहुंचीं, 13 का मौके पर निस्तारण

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। शासन की मंशा के अनुरूप आमजन की समस्याओं के त्वरित, प्रभावी और समयबद्ध समाधान के उद्देश्य से सोमवार को जनपद की तीनों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। तहसील सदर में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी मेघा रूपम ने की। इस दौरान तीनों तहसीलों में कुल 171 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 13 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष मामलों को संबंधित विभागों के अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्रवाई के लिए सौंपा गया। तहसील सदर में आयोजित समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी मेघा रूपम ने स्वयं फरियादियों की समस्याएं सुनीं। यहां कुल 17 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से पांच का तत्काल निस्तारण कर दिया गया। शेष शिकायतों के संबंध में संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर मौके पर जाकर जांच करें और शिकायतकताओं को संतुष्ट करते हुए गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण पूरी संवेदनशीलता, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता है कि जनता की समस्याओं का शीघ्र और प्रभावी समाधान हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी भी शिकायत को केवल औपचारिकता के तौर पर निपटाया न जाए, बल्कि वास्तविक स्थिति का सत्यापन कर न्यायसंगत

कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा करते हुए सभी विभागों को निर्देश दिए कि पोर्टल पर दर्ज प्रत्येक शिकायत का शत-प्रतिशत एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए, ताकि शासन की जनकल्याणकारी मंशा धरातल पर प्रभावी रूप से दिखाई दे और शिकायतकताओं को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान मुख्य विकास अधिकारी भाल चंद्र त्रिपाठी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मदन मोहन मणि त्रिपाठी, एसीपी ग्रेटर नोएडा-क्क्क डॉ. रवि शंकर मिश्र, प्रभारी जिला विकास अधिकारी एवं परियोजना निदेशक डीआरडीए नेहा सिंह, तहसीलदार सदर अजय कुमार, नायब तहसीलदार सदर ज्योत्सना सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। उधर, तहसील जेवर में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) मंगलेश दुबे की अध्यक्षता में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में 72 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से दो का मौके पर ही निस्तारण किया गया। वहीं तहसील दादरी में उप जिलाधिकारी अनुज नेहरा की अध्यक्षता में आयोजित समाधान दिवस में 82 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से छह शिकायतों का तत्काल समाधान किया गया। शेष मामलों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए।

10 वर्ष पुराने प्लॉट पर कब्जे का आरोप, न्यायालय के आदेश पर तीन नामजद समेत आठ लोगों पर मुकदमा दर्ज

दादरी (शिखर समाचार)। कोतवाली दादरी क्षेत्र की सारिका विहार कॉलोनी में लगभग दस वर्ष पहले खरीदे गए प्लॉट पर कथित रूप से अवैध कब्जा करने, फर्जी दस्तावेज तैयार कर दोबारा बिक्री करने और विरोध करने पर धमकाने के मामले में न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने तीन नामजद तथा पांच अज्ञात लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रकरण में धोखाधड़ी, अवैध कब्जा और धन हड़पने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार मिश्रा ने बताया कि बिहार के कटिहार जनपद के मिचाई वाड़ी गांव निवासी विक्की कुमार दास, जो वर्तमान में गौर सिटी, नोएडा में रहते हैं, ने न्यायालय के आदेश पर मुकदमा दर्ज कराया है। शिकायत में बताया गया है कि उनके पिता ने 24 फरवरी 2016 को सारिका विहार कॉलोनी में जारचा रोड निवासी विकास कुमार से एक प्लॉट खरीदा था। प्लॉट खरीदने के बाद उसकी नींव भरवाई गई और समय समय पर उसकी देखरेख भी की जाती रही। हालांकि कोरोना काल के दौरान नियमित निगरानी नहीं हो सकी। शिकायत के अनुसार इसी दौरान विकास कुमार ने प्लॉट की देखरेख का भरोसा दिलाते हुए विश्वास में लिया। आरोप है कि बाद में उसने कथित रूप से फर्जी दस्तावेज तैयार कर उसी प्लॉट को किसी अन्य व्यक्ति को बेच दिया। इसके बाद दबंग प्रवृत्ति के लोगों ने प्लॉट पर जबरन कब्जा कर लिया। पीड़ित का आरोप है कि जब उन्होंने इसका विरोध किया तो विकास कुमार और विजय उर्फ प्रधान ने उन पर दबाव बनाया, रजिस्ट्री के दस्तावेज छीनकर फाड़ दिए और कुछ रुपये देकर मामले को दबाने का प्रयास किया। पीड़ित का कहना है कि उसने पहले पुलिस से शिकायत की थी, लेकिन कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद न्यायालय की शरण ली गई। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने विकास कुमार, विजय उर्फ प्रधान, जसबीर तथा पांच अज्ञात लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

मारीपत रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ की कार्रवाई, तीन अवैध वेंडरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

दादरी (शिखर समाचार)। दिल्ली-हावड़ा रेल मार्ग पर यात्रियों की सुरक्षा और रेलवे नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने मारीपत रेलवे स्टेशन पर बड़ी कार्रवाई करते हुए लोकल पैसेंजर ट्रेन में बिना वैध अनुमति खाद्य सामग्री और पेय पदार्थ बेच रहे तीन अवैध वेंडरों को गिरफ्तार किया। तीनों के खिलाफ रेलवे अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर विधिक कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई के बाद ट्रेनों में अवैध रूप से वेंडिंग करने वालों में हड़कंप मच गया है। आरपीएफ प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार ने बताया कि टूंडला से दिल्ली की ओर जा रही लोकल पैसेंजर ट्रेन के मारीपत रेलवे स्टेशन पहुंचने पर आरपीएफ टीम ने नियमित जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान रेल डिब्बों में खाद्य सामग्री और पेय पदार्थ बेच रहे तीन लोगों को रोका गया। उनसे रेलवे द्वारा जारी वैध वेंडर लाइसेंस प्रस्तुत करने को कहा गया, लेकिन वे कोई भी अधिकृत दस्तावेज नहीं दिखा सके। इसके बाद आरपीएफ कर्मियों ने तीनों को ट्रेन से उतारकर हिरासत में लिया। उनके कब्जे से खाद्य सामग्री और पेय पदार्थ भी बरामद किए गए, जिन्हें नियमानुसार जब्त कर लिया गया। सभी आरोपियों को आरपीएफ थाने लाया गया, जहां उनके विरुद्ध रेलवे अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की गई। आरपीएफ अधिकारियों ने बताया कि ट्रेनों और रेलवे परिसरों में बिना अनुमति खाद्य सामग्री या अन्य सामान बेचना रेलवे नियमों का उल्लंघन है। ऐसे लोगों के विरुद्ध आगे भी लगातार अभियान चलाया जाएगा, ताकि यात्रियों को सुरक्षित और अधिकृत सेवाएं ही उपलब्ध हो सकें। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि रेलवे की अनुमति के बिना किसी भी प्रकार की वेंडिंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

बसपा सेक्टर समिति की बैठक में संगठन विस्तार और 2027 विधानसभा चुनाव की रणनीति पर मंथन

बिजनौर (शिखर समाचार)। बहुजन समाज पार्टी की सेक्टर समिति की बैठक का आयोजन रविदास समिति के अध्यक्ष धनीराम की अध्यक्षता तथा विधानसभा प्रभारी ब्रह्मपाल सिंह के संचालन में किया गया। बैठक में संगठन की मजबूती, कार्यकताओं की सक्रिय भूमिका और वर्ष 2027 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाने, जनसंपर्क बढ़ाने तथा पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने पर बल दिया। बैठक को संबोधित करते हुए विधानसभा प्रभारी ब्रह्मपाल सिंह ने बहुजन समाज पार्टी के शासनकाल में कराए गए जनहित एवं विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि पार्टी ने सर्वजन हिताय और सर्वजन सुखाय की भावना के साथ कार्य किया था। उन्होंने कार्यकताओं से घर-घर जाकर पार्टी की नीतियों और उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। साथ ही उपस्थित कार्यकताओं को वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में पूर्ण बहुमत प्राप्त कर बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती को पांचवीं बार उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प दिलाया। विधानसभा उपाध्यक्ष मोहम्मद जकी ने अपने संबोधन में सामाजिक भाईचारे और आपसी एकता पर जोर देते हुए कहा कि सभी वर्गों को साथ लेकर चलने से ही राजनीतिक सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने विशेष रूप से मुस्लिम समाज से पार्टी की नीतियों पर विश्वास जताते हुए संगठन को मजबूत बनाने में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। बैठक में राष्ट्रमित्र रवि, विपिन कुमार, संजीव कुमार सैनी, मोहम्मद जकी, मोहम्मद फुरकान, सतीश कुमार, सत्य प्रकाश, मोहम्मद अकील, कैलाश सिंह, हरि सिंह, रूपचंद, प्रकाश सिंह, महेश सिंह, किशन सिंह, रामलाल उर्फ रामे, ओमपाल, दीपक कुमार सहित अनेक पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने अपने विचार व्यक्त किए तथा संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प दोहराया।

पुरानी रंजिश में युवक को सीने में मारी गोली, आरोपी अवैध तमंचे समेत गिरफ्तार

जेवर (शिखर समाचार)। जेवर क्षेत्र के थोरा गांव में सोमवार रात पुरानी रंजिश ने खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। गांव के एक युवक को उसके घर के बाहर खड़े होने के दौरान गोली मार दी गई। गोली युवक के सीने में लगकर आर-पार निकल गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद पूरे गांव में अफरा तफरी मच गई। परिजनों और ग्रामीणों ने तत्काल घायल को उपचार के लिए निकट के निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी नाजुक हालत को देखते हुए उसे ग्रेटर नोएडा के एक निजी अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। चिकित्सकों के अनुसार घायल की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस के अनुसार थोरा गांव निवासी 30 वर्षीय गोविंद ऑटो चलाकर अपने परिवार का पालन पोषण करता है। सोमवार रात करीब साढ़े नौ बजे वह अपने घर के मुख्य द्वार पर खड़ा था। इसी दौरान गांव का रहने वाला सौरभ वहां अवैध तमंचा लेकर पहुंचा। आरोप है कि दोनों के बीच पहले से चली आ रही रंजिश के चलते कहासुनी हुई

और देखते ही देखते सौरभ ने गोविंद पर गोली चला दी। गोली सीधे उसके सीने में लगी और आर-पार निकल गई। गोली चलने की आवाज सुनकर परिवार के सदस्य और आसपास के लोग मौके पर दौड़ पड़े। गंभीर रूप से घायल गोविंद को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से उसे बेहतर उपचार के लिए ग्रेटर नोएडा रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और आसपास के क्षेत्र की घेराबंदी कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी। त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी सौरभ को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त अवैध तमंचा भी बरामद किया गया। पुलिस ने हथियार को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। घायल की मां बीना देवी की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध हत्या के प्रयास सहित अन्य संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घटना के पीछे पुरानी रंजिश सामने आई है। मामले की गहन जांच की जा रही है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वाले किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा और दोषी के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

स्थानांतरण आदेश स्थगित होने पर बिजली संविदा कर्मियों का धरना समाप्त

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। विद्युत विभाग के संविदा कर्मचारियों ने स्थानांतरण सूची जारी किए जाने के विरोध में सोमवार को अधिशासी अभियंता कार्यालय पर जोरदार धरना प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि बड़ी संख्या में किए गए स्थानांतरण से उनके समक्ष आर्थिक, पारिवारिक और कार्य संबंधी गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो जाएंगी। उन्होंने स्थानांतरण आदेश तत्काल वापस लेने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। हालांकि जनप्रतिनिधियों की पहल और विभागीय अधिकारियों के आश्वासन के बाद फिलहाल स्थानांतरण आदेश स्थगित कर दिए जाने से कर्मचारियों का धरना शांतिपूर्ण ढंग से समाप्त हो गया। विद्युत विभाग द्वारा बुढ़ाना क्षेत्र के लगभग 40 संविदा कर्मचारियों के स्थानांतरण की सूची जारी की गई थी। इसके विरोध में बुढ़ाना मंडल के संविदा कर्मचारी अध्यक्ष सोनू कुमार के नेतृत्व में बड़ी संख्या में

कर्मचारी अधिशासी अभियंता कार्यालय पहुंचे और धरना देकर अपना विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि बिना पर्याप्त कारण और कर्मचारियों की परिस्थितियों पर विचार किए बिना किए गए स्थानांतरण से अनेक परिवार प्रभावित होंगे। कर्मचारियों ने विभागीय अधिकारियों से आदेश वापस लेने की मांग करते हुए अपनी समस्याओं का समाधान करने की अपील की। धरने की सूचना मिलने पर पूर्व मंत्री योगराज सिंह तथा कश्यप समाज खाप चौधरी डॉ. सोनू कश्यप मौके पर पहुंचे और संविदा कर्मचारियों से बातचीत कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली। इसके बाद दोनों ने विभाग के उच्चाधिकारियों से वार्ता कर कर्मचारियों की मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का आग्रह किया। वार्ता के दौरान विभागीय अधिकारियों ने कर्मचारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए फिलहाल स्थानांतरण आदेश स्थगित करने का निर्णय लिया। अधिशासी अभियंता अजीत सिंह ने कर्मचारियों को आश्वस्त किया कि उनकी मांगों और आपत्तियों का परीक्षण कर नियमानुसार उचित निर्णय लिया जाएगा। अधिकारियों के इस आश्वासन के बाद कर्मचारियों ने अपना धरना समाप्त कर दिया। कर्मचारियों ने उम्मीद जताई कि विभाग उनकी समस्याओं का स्थायी समाधान निकालते हुए भविष्य में ऐसे निर्णय लेने से पहले कर्मचारियों का पक्ष भी सुनेगा।

संपूर्ण समाधान दिवस में 24 शिकायतें दर्ज, जिलाधिकारी ने समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के दिए निर्देश

बिजनौर (शिखर समाचार)। तहसील सदर परिसर में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी जसजीत कौर ने जनसुनवाई करते हुए अधिकारियों को शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समाधान दिवस का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का प्रभावी समाधान करना है, इसलिए किसी भी शिकायत को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए। शिकायतकताओं को बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने की नौबत नहीं आनी चाहिए और प्रत्येक प्रकरण का निस्तारण पूरी पारदर्शिता के साथ किया जाए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन मामलों में स्थलीय जांच आवश्यक हो, उनमें संबंधित अधिकारी स्वयं मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच करें तथा तथ्यों के आधार पर आख्या प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी विभाग आपसी समन्वय बनाकर कार्य करें ताकि जनता को त्वरित न्याय और राहत मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि समाधान दिवस केवल औपचारिकता न बने, बल्कि इसका उद्देश्य लोगों की वास्तविक समस्याओं का स्थायी समाधान होना चाहिए। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 24 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से तीन शिकायतों का मौके पर ही संबंधित विभागीय अधिकारियों द्वारा निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष 21 शिकायतों को संबंधित अधिकारियों को सौंपते हुए उनके गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित समय सीमा के भीतर निस्तारण के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों से शिकायतों की नियमित समीक्षा करने तथा प्रगति से अवगत कराने को भी कहा। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर कौशलेंद्र सिंह, उप जिलाधिकारी सदर रितु रानी, तहसीलदार सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे और जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों के समाधान की प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता निभाई।

कांवड़ यात्रा की तैयारियों का डीआईजी ने लिया जायजा, कंट्रोल रूम, सीसीटीवी और पार्किंग व्यवस्था सुधारने के दिए निर्देश

मेरठ (शिखर समाचार)। आगामी श्रावण मास की कांवड़ यात्रा को सकुशल और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस उपमहानिरीक्षक मेरठ परिक्षेत्र कलानिधि नैथानी ने सोमवार को शहर के प्रमुख कांवड़ मार्गों और व्यवस्थाओं का व्यापक निरीक्षण किया। उन्होंने सिविल लाइन, लालकुर्ती, दिल्ली गेट, रेलवे रोड और सदर बाजार थाना क्षेत्रों का भ्रमण करते हुए सुरक्षा, यातायात और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का जायजा लिया। इसके बाद घंटाघर स्थित पुलिस अधीक्षक नगर कार्यालय में स्थापित कांवड़ कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया और वहां लगे सीसीटीवी कैमरों की निगरानी व्यवस्था की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान कुछ कैमरे बंद तथा कुछ का कोण सही नहीं मिलने पर उन्हें तत्काल चालू कराकर सही दिशा में स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी प्रमुख चौराहों और कांवड़ मार्गों पर लगे कैमरों का एकीकृत नियंत्रण कंट्रोल रूम से होना चाहिए ताकि हर गतिविधि पर प्रभावी निगरानी रखी जा सके।

डीआईजी ने कैंट क्षेत्र स्थित बाबा औघड़नाथ मंदिर पहुंचकर पार्किंग, बैरिकेडिंग, प्रवेश एवं निकास व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। उन्होंने नैन्सी चौराहा और दर्शन एकेडमी के पास पार्किंग स्थलों पर साफ-सफाई बेहतर कराने, अव्यवस्थाओं को दूर करने तथा श्रद्धालुओं की सुविधा के अनुरूप व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर बिजली के तार नीचे लटके तथा पेड़ों की शाखाएं कैमरों के दृश्य में बाधा बनती मिलीं, जिन्हें तत्काल ठीक कराने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए गए। उन्होंने अधिकारियों के जनसुनवाई कक्ष को भी मिनी कंट्रोल रूम के रूप में विकसित कर वहां से आईपी कैमरों के माध्यम से नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए। डीआईजी ने कहा कि मंदिर परिसर और कांवड़ मार्ग पर पर्याप्त संख्या में आईपी और सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं तथा उनके एक्सेस कंट्रोल पर विशेष ध्यान दिया जाए। जलाभिषेक और कांवड़ का जल चढ़ाने के लिए प्रवेश एवं निकास मार्गों पर समुचित प्रबंध किए जाएं, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। यातायात व्यवस्था सुचारु रखने के लिए वाहनों को केवल निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही खड़ा कराया जाए। साथ ही कांवड़ मार्ग पर तैनात यातायात पुलिस, निरीक्षकों, उपनिरीक्षकों और स्थानीय अभिसूचना इकाई के कर्मियों की नामवार सूची प्रत्येक चौकी और कंट्रोल रूम पर उपलब्ध रखने के निर्देश दिए, ताकि विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय बना रहे। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक नगर विनायक गोपाल भौंसले, क्षेत्राधिकारी कैंट तथा अन्य पुलिस अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

कलेक्ट्रेट परिसर में पक्षियों के लिए लगाए गए मिट्टी के जलपात्र, जिलाधिकारी ने किया शुभारंभ

बिजनौर (शिखर समाचार)। भीषण गर्मी के मौसम में बेजुबान पक्षियों को पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बिजनौर कलेक्ट्रेट परिसर में एक सराहनीय और प्रेरणादायी पहल की गई है। पक्षियों के लिए मिट्टी के जलपात्र स्थापित कर उनमें नियमित रूप से स्वच्छ पानी उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। इस जनहित एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी पहल का शुभारंभ जिलाधिकारी जसजीत कौर तथा अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) अंशिका दीक्षित ने संयुक्त रूप से किया। अधिकारियों ने कहा कि बढ़ते तापमान के बीच पक्षियों के संरक्षण के लिए ऐसे प्रयास समाज में संवेदनशीलता का संदेश देते हैं और प्रत्येक नागरिक को इस दिशा में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करनी चाहिए।

नगर पालिका परिषद बिजनौर के

अवर अभियंता (सिविल) यशवंत कुमार ने बताया कि भीषण गर्मी के दौरान पक्षियों को पानी की तलाश में इधर उधर भटकना पड़ता है। इसे ध्यान में रखते हुए कलेक्ट्रेट परिसर में कई स्थानों पर मिट्टी के जलपात्र लगाए गए हैं। इन जलपात्रों में लगातार स्वच्छ पानी उपलब्ध कराने के लिए एक प्लास्टिक के ड्रम को मोटर से जोड़ा गया है। इस व्यवस्था के माध्यम से पानी का निरंतर पुनर्चक्रण होता रहेगा, जिससे जलपात्रों में पानी पर्याप्त मात्रा में, स्वच्छ और अपेक्षाकृत ठंडा बना रहेगा। इससे पक्षियों को पूरे दिन आसानी से पेयजल उपलब्ध होगा और उन्हें भीषण गर्मी से राहत मिलेगी।

जिलाधिकारी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि पशु पक्षियों के संरक्षण और उनकी आवश्यकताओं का ध्यान रखना भी हमारी सामाजिक जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से अपने घरों, विद्यालयों, कार्यालयों तथा सार्वजनिक स्थलों पर भी पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करने का आह्वान किया। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद के अवर अभियंता (जलकल) गौरव कुमार शर्मा सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

नगीना तहसील में आयोजित हुआ संपूर्ण समाधान दिवस, 15 शिकायतों में तीन का मौके पर निस्तारण

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। तहसील नगीना में सोमवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन तहसीलदार अमरपाल सिंह की अध्यक्षता में किया गया। समाधान दिवस में विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं को लेकर पहुंचे फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता से सुना गया। अधिकारियों ने शिकायतकताओं को भरोसा दिलाया कि प्रत्येक प्रकरण का निर्धारित समय सीमा के भीतर निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराया जाएगा। समाधान दिवस में कुल 15 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से तीन का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष शिकायतों को आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों को भेज दिया गया।

शनिवार को आयोजित होने वाला संपूर्ण समाधान दिवस इस बार

शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) के आयोजन के कारण सोमवार को आयोजित किया गया। वहीं, उप जिलाधिकारी नगीना के प्रशिक्षण पर होने के कारण समाधान दिवस की अध्यक्षता तहसीलदार अमरपाल सिंह ने की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जिन मामलों में स्थलीय जांच आवश्यक हो, उनमें संबंधित अधिकारी स्वयं मौके पर जाकर जांच करें और तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

समाधान दिवस के दौरान राजस्व, विद्युत, विकास, शिक्षा तथा अन्य विभागों से जुड़ी शिकायतें प्राप्त हुईं। अधिकारियों ने मौके पर उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर तीन मामलों का तत्काल समाधान कराया, जबकि शेष 12 शिकायतों को संबंधित विभागों के अधिकारियों को सौंपते हुए शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए गए। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि सभी लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा की जाएगी ताकि शिकायतकताओं को समय पर राहत मिल सके।

इस अवसर पर नायब तहसीलदार नगीना पंकज कुमार राणा, नायब तहसीलदार बढ़ापुर श्याम सुंदर बैंस, खंड विकास अधिकारी ज्योति चौधरी, विद्युत उपखंड अधिकारी के. के. सिंह, बाल विकास परियोजना अधिकारी अभिषेक सिंह, खंड शिक्षा अधिकारी इंद्रजीत सिंह तथा क्षेत्राधिकारी कार्यालय एवं विभिन्न थानों के प्रतिनिधि सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

संपादकीय

मुंबई की बारिशः हर साल लौटता संकट और स्थायी समाधान की चुनौती

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई एक बार फिर मानसून की तेज बारिश के सामने असहाय दिखाई दे रही है। जुलाई के शुरूआती सप्ताह में हुई मूसलाधार वर्षा ने महानगर की रफ्तार को थाम दिया। सड़कें जलमग्न हो गईं, रेल और सड़क यातायात प्रभावित हुआ, हवाई सेवाओं में देरी और व्यवधान देखने को मिला, कई इलाकों में पेड़ गिरने की घटनाएं हुईं और मानखुर्द क्षेत्र में एक बहुमंजिली चॉल का ढह जाना इस बात का दर्दनाक संकेत है कि प्राकृतिक वर्षा अब केवल मौसम की घटना नहीं रह गई, बल्कि शहरी अव्यवस्था की परीक्षा बन चुकी है। मौसम विभाग द्वारा अगले दिनों के लिए भी भारी वर्षा का अलर्ट जारी किए जाने से स्पष्ट है कि चुनौती अभी समाप्त नहीं हुई है। सवाल यह नहीं है कि बारिश कितनी हुई, बल्कि यह है कि हर वर्ष लगभग एक जैसी परिस्थितियां बनने के बावजूद हमारी तैयारी क्यों नहीं बदलती।

मुंबई में मानसून कोई नई घटना नहीं है। यह शहर सदियों से समुद्र के किनारे बसा है और हर वर्ष भारी वर्षा इसका स्वाभाविक हिस्सा रही है। इसके बावजूद यदि कुछ घंटों की तेज बारिश से सड़कें नदियों में बदल जाएं, हवाई अड्डे पर उड़ान संचालन प्रभावित हो जाए, स्थानीय परिवहन व्यवस्था चरमरा जाए और लोगों को घंटों तक घर पहुंचने के लिए संघर्ष करना पड़े, तो यह केवल मौसम की मार नहीं बल्कि शहरी नियोजन की कमजोरियों का परिणाम है। महानगर की आबादी लगातार बढ़ी है, लेकिन उसके अनुरूप जल निकासी व्यवस्था, सीवर नेटवर्क, खुले नालों का रखरखाव और जल संरक्षण की योजनाएं अपेक्षित गति से विकसित नहीं हो सकीं।

मुंबई का भूगोल भी इस संकट को बढ़ाता है। समुद्र से घिरा यह शहर ज्वार भाटे के प्रभाव में रहता है। जब भारी वर्षा और समुद्री ज्वार एक साथ आते हैं, तब पानी की निकासी स्वाभाविक रूप से धीमी हो जाती है। लेकिन प्राकृतिक परिस्थितियों से कहीं अधिक चिंता का विषय मानवजनित कारण हैं। नालों पर अतिक्रमण, नदियों और जलमार्गों का संकुचन, कंक्रीट के बढ़ते जंगल, हरित क्षेत्रों में कमी तथा अनियोजित निर्माण ने वर्षा के पानी के प्राकृतिक मार्गों को अवरुद्ध कर दिया है। परिणामस्वरूप थोड़े समय में हुई अधिक वर्षा भी बड़े संकट का रूप ले लेती है।

मानखुर्द में बहुमंजिली चॉल का ढहना केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि देश के महानगरों में जर्जर भवनों की गंभीर समस्या की याद दिलाता है। हर मानसून से पहले ऐसे भवनों का सर्वेक्षण, समय रहते उन्हें खाली कराना और पुनर्वास की प्रभावी व्यवस्था करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। दुर्भाग्य यह है कि कई बार चेतावनियों के बावजूद कार्रवाई देर से होती है। गरीब और निम्न आय वर्ग के हजारों परिवार आज भी ऐसे भवनों में रहने को मजबूर हैं जिनकी आयु पूरी हो चुकी है। विकास और पुनर्निर्माण की योजनाएं वर्षों तक फाइलों में अटकी रहती हैं और मानसून आने पर यही लापरवाही जानलेवा बन जाती है।

भारी वर्षा का प्रभाव केवल यातायात तक सीमित नहीं रहता। स्कूलों की पढ़ाई प्रभावित होती है, छोटे व्यापारियों का कारोबार ठप पड़ता है, दैनिक मजदूरी करने वाले लोगों की आय रुक जाती है और अस्पतालों तक पहुंचना कठिन हो जाता है। जलभराव के कारण संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। दूषित पानी, मच्छरों का प्रकोप और पेयजल स्रोतों के प्रदूषित होने से सार्वजनिक स्वास्थ्य पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। इसलिए मानसून प्रबंधन को केवल आपदा प्रबंधन नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, परिवहन, आवास और नगर प्रशासन से जुड़ी समग्र नीति के रूप में देखने की आवश्यकता है।

जलवायु परिवर्तन ने भी इस चुनौती को और जटिल बना दिया है। अब वर्षा का स्वरूप बदल रहा है। पहले जहां बारिश लंबे समय तक समान रूप से होती थी, वहीं अब कम समय में अत्यधिक वर्षा की घटनाएं बढ़ रही हैं। इससे जल निकासी व्यवस्था पर अचानक अत्यधिक दबाव पड़ता है। भविष्य में ऐसे चरम मौसम की घटनाओं की आवृत्ति और तीव्रता बढ़ने की आशंका है।

~ मौलिक चिंतन ~

**प्रेम केवल आकर्षण नहीं;
दो आत्माओं का संवाद है।**

~~~~~~~~~

©
विनय संकोची

क्षमा से ही खिलता है जीवन का सच्चा सौंदर्य

कांतिलाल मांडोत

हर वर्ष 7 जुलाई को विश्व क्षमा दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य लोगों को पुराने मतभेदों, कटु स्मृतियों और वैरभाव को भुलाकर स्वयं तथा दूसरों को क्षमा करने के लिए प्रेरित करना है। वर्ष 1994 में कनाडा में क्राइस्ट्स एंबेसडर्स क्रिश्चियन एंबेसी द्वारा इस दिवस की शुरूआत की गई थी। आज यह दिन केवल किसी एक देश या समुदाय तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरी दुनिया में शांति, प्रेम, सहिष्णुता और मानवीय मूल्यों का संदेश देने वाला अवसर बन चुका है। आधुनिक जीवन की भागदौड़, तनाव, प्रतिस्पर्धा और स्वार्थ के बीच क्षमा का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। यह केवल एक शब्द नहीं बल्कि जीवन को प्रकाशमान करने वाली ऐसी साधना है, जो व्यक्ति के भीतर के अंधकार को समाप्त कर देती है।

क्षमा का अर्थ केवल किसी से औपचारिक रूप से यह कह देना नहीं कि मैं तुम्हें क्षमा करता हूँ। वास्तविक क्षमा हृदय की अनुभूति है। जब मन से क्रोध, ईर्ष्या, द्वेष और प्रतिशोध का भाव समाप्त हो जाता है, तभी सच्ची क्षमा जन्म लेती है। क्षमा अंतरात्मा का वह प्रकाश है जो मनुष्य को भीतर से निर्मल और शांत बनाता है। यही कारण है कि भारतीय संस्कृति में क्षमा को धर्म, तप और महानता का प्रतीक माना गया है। शास्त्रों में कहा गया है कि क्षमा वीरस्य भूषणम्, अर्थात क्षमा वीरों का आभूषण है। जो स्वयं पर विजय प्राप्त कर लेता है, वही वास्तव में दूसरों को क्षमा करने की क्षमता रखता है।

विश्व क्षमा दिवस का महत्व केवल आध्यात्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। अनेक स्वास्थ्य अध्ययनों में यह प्रमाणित हो चुका है कि क्षमा करने वाला व्यक्ति तनाव, चिंता और अवसाद से अपेक्षाकृत जल्दी मुक्त हो जाता है। जब मन में कटुता रहती है तो उसका प्रभाव शरीर पर भी पड़ता है। रक्तचाप बढ़ता है, नींद प्रभावित होती है और मन अशांत बना रहता है। इसके विपरीत क्षमा का भाव मानसिक शांति, सकारात्मक सोच और भावनात्मक संतुलन प्रदान करता है। इसलिए क्षमा केवल दूसरों के लिए नहीं बल्कि स्वयं के लिए भी सबसे बड़ा उपहार है।

भारतीय संस्कृति में क्षमा की परंपरा अत्यंत प्राचीन और समृद्ध रही है। विशेष रूप से जैन धर्म में क्षमा को आत्मशुद्धि का सर्वोच्च साधन माना गया है। चातुर्मास के दौरान आने वाले पर्यूषण पर्व के समापन पर संवत्सरी महापर्व मनाया जाता है। इस दिन प्रत्येक जैन श्रद्धालु अपने द्वारा जाने-अनजाने में हुई सभी भूलों के लिए सभी प्राणियों से क्षमा याचना करता है। वह विनम्र भाव से कहता है– मिच्छामि दुक्कडम्, अर्थात यदि मुझसे मन, वचन या कर्म से कोई भूल हुई हो तो मुझे क्षमा करें। इसी भावना को प्राकृत गाथा में व्यक्त किया गया है–

खामेमि सव्वे जीवा, सव्वे जीवा वि खमंतु में। मित्ति में सव्व भूएसु, वेरं मज्झं न केणइ॥

इसका भावार्थ है कि मैं सभी जीवों से क्षमा मांगता हूँ, सभी जीव मुझे क्षमा करें। मेरा सभी प्राणियों के साथ मैत्रीभाव है और किसी के प्रति कोई वैर नहीं है। यह संदेश केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए शांति का सूत्र है।

क्षमा का वास्तविक अर्थ तभी सार्थक होता है जब हम केवल अपने प्रियजनों से ही नहीं बल्कि उन लोगों से भी क्षमा मांगें या उन्हें क्षमा करें जिनसे हमारे संबंधों में कटुता आ गई हो। अक्सर देखा जाता है कि लोग औपचारिक रूप से क्षमायाचना का संदेश भेज देते हैं, लेकिन मन में द्वेष बनाए रखते हैं। ऐसी क्षमा केवल शब्दों तक सीमित रहती है। सच्ची क्षमा वही है जो हृदय की गहराइयों से निकले और संबंधों में नई मधुरता का संचार करे। यदि हम अपने विरोधी के प्रति भी मैत्रीभाव रख सकें, तभी क्षमा का वास्तविक स्वरूप प्रकट होता है।

जीवन में कषाय अर्थात क्रोध, मान, माया और लोभ ही अधिकांश दुखों का कारण बनते हैं। जैन आगमों में कहा गया है कि कषाय ही कर्मों का मूल कारण है। इसलिए मनुष्य को अपने भीतर उठने वाले क्रोध और अहंकार को शीघ्र समाप्त कर देना चाहिए। परिवार और समाज में अधिकांश विवाद छोटी-छोटी बातों से प्रारंभ होते हैं, लेकिन यदि समय रहते क्षमा और संवाद का मार्ग अपनाया जाए तो बड़े से बड़ा विवाद भी समाप्त हो सकता है। क्षमा संबंधों को जोड़ती है, जबकि अहंकार उन्हें तोड़ देता है।

इतिहास और धर्मग्रंथों में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं, जहाँ क्षमा ने असंभव प्रतीत होने वाली परिस्थितियों को भी बदल दिया। भगवान महावीर ने अपने विरोधियों के प्रति भी करुणा और क्षमा का भाव रखा। भगवान राम ने अपने धैर्य और विनम्रता से अनेक कठोर परिस्थितियों को सहज बना दिया। भगवान विष्णु ने भृगु ऋषि के पदाघात को भी सहजता से स्वीकार किया। भगवान बुद्ध ने अपमान और कटु वचनों का उत्तर भी शांत मुस्कान से दिया। महात्मा गांधी ने भी सत्य और अहिंसा के साथ क्षमा को अपने जीवन का आधार बनाया। इन सभी महापुरुषों ने सिद्ध किया कि क्षमा दुर्बलता नहीं बल्कि आत्मबल और आध्यात्मिक शक्ति का सर्वोच्च स्वरूप है।

आज का समाज अनेक प्रकार के तनाव, पारिवारिक विघटन, सामाजिक संघर्ष और मानसिक अशांति से जूझ रहा है। ऐसे समय में विश्व क्षमा दिवस हमें आत्मचिंतन का अवसर देता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि जीवन बहुत छोटा है। यदि हम क्रोध, ईर्ष्या और द्वेष को अपने भीतर स्थान देते रहेंगे तो सबसे अधिक नुकसान हमारा ही होगा। इसलिए आवश्यक है कि हम अपने मन को शुद्ध करें, दूसरों की भूलों को क्षमा करें और अपनी भूलों के लिए विनम्रता से क्षमा मांगें। यही आत्मविकास का सबसे सरल और श्रेष्ठ मार्ग है।

विश्व क्षमा दिवस केवल एक तिथि नहीं बल्कि मानवता का उत्सव है। यह हमें सिखाता है कि प्रेम, करुणा, मैत्री और क्षमा ही स्थायी सुख के आधार हैं। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में क्षमा का भाव विकसित कर ले तो परिवारों में प्रेम बढ़ेगा, समाज में सौहार्द स्थापित होगा और विश्व में शांति का वातावरण बनेगा। यही इस दिवस का वास्तविक संदेश है कि हम अपने भीतर के अहंकार को त्यागकर प्रेम और सद्भाव के दीप जलाएँ। आइए, इस विश्व क्षमा दिवस पर हम संकल्प लें कि किसी भी व्यक्ति के प्रति मन में वैरभाव नहीं रखेंगे। यदि हमसे किसी के प्रति कोई भूल हुई है तो विनम्रतापूर्वक क्षमा मांगेंगे और जिसने हमें कष्ट पहुँचाया है, उसे भी खुले मन से क्षमा करेंगे। यही आत्मशुद्धि का मार्ग है, यही धर्म का सार है और यही मानव जीवन की सबसे बड़ी विजय है। सच ही कहा गया है–

प्रेम क्षमा सद्भाव का संवत्सर दिन खासआतप घटे कषाय का बढ़े धर्म की प्यास।

डिजिटल पायरेसी पर निर्णायक प्रहार जवाबदेही के नए दौर में डिजिटल प्लेटफॉर्म

विनोद कुमार सिंह

भारत तीव्र गति से डिजिटल अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। मनोरंजन,शिक्षा,व्यापार, पत्रकारिता और संचार का बड़ा हिस्सा अब ऑनलाइन माध्यमों पर निर्भर है।तकनीकी विकास ने रचनात्मक उद्योगों के लिए अभूतपूर्व अवसर पैदा किए हैं,वहीं डिजिटल पायरेसी जैसी चुनौती भी उतनी ही गंभीर होती गई है।कभी पायरेटेड सीडी और डीवीडी इस अवैध कारोबार का माध्यम थीं, फिर टोरेंट वेबसाइटों का दौर आया और अब एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग प्लेटफॉर्म,क्लाउड स्टोरेज,निजी डिजिटल समूह तथा स्वचालित बॉट नेटवर्क पायरेटेड सामग्री के प्रसार के नए माध्यम बन चुके हैं। ऐसे परिदृश्य में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा Telegram को जारी नोटिस केवल एक प्रशासनिक कार्रवाई नहीं,बल्कि भारत की डिजिटल शासन व्यवस्था में उभर रहे नए दृष्टिकोण का स्पष्ट संकेत है।सरकार ने Telegram से अपेक्षा की है कि वह केवल शिकायत मिलने पर सामग्री हटाने तक सीमित न रहे,बल्कि अपने प्लेटफॉर्म पर पायरेटेड फिल्मों, ओटीटी सामग्री और अन्य कॉपीराइट संरक्षित ऑडियो- विजुअल कंटेंट की पहचान, रोकथाम और निष्कासन के लिए प्रभावी तंत्र विकसित करे तथा निर्धारित समय में विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करे।यह संदेश भी स्पष्ट है कि डिजिटल मध्यस्थ होने का अर्थ केवल तकनीकी मंच उपलब्ध कराना नहीं,बल्कि कानून के अनुरूप आवश्यक सावधानी और उत्तरदायित्व का पालन करना भी है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब भारत विश्व के सबसे बड़े फिल्म निर्माण देशों में शामिल होने के साथ-साथ सबसे तेजी से बढ़ते ओटीटी बाजारों में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा चुका है।भारतीय भाषाओं की फिल्में और वेब सीरीज आज वैश्विक दर्शकों तक पहुँच रही हैं। डिजिटल माध्यमों ने छोटे शहरों के कलाकारों,स्वतंत्र फिल्मकारों और नए रचनाकारों को भी विश्वस्तरीय मंच प्रदान किया है।यह परिवर्तन केवल मनोरंजन उद्योग तक सीमित नहीं, बल्कि भारत की उभरती हुई क्रिएटर इकोनॉमी का आधार बन चुका है। डिजिटल पायरेसी का सबसे बड़ा नुकसान केवल फिल्म निमार्ता तक सीमित नहीं रहता।किसी भी फिल्म या वेब सीरीज के निर्माण में लेखक,निर्देशक, संगीतकार, गीतकार, अभिनेता, तकनीशियन, कैमरामैन, संपादक, ध्वनि विशेषज्ञ,ग्राफिक्स कलाकार, वितरक,प्रचार एजेंसियाँ और हजारों प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष कर्मचारी जुड़े होते हैं। किसी फिल्म की वैध आय में कमी का अर्थ इन सभी के श्रम और निवेश का अवमूल्यन है। यही कारण है कि विकसित देशों में बौद्धिक संपदा संरक्षण को आर्थिक विकास,नवाचार और निवेश की अनिवार्य शर्त माना जाता है।भारत में भी कॉपीराइट संरक्षण के लिए पर्याप्त कानूनी व्यवस्था उपलब्ध है।सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम,2000,सूचना प्रौद्योगिकी(मध्यस्थ दिशानिर्देश एवं डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021,कॉपीराइट अधिनियम, 1957 तथा सिनेमैटोग्राफ अधिनियम के विभिन्न प्रावधान डिजिटल माध्यमों पर होने वाले उल्लंघनों से निपटने का आधार प्रदान करते हैं। न्यायपालिका ने भी समय-समय पर जॉन डो अथवा अशोक कुमार आदेश तथा डायनेमिक इंजंक्शन जैसी व्यवस्थाओं के माध्यम से यह स्वीकार किया है कि डिजिटल अपराध स्थिर नहीं होते, इसलिए उनके समाधान भी तकनीक के अनुरूप गतिशील होने चाहिए।विश्व के अनेक देशों ने इसी अनुभव के आधार पर डिजिटल प्लेटफॉर्मों की जवाबदेही बढ़ाई है।अमेरिका में डिजिटल मिलेनियम कॉपीराइट एक्ट,यूरोपीय संघ में डिजिटल सर्विसेज एक्ट तथा जापान, दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों की नीतियाँ इस दिशा में स्पष्ट संकेत देती हैं कि तकनीकी कंपनियाँ केवल निष्क्रिय माध्यम बनकर अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकतीं। भारत का वर्तमान दृष्टिकोण भी इसी वैश्विक प्रवृत्ति के अनुरूप दिखाई देता है।

हालाँकि यह विषय केवल कानून लागू करने का नहीं है। डिजिटल प्लेटफॉर्म आज शिक्षा,शोध, व्यापार,नागरिक संवाद और लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति के भी प्रमुख माध्यम हैं।करोड़ों भारतीय Telegram जैसे प्लेटफॉर्मों का उपयोग पूरी तरह वैध उद्देश्यों के लिए करते हैं। इसलिए पायरेसी के विरुद्ध किसी भी कार्रवाई में यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि वैध उपयोगकताओं की निजता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और डिजिटल अधिकारों पर अनावश्यक प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। लोकतांत्रिक शासन की सफलता इसी संतुलन में निहित है कि अपराध पर कठोरता हो, लेकिन नागरिक अधिकार सुरक्षित रहें।

आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्लाउड कंप्यूटिंग और एन्क्रिप्टेड संचार प्रणालियों ने डिजिटल पायरेसी को और जटिल बना दिया है।पहले किसी पायरेटेड फिल्म को बड़े पैमाने पर प्रसारित करने के लिए संगठित नेटवर्क की आवश्यकता होती थी,जबकि अब कुछ ही मिनटों में स्वचालित बॉट,निजी समूह और क्लाउड लिंक के माध्यम से वही सामग्री हजारों स्थानों तक पहुँच सकती है। परिणामस्वरूप केवल सामग्री हटाने की पारंपरिक व्यवस्था पर्याप्त नहीं रह गई है। दुनिया भर में अब रोकथाम, पूर्व पहचान और तकनीकी निगरानी आधारित मॉडल पर अधिक बल दिया जा रहा है।भारत के सामने भी यही चुनौती है।किसी एक प्लेटफॉर्म पर कार्रवाई करके डिजिटल पायरेसी की समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। इंटरनेट की प्रकृति ऐसी है कि एक माध्यम बंद होने पर दूसरा सक्रिय हो जाता है। इसलिए सरकार ,डिजिटल प्लेटफॉर्म, इंटरनेट सेवा प्रदाता, फिल्म उद्योग,ओटीटी कंपनियाँ, साइबर विशेषज्ञ और कानून-प्रवर्तन एजेंसियों के बीच सतत समन्वय विकसित करना होगा। यह केवल कानूनी नहीं,बल्कि तकनीकी और प्रशासनिक सहयोग का भी विषय है। रचनात्मक उद्योगों को भी समय के अनुरूप अपनी रणनीति बदलनी होगी।अनेक देशों के अनुभव बताते हैं कि जब फिल्में और डिजिटल सामग्री उचित मूल्य पर,उच्च गुणवत्ता के साथ और समय पर वैध मंचों पर उपलब्ध होती हैं,तब पायरेसी स्वतः घटती है।इसलिए केवल दंडात्मक कार्रवाई पर्याप्त नहीं होगी।उपभोक्ता-अनुकूल डिजिटल पारिस्थितिकी,तेज वैध वितरण और किफायती सेवाएँ भी इस लड़ाई का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।इसके साथ-साथ समाज में बौद्धिक संपदा अधिकारों के प्रति सम्मान विकसित करना भी उतना ही आवश्यक है।हमारे यहाँ अक्सर बिना भुगतान के फिल्म या वेब सीरीज देखना गंभीर अपराध नहीं माना जाता,जबकि वास्तव में यह किसी रचनाकार के श्रम और अधिकार का अतिक्रमण है।जिस प्रकार भौतिक संपत्ति की चोरी सामाजिक रूप से अस्वीकार्य है, उसी प्रकार बौद्धिक संपदा की चोरी को भी नैतिक और सामाजिक स्तर पर अस्वीकार किया जाना चाहिए। यह परिवर्तन केवल कानून से नहीं, बल्कि जन-जागरूकता और शिक्षा से आएगा।ळीर्ी्रिं को जारी नोटिस का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यही है कि भारत में व्यापार करने वाली डिजिटल कंपनियों को भारतीय कानूनों के अनुरूप उत्तरदायी भी होना होगा।भविष्य में संभव है कि अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्मों के लिए भी इसी प्रकार के मानक विकसित किए जाएँ।यदि इनका क्रियान्वयन पारदर्शी, न्यायसंगत और तकनीकी रूप से सक्षम ढंग से किया जाता है,तो भारत अपनी रचनात्मक अर्थव्यवस्था को अधिक सुरक्षित बनाने के साथ-साथ वैश्विक डिजिटल शासन के क्षेत्र में भी संतुलित और उत्तरदायी मॉडल प्रस्तुत कर सकता है।वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति केवल आधारभूत संरचना, विनिर्माण और निवेश से संभव नहीं होगी। ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था, फिल्म, संगीत, एनीमेशन, गेमिंग, डिजिटल पत्रकारिता, ऑनलाइन शिक्षा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित रचनात्मक उद्योग भी भारत की भविष्य की आर्थिक शक्ति के प्रमुख स्तंभ होंगे। इन क्षेत्रों में निवेश तभी बढ़ेगा,जब रचनाकारों को यह विश्वास होगा कि उनके श्रम,प्रतिभा और निवेश की प्रभावी कानूनी सुरक्षा उपलब्ध है। डिजिटल युग में यह केवल फिल्मों की पायरेसी का प्रश्न नहीं रह गया है।यह उस विश्वास की रक्षा का प्रश्न है,जिसके आधार पर कोई लेखक पुस्तक लिखता है,कोई संगीतकार धुन रचता है,कोई फिल्मकार करोड़ों रुपये का निवेश करता है और कोई युवा डिजिटल मंच पर अपने सपनों को आकार देता है।

योगी के घर लंच, केशव के घर चाय और ब्रजेश के घर आम पार्टी के जरिये भाजपा ने दिया बड़ा संदेश

नीरज कुमार दुबे

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के दो दिवसीय लखनऊ दौरे ने यह साफ कर दिया कि पार्टी ने 2027 के मिशन की औपचारिक शुरूआत कर दी है। संगठनात्मक बैठकों, रणनीतिक विमर्श और सहयोगी दलों के साथ लगातार संवाद के बीच रविवार का दिन राजनीतिक संदेशों से भरा रहा।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में रविवार को केवल दावतें नहीं हुईं, बल्कि भाजपा ने लंच, मैंगो पार्टी और चाय पार्टी के जरिए 2027 की चुनावी एकजुटता का खुला संदेश दिया। देखा जाये तो उत्तर प्रदेश की राजनीति में कुछ दृश्य केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं होते बल्कि वे सीधे सत्ता और संगठन के भीतर के संदेश बन जाते हैं। वर्ष 2022 के चुनावों से ठीक पहले जिस तरह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के घर पहुंचे थे, उसी राजनीतिक संकेत को भाजपा ने इस बार और ज्यादा व्यापक रूप में दोहराया। फर्क सिर्फ इतना रहा कि इस बार तस्वीर और भी ज्यादा मजबूत दिखाई दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आवास पर भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन और वरिष्ठ नेताओं का साथ में लंच, फिर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के यहां मैंगो पार्टी और उसके बाद उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के घर चाय पार्टी ने साफ कर दिया कि भाजपा का शीर्ष नेतृत्व उत्तर प्रदेश में किसी भी तरह के मतभेद की अटकलों को पूरी तरह खत्म करना चाहता है। योगी, केशव और ब्रजेश की साझा मौजूदगी ने केंद्रीय नेतृत्व को यह भरोसा दिला दिया कि 2027 का चुनाव भाजपा पूरी राजनीतिक एकजुटता, संगठनात्मक तालमेल और साझा रणनीति के साथ लड़ेगी। सत्ता, संगठन और सामाजिक समीकरणों को एक मंच पर लाकर भाजपा ने यह संदेश दे दिया कि चुनावी बिगुल बज चुका है और पार्टी अब पूरी ताकत के साथ मैदान में उतर चुकी है।

देखा जाये तो भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के दो दिवसीय लखनऊ दौरे ने यह साफ कर दिया कि पार्टी ने 2027 के मिशन की औपचारिक शुरूआत कर दी है। संगठनात्मक बैठकों, रणनीतिक विमर्श और सहयोगी दलों के साथ लगातार संवाद के बीच रविवार का दिन राजनीतिक संदेशों से भरा रहा। दिन की शुरूआत भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्षों के साथ चाय पर चर्चा से हुई, जहां संगठन की पुरानी ताकत, पुराने अनुभव और आने वाले चुनाव की नई रणनीति पर गंभीर मंथन हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, संगठन महामंत्री बीएल संतोष और कई वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी ने यह संकेत दिया कि भाजपा इस बार चुनाव को केवल सत्ता बचाने की लड़ाई नहीं, बल्कि एक बड़े राजनीतिक अभियान के रूप में देख रही है।

लेकिन असली राजनीतिक संदेश तब सामने आया जब औपचारिक बैठकों के बाद भाजपा नेतृत्व ने अपने अंदाज को पूरी तरह राजनीतिक प्रतीकों में बदल दिया। सबसे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और अन्य वरिष्ठ नेता उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के आवास पहुंचे, जहां आम पार्टी आयोजित की गई थी। राजनीतिक तपिश के बीच आम की मिठास ने माहौल को हल्का जरूर किया, लेकिन इसके भीतर छिपा संदेश बेहद गंभीर था।

ब्रजेश पाठक ने सभी नेताओं का स्वागत किया और प्रदेश के प्रसिद्ध आम परोसे। माहौल में राजनीतिक तनाव की जगह सहज बातचीत, हंसी और आत्मीयता दिखाई दी। सबसे चर्चित क्षण तब आया जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने हाथ में आम उठाया, उसे दांतों से छीलते हुए मुस्कुराए और फिर उसका स्वाद लिया। वहां मौजूद नेताओं के बीच ठहाके गूंज उठे। यह दृश्य केवल एक अनौपचारिक क्षण नहीं था, बल्कि भाजपा नेतृत्व की अंदरूनी सहजता और पारस्परिक विश्वास का सार्वजनिक प्रदर्शन भी था।

आम पार्टी के बाद पूरा काफिला उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के आवास पहुंचा, जहां चाय पार्टी आयोजित की गई। यहां नितिन नवीन का पारंपरिक अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया गया और उन्हें भगवान बुद्ध की प्रतिमा भेंट की गई। योगी आदित्यनाथ, बीएल संतोष, ब्रजेश पाठक और अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी ने इस मुलाकात को और अधिक राजनीतिक महत्व दे दिया।

दरअसल, भाजपा अच्छी तरह जानती है कि उत्तर प्रदेश का चुनाव केवल विकास योजनाओं या चुनावी नारों से नहीं जीता जाता, बल्कि संगठनात्मक एकजुटता और सामाजिक समीकरणों की मजबूती भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। यही कारण है कि 2022 से पहले जिस तरह योगी आदित्यनाथ का केशव मौर्य के घर जाना चर्चा का केंद्र बना था, उसी तरह इस बार भी वही तस्वीर दोहराकर भाजपा ने यह संदेश देने की कोशिश की कि पार्टी में कोई दूरी नहीं है, कोई खेमेबाजी नहीं है और पूरा नेतृत्व एक साथ खड़ा है।

नितिन नवीन ने भी अपने पूरे दौरे के दौरान बार-बार यही संकेत दिया कि यह समय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा के विस्तार का समय है। भाजपा की रणनीति साफ दिखाई दी। एक ओर संगठन को सक्रिय करना, दूसरी ओर राजग सहयोगियों को साथ लेकर चलना और तीसरी ओर नेतृत्व की एकजुट तस्वीर को जनता के सामने रखना।

ताज होटल में आयोजित राजग सहयोगियों की बैठक में राष्ट्रीय लोक दल, निषाद पार्टी, सुभासपा और अपना दल के नेताओं ने जिस तरह 2027 में ऐतिहासिक जीत का दावा किया, उसने भाजपा की चुनावी तैयारियों को और स्पष्ट कर दिया। केशव प्रसाद मौर्य ने साफ शब्दों में कहा कि भाजपा 2027 में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार सरकार बनाएगी। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर हमला बोलते हुए कहा कि जनता विकास, सुशासन और सुरक्षा चाहती है, न कि गुंडाराज और परिवारवाद।

देखा जाये तो भाजपा की पूरी कवायद का सबसे बड़ा संदेश यही था कि उत्तर प्रदेश में 2027 का चुनाव केवल सीटों का संघर्ष नहीं होगा, बल्कि राजनीतिक मनोबल, संगठनात्मक शक्ति और नेतृत्व की एकजुटता की भी परीक्षा होगा। योगी आदित्यनाथ, केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक की एक साथ मौजूदगी ने यह साफ कर दिया कि भाजपा ने चुनावी बिगुल फूंक दिया है और पार्टी अब हर स्तर पर अपने कार्यकताओं, सहयोगियों और समर्थकों को यह भरोसा दिलाना चाहती है कि सत्ता और संगठन दोनों पूरी तरह एक सुर में हैं। लखनऊ में रविवार को दिखाई दी यह राजनीतिक तस्वीर केवल चाय और आम पार्टी की तस्वीर नहीं थी, बल्कि 2027 की चुनावी पटकथा का पहला सार्वजनिक दृश्य थी।
~~~~~~~~~

मलाई से घी बनाते समय कमरे में फैली बदबू को इन हैक्स से करें दूर, अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

अगर आप छोटे अपार्टमेंट में रहते हैं तो घी की गंध से नाक में दम हो सकता है। वहीं इस दौरान यदि घर में कोई मेहमान आ जाए, तो वह भी बहुत असहज हो सकता है। अगर आप भी घी बनाते हुए आने वाली गंध पसंद नहीं है, तो आप हैक की मदद ले सकते हैं।

स्वास्थ्य के लिए घी बहुत ही अच्छा माना जाता है। भारतीय घरों में घी का खूब इस्तेमाल होता है। मार्केट में सबकुछ मिलावटी मिलने लगा है। मिलावटी और नकली घी स्वास्थ्य के लिए काफी खतरनाक हो सकता है। इस कारण आज भी बहुत सारे घरों में खुद से मलाई से घी तैयार किया जाता है। लेकिन जब घी बनाया जाता है, तो इसकी गंध बहुत तेज निकलती है। इसकी महक इतनी ज्यादा तेज होती है कि घर में दम घुटने लगे।

ऐसे में अगर आप छोटे अपार्टमेंट में रहते हैं तो घी की गंध से नाक में दम हो सकता है। वहीं इस दौरान यदि घर में कोई मेहमान आ जाए, तो वह भी बहुत असहज हो सकता है। अगर आप भी घी बनाते हुए आने वाली गंध पसंद नहीं है, तो आप हैक की मदद ले सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको घी बनाने के दौरान आने वाली बदबू को कैसे दूर किया जा सकता है।

इस चीज से दूर होगी घी की बदबू

घी से आने वाली बदबू को दूर करने के लिए आप विनेगर का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए जब भी आप घी बनाएं, तो एक गिलास में सिरका भरकर गैस के बगल में रख दें। सिरका एक नेचुरल स्मेल ऑब्जर्वर की तरह काम करता है। यह हवा में मौजूद गंध को सोख लेता है। यह घी की तेज गंध को रोकने में सहायता करता है।

विनेगर

विनेगर में एसिटिक एसिड मौजूद होता है, जोकि हवा में मौजूद पार्टिकल्स को न्यूट्रलाइज करने का काम करता है। यह बदबू को खत्म करता है, जोकि रसोई में बहुत काम आ सकता है। इससे न सिर्फ घी की बल्कि अन्य कई तरह की दूसरी बदबू भी दूर कर सकते हैं।

ऐसे दूर करें बदबू

इसके अलावा आप अन्य कई तरीकों से भी घी की बदबू को दूर किया जा सकता है। इसके लिए आप किचन में एसेंशियल ऑयल भी रख सकते हैं, इससे भी महक दूर होगी।

बता दें कि घी की महक को दूर करने के लिए इसको बनाने के दौरान किचन की खिड़की को खुला रखें। साथ ही एग्जॉस्ट फैन को भी ऑन रखें।

रोज सुबह की ये चार आदतें किडनी को रखेंगी हेल्दी, आज ही रूटीन में करें शामिल

जब किडनी पर अधिक बोझ पड़ने लगता है तो यह ठीक तरीके से काम नहीं कर पाते हैं। जिससे शरीर में विषाक्त पदार्थ जमा होने लगते हैं। इसलिए किडनी को डिटाक्स करना काफी जरूरी होता है। किडनी का डिटॉक्स करने से अंगों की कार्यक्षमता में सुधार होता है।

किडनी हमारे शरीर के सबसे जरुरी अंगों में से एक है। यह शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने, चयापचय प्रक्रियाओं को संतुलित करने और खून को साफ करने में अहम भूमिका निभाता है। लेकिन जब किडनी पर अधिक बोझ पड़ने लगता है तो यह ठीक तरीके से काम नहीं कर पाते हैं। जिससे शरीर में विषाक्त पदार्थ जमा होने लगते हैं। इसलिए किडनी को डिटाक्स करना काफी जरूरी होता है। किडनी का डिटॉक्स करने से अंगों की कार्यक्षमता में सुधार होता है। वही शरीर में ऊर्जा का सही संतुलन बना रहता है। वहीं आजकल की अनहेल्दी लाइफस्टाइल, प्रदूषण, गलत खानपान और स्ट्रेसफुल लाइफस्टाइल की वजह से किडनी पर अधिक बोझ पड़ता है। वहीं डिटॉक्स प्रोसेस से इन अंगों को आराम मिलता है और वह अपनी कार्यक्षमता को भी बनाए रख पाते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सुबह की चार ऐसी आदतों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको डेली रूटीन में शामिल करके आप किडनी को डिटॉक्स करके स्वस्थ रख सकते हैं।

गुनगुने पानी में नींबू डालकर पिएं – सुबह उठते ही खाली पेट गुनगुने पानी में आधा नींबू निचोड़कर पीने से लिवर डिटॉक्स करने में सहायता मिलती है। नींबू में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं, जोकि किडनी को शुद्ध करने और पाचन में सुधार का काम करते हैं। सुबह की यह आदत शरीर हाइड्रेटेड रखने में सहायता करती है।

ग्रीन टी या हर्बल टी पिएं – सुबह के समय आप चाय या कॉपी भी जगह हर्बल टी या फिर ग्रीन टी का सेवन कर सकते हैं। ग्रीन टी में कैटेचिन्स पाए जाते हैं, जो किडनी की सफाई करने में सहायता करते हैं और उसकी कार्यक्षमता को बढ़ाते हैं। डेंडेलियन या तुलसी की चाय किडनी की सफाई में भी फायदेमंद साबित हो सकती है।

फल खाएं – सुबह के समय नाश्ते में पानी से भरपूर फल जैसे खीरा, तरबूज, अंगूर या संतरा आदि का सेवन करना चाहिए। यह फल शरीर को हाइड्रेट रखते हैं और किडनी से विषाक्त पदार्थों को निकालने में भी सहायता करते हैं। फलों में मौजूद नेचुरल एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन्स किडनी की कार्यक्षमता को बेहतर बनाते हैं।

डीप ब्रीदिंग एक्सरसाइज करें – बता दें कि सुबह की शुरूआत योग और गहरी सांस लेने वाली एक्सरसाइज से करनी चाहिए। डीप ब्रीदिंग एक्सरसाइज करने से बॉडी में ऑक्सीजन लेवल बढ़ता है, साथ ही यह विषाक्त पदार्थों को निकालने में सहायता करता है। गहरी सांस लेने से अंगों को डिटॉक्स होने में सहायता मिलती है। इसके अलावा आप धनुरासन, भुजंगासन और कपालभाति प्राणायाम कर सकते हैं, यह किडनी के लिए फायदेमंद होते हैं।

बारिश के मौसम ये गलती ना कर बैठना ये खाते ही पेट हो जाएगा खराब

मॉनसून का मौसम हर किसी को बहुत पसंद होता है। बारिश की ठंडी बूंदें, हरियाली और ठंडी हवा का आनंद सबको भाता है। लेकिन मॉनसून के मौसम में खाने-पीने को लेकर थोड़ा सावधानी बरतनी बहुत जरूरी होती है। इस मौसम में कई तरह की बीमारियां फैलने का खतरा बढ़ जाता है क्योंकि नमी और ठंडक की वजह से बैक्टीरिया और वायरस तेजी से पनपते हैं। ऐसे में कुछ खास फूड्स ऐसे होते हैं जिन्हें मॉनसून में बिल्कुल भी नहीं खाना चाहिए, वरना सेहत को गंभीर नुकसान हो सकता है।

आज हम आपको मॉनसून में न खाने वाले पांच फूड्स के बारे में बताएंगे, ताकि आप इस बारिश के मौसम का मज़ा लें और बीमारियों से बच सकें।

बाहर का खाना

मॉनसून में बाहर का खाना खाने से बचना चाहिए। खासकर सड़क किनारे मिलने वाले पकौड़े, समोसे, पकोड़े और अन्य स्नैक्स में नमी की वजह से बैक्टीरिया पनप सकते हैं। बारिश के कारण सड़कें गीली और कीचड़ से भरी होती हैं, जिससे भोजन में गंदगी आसानी से लग जाती है। इससे खाना तुरंत खराब हो सकता है और खाने के बाद पेट में दर्द, एसिडिटी, उल्टी-दस्त जैसी परेशानियां हो सकती हैं। अगर बाहर खाना हो भी तो हमेशा साफ-सफाई का ध्यान रखें और सुनिश्चित करें कि खाना ताजा और गर्म हो। घर पर ही ताजा और साफ-सुथरा खाना बनाएं और खाएं।

पके हुए फल और कटे हुए सलाद

मॉनसून में खुले में रखे कटे हुए फल और सलाद बिल्कुल न खाएं। बारिश की नमी और हवा में मौजूद कीटाणु इन फलों और सलादों पर जल्दी लग जाते हैं। ऐसे फल और सलाद अगर ठीक से धोएं नहीं जाते हैं तो उनमें बैक्टीरिया और कीड़े-पतंगे आसानी से पहुंच जाते हैं। इससे पेट में इंफेक्शन हो सकता है, जिसके कारण उल्टी, दस्त, और पेट दर्द हो सकता है। फलों को अच्छे से धोकर छीलकर ही खाएं। सलाद को ताजा बनाएं और घर पर ही साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखें। अगर बाहर खाने का मन हो तो पैकेज्ड और अच्छे तरीके से पैक किए गए फल या सलाद लें।

डेयरी प्रोडक्ट्स (दूध, पनीर, दही)

मॉनसून में दूध और उससे बने उत्पादों के सेवन में सावधानी बरतनी चाहिए। बारिश के मौसम में दूध जल्दी खराब हो जाता है, जिससे उसमें बैक्टीरिया का विकास होता है। खराब दूध पीने से पेट में इंफेक्शन, दस्त और अपच जैसी समस्याएं हो सकती हैं। पनीर और दही भी यदि ठीक से स्टोर न किया जाए तो इससे भी स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। सभी डेयरी प्रोडक्ट्स को ठंडे और साफ वातावरण में रखें। अगर आपको दूध खरीदना हो तो फ्रिज में ठंडा दूध लें और तुरंत इस्तेमाल करें। पनीर और दही भी हमेशा फ्रिज में रखें और पुराना सामान न खाएं।

तली हुई और ज्यादा मसालेदार चीजें

मॉनसून में तला हुआ और ज्यादा मसालेदार खाना खाने से बचें। बारिश के मौसम में पाचन तंत्र कमजोर हो जाता है और भारी तले हुए भोजन से पेट में भारीपन, एसिडिटी और गैस की समस्या हो सकती है। मसालेदार खाना भी कई बार पेट की परेशानी को बढ़ा देता है। मॉनसून में हल्का और पौष्टिक खाना खाएं। ज्यादा तेल-मसाले वाली चीजों से बचें। आप उबला हुआ खाना, सूप, दलिया, और सब्जियां ज्यादा खाएं ताकि आपकी पाचन क्रिया ठीक रहे।

बासी और खराब खाना

बारिश के मौसम में खाना जल्दी खराब हो जाता है। अगर आप बासी खाना खा लेते हैं तो आपको बहुत सारी बीमारियां हो सकती हैं। बासी खाना खाने से पेट में संक्रमण हो सकता है, उल्टी-दस्त और पेट दर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं। मॉनसून में खास तौर पर खाने को अच्छे से ढक कर रखना चाहिए। खाना ताजा बनाएं और तुरंत खाएं। बचा हुआ खाना फ्रिज में रखें और दोबारा इस्तेमाल से पहले अच्छी तरह गर्म करें। बासी खाना बिल्कुल न खाएं।

मॉनसून में सुरक्षित रहने के लिए कुछ अन्य टिप्स

मॉनसून में हमेशा साफ-सफाई का खास ध्यान रखें।

खाने से पहले और बाद में हाथ धोएं।

भरपूर पानी पिएं, लेकिन बाहर के खुले पानी से बचें।

ताजा और अच्छी क्वालिटी के फलों और सब्जियों का सेवन करें।

अपने आस-पास के क्षेत्र में साफ-सफाई रखें ताकि मच्छरों और कीटाणुओं का प्रकोप न हो।

मौसम के अनुसार अपनी डाइट में बदलाव करें और भारी भोजन से बचें।

मॉनसून का मौसम तो बहुत ही खूबसूरत होता है, लेकिन साथ ही यह स्वास्थ्य के लिहाज से भी थोड़ा संवेदनशील होता है। इस मौसम में खाना-पीना लेकर सावधानी बरतना बेहद जरूरी है। ऊपर बताई गई पांच चीजें मॉनसून में बिल्कुल न खाएं ताकि आप बीमारियों से बच सकें और स्वस्थ रह सकें। हमेशा ताजा, साफ और संतुलित भोजन करें ताकि यह मौसम आपके लिए खुशियों और सेहत से भरा रहे।

मानसून हेल्थ टिप्स: बारिश के मौसम में कैसी होनी चाहिए डाइट?

मानसून की शुरुआत देश के कई हिस्सों में हो चुकी है। बारिश के इस मौसम में मौसम तो खुशनुमा होता है, लेकिन साथ ही यह बीमारियों का खतरा भी साथ लाता है। ऐसे में सेहत का खास ध्यान रखना जरूरी होता है, खासकर हमारी डाइट यानी खाने-पीने की आदतों का।

बारिश के कारण जगह-जगह गंदा पानी जमा हो जाता है, जिससे मच्छर पनपते हैं और डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। साथ ही, इस मौसम में हवा में नमी होती है, जिससे बैक्टीरिया और वायरस तेजी से फैलते हैं। ऐसे में खासतौर पर कमजोर इम्युनिटी वाले लोगों को सतर्क रहने की जरूरत होती है।

हल्का और घर का बना खाना खाएं

मानसून के समय भारी और तले-भुने खाने से बचना चाहिए। जंक फूड या ओवरऑयली खाना खाने से फूड पॉइजनिंग, गैस, कब्ज जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इस मौसम में आप लौकी, करेला, टिंडा, तोरी, और दलिया जैसी हल्की चीजें खाएं। ये ना सिर्फ पचने में आसान होती हैं, बल्कि इम्युनिटी भी बढ़ाती हैं।

मौसमी फल जरूर खाएं

बारिश के समय मिलने वाले फ्रेश फल जैसे – आम, संतरा, तरबूज, खरबूजा खाने से शरीर को जरूरी पोषण और विटामिन्स मिलते हैं। ये फल आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी) को मजबूत करते हैं और बीमारियों से लड़ने में मदद करते हैं।

गर्म पेय पदार्थों का सेवन करें

मानसून में ठंडे ड्रिंक्स या कोल्ड ड्रिंक पीने से गला खराब, जुकाम, खांसी जैसी परेशानियां हो सकती हैं। बेहतर होगा कि आप गर्म पानी, हल्दी वाला दूध, अदरक-तुलसी का काढ़ा, या हर्बल चाय पिएं। इससे शरीर हाइड्रेट भी रहेगा और इन्फेक्शन से बचाव भी होगा।

प्रोबायोटिक्स को डाइट में शामिल करें

इस मौसम में पाचनतंत्र का ख्याल रखना जरूरी है। दही और छाछ जैसे प्रोबायोटिक फूड्स पेट के लिए फायदेमंद होते हैं। ये पाचन क्रिया सुधारते हैं और आपकी गट हेल्थ को मजबूत करते हैं।

जंक फूड और स्ट्रीट फूड से दूरी बनाएं

बरसात में गंदगी और नमी के चलते बाहर के खाने में अक्सर हाइजीन की कमी होती है। इसलिए स्ट्रीट फूड, कटे-फटे फल, और बासी खाने से बचें। इससे फूड पॉइजनिंग और संक्रमण का खतरा हो सकता है।मानसून का मौसम भले ही सुहावना हो, लेकिन सेहत के लिए जोखिम भरा हो सकता है। इसलिए जरूरी है कि आप साफ-सुथरा, हल्का और पोषक खाना खाएं। इम्युनिटी को मजबूत रखें और फालतू के खाने से दूरी बनाएं।

तेल कंपनियों के घाटे कम होने पर पेट्रोल-डीजल सस्ता होने की उम्मीद

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई बड़ी गिरावट भारतीय ईंधन बाजार के लिए राहत की नई उम्मीद लेकर आई है। यदि वैश्विक कीमतें अगले 7 से 10 दिनों तक अपने मौजूदा स्तर पर स्थिर रहती हैं, तो तेल कंपनियां पेट्रोल और डीजल की बिक्री में नो-प्रॉफिट नो-लॉस की स्थिति में पहुंच जाएंगी, जिसके बाद कीमतों में राहत मिलने की संभावना बढ़ जाएगी। वर्तमान में, सरकारी तेल कंपनियां पहले खरीदे गए महंगे स्टॉक के कारण अंडर-रिकवरी का सामना कर रही हैं। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उन्हें 75,000 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है, जिससे उन पर दबाव है। विशेषज्ञों के अनुसार, कीमतें स्थिर रहने पर कंपनियां धीरे-धीरे घाटे से उबरकर संतुलन पर आएंगी। हालांकि, रसोई गैस (एलपीजी) पर अब भी प्रति सिलेंडर करीब 500 रुपये का नुकसान हो रहा है। इस गिरावट के कई कारण हैं। अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम के बाद कच्चे तेल की आपूर्ति बढ़ी है। साथ ही, सऊदी अरब और रूस के नेतृत्व में प्रमुख उत्पादक देशों ने उत्पादन बढ़ाने का फैसला किया है। होर्मुज जलडमरूमध्य खुलने से आपूर्ति सामान्य हुई है। ईरान और वेनेजुएला से तेल आपूर्ति बढ़ने से भी वैश्विक बाजार को राहत मिली है।

मॉनसून ने पकड़ी रफ्तार, वर्षा की कमी घटी; खरीफ की बुआई को मिली संजीवनी

देश में बारिश की कमी 40 से घटकर 24 फीसदी हुई, मध्य जुलाई तक सक्रिय रहने के आसार

नई दिल्ली ।

पहले 40 प्रतिशत रही बारिश की कमी अब घटकर 24 प्रतिशत पर आ गई है। इससे खरीफ फसलों की बुआई, जो जून अंत तक पिछले साल की तुलना में 22 प्रतिशत कम थी, को अब नई जान मिली है। पश्चिम और मध्य भारत में सुस्त मॉनसून के कारण बुआई ठहर गई थी। खरीफ की अच्छी फसल महंगाई, खासकर दलहन और तिलहन की कीमतों को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी संबल मिलेगा। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि बंगाल की खाड़ी में अनुकूल मौसम पैटर्न के कारण मॉनसून का यह सक्रिय चरण जुलाई के मध्य तक जारी रहेगा। स्काइमेट वेदर सर्विसेज के महेश पालवात के अनुसार, इससे मौसमी बारिश की कमी का बड़ा हिस्सा दूर हो जाएगा और जुलाई में सामान्य बारिश होगी। मॉनसून का प्रदर्शन जुलाई में जून से बेहतर रहने की उम्मीद है।

ओपेक प्लस के उत्पादन वृद्धि से कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी

ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई क्रूड कई महीनों के निचले स्तर पर, वैश्विक आपूर्ति बढ़ने से निवेशक चिंतित

नई दिल्ली।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में सोमवार को बड़ी गिरावट दर्ज की गई। ब्रेंट क्रूड 71.73 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 68.43 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार करते हुए कई महीनों के निचले स्तर पर पहुंच गए। इस गिरावट की मुख्य वजह तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक प्लस का उत्पादन बढ़ाने का फैसला और पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव में कमी आना है। ओपेक प्लस ने अगले महीने (अगस्त) से रोजाना 1.88 लाख बैरल अतिरिक्त तेल उत्पादन को मंजूरी दे दी है, जिसमें सऊदी अरब और रूस अग्रणी भूमिका निभाएंगे। इस फैसले के बाद वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की आपूर्ति में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त, पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज जैसे महत्वपूर्ण तेल मार्गों पर सामान्य आवाजाही बहाल होने से आपूर्ति बाधित होने का खतरा टल गया है। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे प्रमुख उत्पादकों का निर्यात भी लगभग संघर्ष-पूर्व स्तर पर पहुंच गया है, जिससे वैश्विक उपलब्धता और बढ़ी है। निवेशकों को अब आशंका है कि मांग के मुकाबले आपूर्ति की अधिकता हो सकती है, जिससे कीमतों पर दबाव बना रहेगा।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 24 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.42 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह रुपया शुरुआती कारोबार में 10 पैसे की गिरावट के साथ ही अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.28 पर आ गया। विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा के मजबूत होने से रुपये पर दबाव है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी निवेश आने पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) रुपये को बहुत अधिक मजबूत होने देने के बजाय अपने विदेशी मुद्रा भंडार को फिर से बढ़ाने का प्रयास करता है।

आज सुबह अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.25 प्रति डॉलर पर खुला। फिर डॉलर के मुकाबले 95.28 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 10 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया शुक्रवार को 17 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.18 पर बंद हुआ था।

इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के

मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 फीसदी की बढ़त के साथ 100.95 पर रहा।

एशियाई बाजारों में तेजी के साथ कारोबार

मुंबई ।

सप्ताह के पहले कारोबारी दिन अधिकांश एशियाई बाजारों में तेजी देखने को मिली। दक्षिण कोरिया का कोस्पी करीब 0.62 प्रतिशत और चीन का सीएसआई 300 लगभग 0.26 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार करता नजर आया। तकनीकी शेयरों में खरीदारी लौटने और कच्चे तेल की कीमतों में लगातार नरमी आने से एशियाई बाजारों को समर्थन मिला। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी रही। ब्रेंट क्रूड का जुलाई वायदा भाव करीब 71.78 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता दिखा, जो पिछले स्तर से लगभग 0.47 प्रतिशत नीचे था।

बाजार पर दबाव इसलिए भी बना क्योंकि ओपेक प्लस देशों ने जून और जुलाई के बाद अगस्त से भी उत्पादन बढ़ाने पर सहमति जताई है। वहीं, अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत में कोई खास प्रगति नहीं हुई है, लेकिन स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से तेल आपूर्ति फिलहाल सामान्य बनी हुई है। कमोडिटी बाजार में कीमती धातुओं की कीमतों में मजबूती देखने को मिली। गोल्ड फ्यूचर्स में करीब 2.11 प्रतिशत और सिल्वर फ्यूचर्स में 3.56 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र की ऋण वृद्धि पहली तिमाही में 27 प्रतिशत

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) का कुल ऋण चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में सालाना आधार पर 27 प्रतिशत बढ़कर 3.06 लाख करोड़ रुपये हो गया।गत वित्त वर्ष 2025-26 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही के अंत में उसका बकाया ऋण 2.41 लाख करोड़ रुपये था। पुणे मुख्यालय वाले इस बैंक ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कुल ऋण में खुदरा, कृषि और सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम खंड को दिए गए ऋण शामिल हैं, जो सालाना आधार पर 25 प्रतिशत बढ़कर 1.87 लाख करोड़ रुपये हो गए।समीक्षाधीन तिमाही में बैंक का कॉरपोरेट ऋण भी 21 प्रतिशत बढ़कर 1.11 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो पहली बार एक लाख करोड़ रुपये के पार पहुंचा।बैंक ने बताया कि इस तिमाही में उसकी कुल जमा राशि 13 प्रतिशत बढ़कर 3.44 लाख करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही के अंत में यह 3.05 लाख करोड़ रुपये थी। इसके परिणामस्वरूप बैंक का कुल कारोबार (कुल ऋण व जमा) 19 प्रतिशत बढ़कर 6.51 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो 30 जून, 2025 को 5.46 लाख करोड़ रुपये था।बैंक ने बताया कि अप्रैल-जून तिमाही में चालू खाता एवं बचत खाता (कासा) अनुपात कुल जमा का 49 प्रतिशत रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 50 प्रतिशत था।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 521, निफ्टी 159 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। । आज ऑटो, रियल्टी और तेल एवं गैस शेयरों में विशेष रुप से अच्छी खरीदारी हुई। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 521.16 अंक ऊपर आकर 78,285.07 पर और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 159.50 अंक उछलकर 24,430.35 पर बंद हुआ। निफ्टी में सबसे ज़्यादा बढ़त हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, ओएनजीसी, बजाज ऑटो और एमएंडएम के शेयरों में आई। वहीं टीसीएस मैक्स हेल्थकेयर और बजाज फिनसर्व के शेयर गिरे। सेक्टर के हिसाब से आज रियल्टी के क्षेत्र में सबसे अधिक तेजी रही। इसके बाद कंज्यूमर ड्यूरेबल्स , ऑटो और ऑयल एंड गैस के शेयर उछले। मेटल इंडेक्स में भी बढ़त रही। दूसरी ओर, मीडिया सेक्टर में गिरावट दर्ज की गयी। इसके अलावा पीएयू बैंक और आईटी शेयर भी गिरे। दूसरी ओर निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में तेजी रही।

आज कारोबार के दौरान, बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण पिछले सत्र के 480.24 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर लगभग 482.33 लाख करोड़ रुपए हो गया, जिससे एक ही सत्र में निवेशकों को करीब 2 लाख करोड़ रुपए का लाभ हुआ। पश्चिमी एशिया में शांति की उम्मीद और कच्चे तेल की कीमतों में बदलाव नहीं होने से भी बाजार को बल मिला। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की बढ़त के साथ शुरुआत हुई। आज सुबह निफ्टी 80.25 अंकों की बढ़त के साथ 24,351.10 के स्तर पर जबकि सेंसेक्स भी 315 अंक चढ़कर 78,078.76 के स्तर पर खुला।

अमेरिकी न्याय विभाग का अदाणी मामले पर यू-टर्न केस शुरू ही नहीं होना चाहिए था

दो साल की जांच के बाद डीओजे ने कानूनी व अधिकार-क्षेत्र संबंधी आधारों पर उठाए सवाल

नई दिल्ली ।

अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) ने अदाणी ग्रुप के खिलाफ अपने ही एक हाई-प्रोफाइल मामले पर चौंकाने वाला यू-टर्न लेते हुए कहा है कि यह केस कभी शुरू नहीं किया जाना चाहिए था। लगभग दो साल की कड़ी अंतरराष्ट्रीय जांच के बाद आई यह टिप्पणी एक अभूतपूर्व कानूनी बदलाव है, जिसने अदाणी ग्रुप के निवेशकों की धारणा पर गहरा असर डाला था और बाजार में अरबों की वैल्यू खत्म की थी। डीओजे ने अपनी 4 जुलाई की कोर्ट फाइलिंग में मामले के कानूनी और अधिकार-क्षेत्र से जुड़े आधारों पर सवाल उठाए हैं। विभाग ने आरोपों को नाम खराब करने की एक ऐसी कोशिश बताया जो मुकदमा चलने की किसी भी वास्तविक संभावना के बिना की गई थी। डीओजे का स्पष्टीकरण है कि सिक्योरिटीज से जुड़े आरोप कभी नहीं लगाए जाने चाहिए थे और केस समाप्त करने का फैसला कई कानूनी, सबूतों व नीतिगत कारणों से सही था। विभाग के दोबारा मूल्यांकन का मुख्य आधार यह निष्कर्ष है कि कथित गड़बड़ी मुख्य रूप से भारत में हुई थी, जहां भारतीय अधिकारियों ने पहले ही इन आरोपों की जांच की थी और कोई कार्रवाई योग्य गड़बड़ी नहीं पाई थी। डीओजे के अनुसार जिन सिक्योरिटीज का मामला है, उनमें एक पैसा भी नहीं डूबा है। विभाग ने प्रॉसिक्यूशन की कई बड़ी खामियां भी स्वीकार कीं। हालांकि अदालत ने अभी केस खारिज करने पर कोई फैसला नहीं सुनाया है, डीओजे का यह स्पष्ट और कड़ा मूल्यांकन मामले की समझ को गहराई से प्रभावित करेगा।

नेक्स्ट भारत वेंचर्स का 2,000 करोड़ रुपए का नया कोष

कृषि, स्वास्थ्य, फिनटेक व सामाजिक हित में एआई स्टार्टअप पर फोकस

नई दिल्ली ।

जापान की सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन समर्थित नेक्स्ट भारत वेंचर्स ने सोमवार को 2,000 करोड़ के अपने दूसरे निवेश कोष की घोषणा की। यह कोष भारत में कृषि, वित्तीय समावेश, स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक हित जैसे क्षेत्रों में कृत्रिम मेधा (एआई) का उपयोग करने वाले स्टार्टअप को समर्थन देगा। नेक्स्ट भारत वेंचर्स का लक्ष्य ग्रामीण भारत, छोटे व मझोले शहरों तथा असंगठित व गिग क्षेत्र से जुड़े कामगारों के स्थानीय समुदायों के जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनाने वाले स्टार्टअप्स में निवेश करना है। कंपनी इससे पहले अपने 340 करोड़ रुपए के पहले कोष के माध्यम से 20 से अधिक इम्पैक्ट ऑर्गेनाइजेशन में निवेश कर चुकी है। नेक्स्ट भारत वेंचर्स के एक अे धिकारी ने बताया कि नए कोष का अधिकतर निवेश सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन एक एंकर लिमिटेड पार्टनर के रूप में करेगी। इसके अलावा, जापान की अन्य कंपनियों से भी निवेश जुटाया जाएगा। नाथ ने इस रणनीति का कारण बताते हुए कहा कि जापानी संस्थान निवेश के मामले में कहीं अधिक धैर्यवान होते हैं। कंपनी अगले तीन से चार वर्षों में इस 2,000 करोड़ रुपए का निवेश करने की योजना बना रही है।

वाहन बिक्री ने जून में बनाया ऐतिहासिक रिकॉर्ड 21.83 फीसदी की बंपर वृद्धि दर्ज

फाडा ने बताया अब तक का सबसे बेहतर जून, सभी खंडों में रिकॉर्ड प्रदर्शन

नई दिल्ली ।

भारतीय वाहन खुदरा बाजार ने जून में शानदार प्रदर्शन किया, जहां कुल बिक्री सालाना आधार पर 21.83त्न बढ़कर 25,57,234 इकाई हो गई। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) ने सोमवार को बताया कि यह अब तक का सबसे बेहतरीन जून महीना रहा, जिसमें सभी खंडों - दोपहिया, तिपहिया, वाणिज्यिक और यात्री वाहन - ने रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की है। फाडा के आंकड़ों के अनुसार, यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री 28.63 फीसदी बढ़कर 4,10,853 इकाई और दोपहिया वाहनों की बिक्री 21.22 फीसदी बढ़कर 18,28,458 इकाई पर पहुंच गई। वहीं, तिपहिया और वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में क्रमशः 16.2 फीसदी और 16.88 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। फाडा के अध्यक्ष सी. एस. विग्नेश्वर ने इस प्रदर्शन को ऐतिहासिक करार दिया। जुलाई के लिए, 51.24 फीसदी डीलरों ने बिक्री में वृद्धि की उम्मीद जताई है, जो मजबूत सकारात्मक दृष्टिकोण दर्शाता है। इस आशावाद का आधार मानसून की स्थिति में सुधार, खरीफ बुवाई में तेजी और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में नरमी है। फाडा ने जुलाई-सितंबर 2026 तिमाही के लिए डीलरों के भरोसे में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है, जहां 66.17 फीसदी डीलर बाजार में वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में नकदी प्रवाह में सुधार, इलेक्ट्रिक और सीएनजी वाहनों की बढ़ती मांग तथा नए मॉडल लॉन्च इस सकारात्मक रुझान को बनाए रखेंगे।

मिडकैप फंड्स में निवेशकों का अटूट भरोसा- मई में भी 4,000 करोड़ निवेश

सरकारी खर्च, मजबूत डिफेंस ऑर्डर और बढ़ती मांग ने मिडकैप कंपनियों के लिए खोले नए रास्ते

नई दिल्ली ।

भारतीय इक्विटी बाजार में मिडकैप सेगमेंट निवेशकों की पहली पसंद बना हुआ है। मई 2026 में भी मिडकैप म्युचुअल फंड्स में 4,000 करोड़ रुपये से अधिक का शुद्ध निवेश दर्ज किया गया, जो अप्रैल के बाद लगातार दूसरा महीना है जब इस कैटेगरी में इतना भारी निवेश आया है। खास बात यह है कि मई में कोई नया मिडकैप फंड लॉन्च न होने के बावजूद निवेशकों का भरोसा कायम रहा, जो इन कंपनियों के बेहतर ग्रोथ आउटलुक को दर्शाता है। एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया के आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल 2026 में मिडकैप फंड्स में 4,780.58 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया था, जबकि मई में यह आंकड़ा 4,385.06 करोड़ रुपये रहा। मई के दौरान कुल 8,270.23 करोड़ रुपये का निवेश इन फंड्स में आया और 3,885.16 करोड़ रुपये की निकासी हुई, जिससे शुद्ध निवेश 4,385.06 करोड़ रुपये रहा। इसके साथ ही, मिडकैप फंड्स का कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट बढ़कर करीब 4.88 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है।कोटक म्युचुअल फंड के सीनियर फंड मैनेजर अतुल भोले के अनुसार, सरकार के बढ़ते इंफ्रास्ट्रक्चर खर्च, डिफेंस सेक्टर के मजबूत ऑर्डर, इलेक्ट्रॉनिक्स व सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग को मिल रहा बढ़ावा, हेल्थकेयर की बढ़ती मांग और निर्यात के बेहतर अवसरों ने मिडकैप कंपनियों के लिए नए ग्रोथ के मौके पैदा किए हैं। देश की युवा आबादी, बढ़ता घरेलू निवेश और नए आर्थिक सुधार भी इन कंपनियों की कमाई बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। अगले 12 महीनों के आउटलुक पर बात करते हुए भोले ने कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और कच्चे तेल समेत कई कमोडिटी की कीमतों में नरमी से कंपनियों की लागत घटने की उम्मीद है। पिछले साल के कमजोर प्रदर्शन के मुकाबले इस साल बिक्री और मुनाफे में सुधार देखने को मिल सकता है। मजबूत बैंक लोन ग्रोथ, बढ़ता जीएसटी कलेक्शन और बेहतर आर्थिक गतिविधियां भी इस सकारात्मक रुख की ओर इशारा कर रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले समय में मिडकैप कंपनियां बड़ी कंपनियों के मुकाबले बेहतर ग्रोथ दिखा सकती हैं, खासकर वे जिनके पास कारोबार बढ़ाने और बाजार हिस्सेदारी मजबूत करने की क्षमता है।

टाटा टेक्नोलॉजीज 17 को जारी करेगी पहली तिमाही वित्त वर्ष 27 नतीजे

बोर्ड बैठक में अनऑडिटेड वित्तीय नतीजों को मिलेगी मंजूरी, जून 24 से इनसाइडर ट्रेडिंग विंडो बंद

नई दिल्ली ।

टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा टेक्नोलॉजीज ने अपनी पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2026-27) के नतीजों की घोषणा के लिए 17 जुलाई 2026 की तारीख तय की है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि इस दिन बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक होगी, जहां जून तिमाही के अनऑडिटेड वित्तीय नतीजों को मंजूरी दी जाएगी। उम्मीद है कि नतीजे बाजार बंद होने के बाद जारी होंगे, जैसा पिछली बार हुआ था। कंपनी की रेगुलेटरी फाइलिंग के अनुसार, 24 जून 2026 से ट्रेडिंग विंडो बंद कर दी गई है। यह विंडो तिमाही नतीजे सार्वजनिक होने और स्टॉक एक्सचेंज पर उनकी जानकारी जारी होने के 48 घंटे बाद तक बंद रहेगी। इसका मुख्य उद्देश्य कंपनी से जुड़े इनसाइडर्स को शेयरों में खरीद-बिक्री करने से रोकना है। पिछली मार्च 2026 तिमाही में टाटा टेक्नोलॉजीज का प्रदर्शन शानदार रहा था। कंपनी का कंसोलिडेटेड शुद्ध मुनाफा 8 फीसदी बढ़कर 204 करोड़ रुपए हो गया था, जबकि ऑपरेशन से आय 22त्न बढ़कर 1,572 करोड़ तक पहुंच गई थी। ऐ बिटा मार्जिन भी 14.1 फीसदी से बढ़कर 16 फीसदी हो गया था।

इस तिमाही में कंपनी ने शेयरधारकों के लिए कुल 11.70 प्रति शेयर का डिविडेंड भी घोषित किया था। शुक्रवार को टाटा टेक्नोलॉजीज का शेयर 715.85 रुपए पर 0.50 फीसदी की मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ।

गुरुग्राम में ओबेरॉय रियल्टी की 8,109 करोड़ की लग्जरी इकाइयां बिकीं

दिल्ली-एनसीआर में पहली आवासीय परियोजना थ्री सिक्स्टी नॉर्थ को मिला जबरदस्त प्रतिसाद

नई दिल्ली ।

मुंबई की प्रमुख रियल एस्टेट कंपनी ओबेरॉय रियल्टी लिमिटेड ने गुरुग्राम के रियल एस्टेट बाजार में धमाकेदार प्रवेश किया है। कंपनी ने अपनी पहली दिल्ली-एनसीआर आवासीय परियोजना में हाल ही में लॉन्च की गई लग्जरी इकाइयों से मजबूत मांग के दम पर 8,109 करोड़ रुपए की सकल बुकिंग दर्ज की है।

यह सफलता कंपनी के लिए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है।

ओबेरॉय रियल्टी ने शेयर बाजार को सूचित किया कि गुरुग्राम के गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड पर स्थित उसकी पहली लग्जरी आवासीय परियोजना थ्री सिक्स्टी नॉर्थ को खरीदारों से उत्कृष्ट प्रतिक्रिया मिली है। कंपनी ने 29 जून को इस परियोजना के पहले चरण की शुरुआत की घोषणा की थी, जिसमें छह टावर में कुल 832 आवासीय इकाइयां शामिल हैं।

इस 14.8 एकड़ की परियोजना में 13.52 लाख वर्ग फुट का रेरा कारपेट क्षेत्र (कुल 23.10 लाख वर्ग फुट बिक्री योग्य क्षेत्र) बेचा गया है।

कंपनी ने बताया कि इस परियोजना में कुल 6,000 करोड़ रुपए का निवेश और 16,000 करोड़ रुपए की संभावित आय का अनुमान है। ओबेरॉय रियल्टी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक विकास ओबेरॉय ने परियोजना के लॉन्च के समय विश्वास व्यक्त किया था कि उनका ब्रांड एनसीआर बाजार में भी सफलतापूर्वक स्थापित हो सकता है, जो अब शुरुआती बिक्री आंकड़ों से सच साबित होता दिख रहा है।

गोल्डन बूट की रेस हुई रोमांचक

● मेसी-एम्बाप्पे को हालैंड दे रहे कड़ी टक्कर

नई दिल्ली। नॉर्वे के स्ट्राइकर अर्लिंग हालैंड ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 गोल्डन बूट की रेस में फ्रांस के दिग्गज किलियन एम्बाप्पे और अर्जेंटीना के लियोनल मेसी को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। उन्होंने दो गोल करके ब्राजील को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया और नॉर्वे ने राउंड ऑफ 16 का अहम मैच 2-1 से जीत लिया। उन्होंने 79वें और 90वें मिनट में गोल किए। हालैंड के अब 7 गोल हो गए हैं, जो एम्बाप्पे और मेसी के बराबर है। एम्बाप्पे 7 गोल और 2 असिस्ट के साथ फीफा वर्ल्ड कप 2026 में गोल्डन बूट की रेस में सबसे ऊपर हैं, जबकि हालैंड और मेसी दोनों के 7 गोल और 0 असिस्ट हैं। नॉर्वे के खिलाड़ी अभी तीसरे नंबर पर हैं क्योंकि मेसी ने कम मिनट में ज्यादा गोल किए हैं। इंग्लैंड के हैरी केन 5 गोल और 0 असिस्ट के साथ चौथे नंबर पर हैं, जबकि फ्रांस के ओस्मान डेम्बेले, स्पेन के मिकेल ओयारजाबल, ब्राजील के विनीसियस जूनियर और इस्माइला सार 4-4 गोल के साथ दूसरे नंबर पर हैं।

तिलक वर्मा ने अभिषेक का रिकॉर्ड तोड़ा

बने नंबर 1, टी-20 में सबसे कम उम्र में 1500 रन बनाने वाले टॉप-10 भारतीय

नई दिल्ली। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के उप-कप्तान तिलक वर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में 11 गेंदों पर 2 छक्के और एक चौके की मदद से नाबाद 24 रन की पारी 218.18 की स्ट्राइक रेट के साथ खेली। तिलक वर्मा ने अपनी इस पारी के दौरान टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में अपने 1500 रन भी पूरे किए और वो टी20 क्रिकेट में भारत की तरफ से सबसे कम उम्र में 1500 रन बनाने वाले सबसे युवा बैटर भी बने।

● **तिलक वर्मा ने दो दिन बाद तोड़ा अभिषेक शर्मा का रिकॉर्ड-** इससे पहले टीम इंडिया के ओपनर अभिषेक शर्मा ने एक जुलाई को इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच के दौरान अपने 1500 रन टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में पूरे किए थे और भारत की तरफ से क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में 1500 रन बनाने वाले सबसे युवा बैटर बने थे, लेकिन दो दिन के बाद ही यानी 4 जुलाई को तिलक वर्मा ने उनका रिकॉर्ड तोड़ दिया और पहले नंबर पर आ गए। तिलक वर्मा ने टी20आई में 1500 रन 23 साल 238 दिन की उम्र में पूरे किए जबकि अभिषेक ने ये कमाल 25 साल 300 दिन की उम्र में किया था और वो अब दूसरे नंबर पर आ गए।

इंग्लैंड-ऑस्ट्रेलिया फाइनल के बाद टॉप-10 बल्लेबाज व गेंदबाज

श्री चरणी का जलवा

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया ने रविवार (5 जुलाई) को इंग्लैंड को 7 विकेट से हराकर 7वीं बार महिला टी20 विश्व कप का खिताब जीता। टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन इंग्लैंड की डैनी व्याट हॉज ने बनाए। उन्होंने 302 रन बनाए ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी दूसरे नंबर पर रहीं। उन्होंने 238 रन बनाए। इंग्लैंड की नट साइवर ब्रंट तीसरे नंबर पर रहीं। टॉप-10 बल्लेबाजों में दो भारतीय स्मृति मंधाना और शैफाली वर्मा भी हैं। स्मृति ने 205 और शैफाली ने 179 रन बनाए। टॉप-10 गेंदबाजों की बात करें तो भारतीय स्पिनर श्री चरणी शीर्ष पर रहीं। उन्होंने 15 विकेट लिए। इंग्लैंड की सोफी मोलिन्यू दूसरे, पाकिस्तान की फातिमा सना तीसरे नंबर रही। दोनों ने 1-1 विकेट लिए। इंग्लैंड सोफी एक्लेस्टोन चौथे और हेली मैथ्यूज चौथे नंबर पर रहीं। दोनों ने 10-10 विकेट लिए। इंग्लैंड की शार्लेट डीन ने भी 10 विकेट झटके।

ऑस्ट्रेलिया ने रिकॉर्ड 7वीं बार जीता खिताब

फाइनल में इंग्लैंड को 7 विकेट से हराया

लंदन (एजेंसी)। महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल मुकाबला इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच लॉर्ड्स में खेला गया। इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने बेथ मूनी और फीबी लिचफील्ड की शानदार पारी व शतकीय साझेदारी के दम पर मैच को 7 विकेट से जीत लिया। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने 7वीं बार महिला टी20 वर्ल्ड कप खिताब जीतने का गौरव हासिल किया। इंग्लैंड का अपने घर में चैंपियन बनने का सपना टूट गया और उसे उप-विजेता बनकर संतोष करना पड़ा। फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था और इसके बाद इंग्लैंड की टीम ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 150 रन बनाए और ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 151 रन का टारगेट दिया। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 17.1 ओवर में 3 विकेट पर 153 रन बनाकर मैच जीत लिया।

ऑस्ट्रेलिया की पारी में बेथ मूनी का शानदार अर्धशतक

ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम की ओपनर जॉर्जिया वोल 9 रन के स्कोर पर अपना विकेट गंवा बैठीं। फीबी लिचफील्ड ने 35 गेंदों पर 48 रन की पारी खेली और आउट हो गईं, लेकिन उन्होंने दूसरे विकेट के लिए बेथ मूनी के साथ मिलकर 67 गेंदों पर 100 रन की साझेदारी की। बेथ मूनी ने अपना अर्धशतक 38 गेंदों पर पूरा किया और उन्होंने 49 गेंदों पर 64 रन की शानदार पारी खेली। एलिस पेरी 13 रन बनाकर जबकि एश्ले गार्डनर 3 रन बनाकर नाबाद रहीं। इंग्लैंड के लिए शार्लेट डीन, लॉरेन बेल और सोफी एक्लेस्टोन ने एक-एक विकेट लिए।

इंग्लैंड की घर में पहली हार

● ऑस्ट्रेलिया तीसरी बार बगैर हारे बना चैंपियन, बेथ मूनी ने रचा इतिहास

महिला टी20 विश्व कप के इतिहास में इंग्लैंड की टीम रविवार (5 जुलाई) को पहली बार घरेलू सरजमीं पर हारी और दूसरी बार खिताब जीतने का उसका सपना टूट गया। वह घरेलू सरजमीं पर महिला टी20 विश्व कप में 12 मैच में 11 जीत दर्ज की है। वह पहली बार अपनी मेजाबनी में विश्व कप हारी। ऑस्ट्रेलिया ने उसका विजय रथ रोककर 7वीं बार खिताब अपने नाम किया। वह तीसरी बार टूर्नामेंट में एक भी मैच हारे बगैर चैंपियन बनी।

ऑस्ट्रेलिया की जीत में बेथ मूनी ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने लगातार तीसरी बार फाइनल में अर्धशतक लगाया। बेथ मूनी महिला टी20 वर्ल्ड कप में दो बार प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट खिताब जीतने वाली पहली खिलाड़ी भी बनीं। इससे पहले वह 2020 में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रही थीं। पुरुषों में यह रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम है।

प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड

मूनी टी20 वर्ल्ड कर फाइनल (2023 और 2026) में दो बार प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने वाली पहली खिलाड़ी हैं। मार्लन सैमुअल्स पुरुषों (2012 और 2016) में दो बार प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने वाले अकेले खिलाड़ी हैं। मूनी महिला टी20 विश्व कप के एक संस्करण में फाइनल की प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट खिताब जीतने वाली दूसरी खिलाड़ी बनीं। 2024 में अमेलिया केर भी फाइनल की प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रही थीं।

दासुन शनाका ने 4 गेंद पर झटके 4 विकेट, चेन्नई सुपर किंग्स की टीम हारी

नई दिल्ली। मेजर लीग क्रिकेट 2026 में दासुन शनाका ने कमाल का प्रदर्शन करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स की टीम टेक्सास सुपर किंग्स के खिलाफ सिएटल ऑर्कस को जीत दिला दी। टेक्सास सुपर किंग्स को आखिरी ओवर में 15 रन चाहिए थे। शनाका ने 4 गेंद पर 4 विकेट झटके और टेक्सास सुपर किंग्स ने 9 रन से जीत दर्ज की।

जीत के लिए 122 रन का पीछा करते हुए टेक्सास सुपर किंग्स ने आखिरी ओवर में 107 रन पर 5 विकेट गंवा दिए थे। डोनोवन फरेरा और शुभम रंजना क्रीज पर थे। फरेरा ने 19वें ओवर में एक चौका और एक छक्का लगाया था। फिर रंजना ने आखिरी ओवर की पहली गेंद पर शनाका को चौका जड़ा, जिससे पांच गेंदों पर 11 रन चाहिए थे।

शनाका ने फरेरा, सैवेज, मिल्ने और डी सिल्वा को आउट किया- दो गेंद बाद फरेरा एक धीमी गेंद पर आउट हो गए। फिर केल्विन सैवेज लॉन्ग-ऑन पर कैच आउट हुए। एडम मिल्ने ने हैट्रिक गेंद का सामना किया और बड़े शॉट के प्रयास में आउट हो गए। शनाका ने आखिरी गेंद पर अमशी डी सिल्वा को शिमरोन हेटमायर के हाथों कैच करा दिया।

नेमार ने लिया संन्यास

पेले के क्लब में हुए शामिल

नॉर्वे से हारकर ब्राजील बाहर

न्यूजर्सी (एजेंसी)।। ब्राजील के सर्वकालिक शीर्ष गोल स्कोरर नेमार जूनियर ने रविवार (5 जुलाई) को अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा कर दी। उन्होंने यह ऐलान ब्राजील के फीफा वर्ल्ड कप 2026 से बाहर होने के बाद की। नॉर्वे के खिलाफ राउंड ऑफ 16 में उसे 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। 1990 के बाद पहली बार ब्राजील इतना जल्दी वर्ल्ड कप से बाहर हुआ है।

नेमार ने अतिरिक्त समय के 10वें मिनट में पेनल्टी से मैच का एकमात्र गोल दागा, जिससे ब्राजील के लिए 130 मैचों में उनके गोलों की संख्या 80 हो गई, साथ ही उन्होंने 59 असिस्ट भी किए। दिग्गज पेले के मुकाबले उन्होंने 3 गोल ज्यादा किए हैं। वह पेले के अलावा चार विश्व कप में गोल करने वाले दूसरे ब्राजीलियाई खिलाड़ी बने। नेमार ने ब्राजील के लिए 130 मैच खेले। कैफू ने (142) उनसे ज्यादा मैच खेले हैं।

नेमार रोते हुए जमीन पर बैठ गए

न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में आखिरी सीटी बजने के बाद नेमार रोते हुए जमीन पर बैठ गए। साथी खिलाड़ियों ने उन्हें मनाया। मैच के बाद उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'मैंने कोशिश की। इसकी शुरुआत मेट लाइफ स्टेडियम में हुई और यहीं इसका अंत हुआ।' नेमार ने अगस्त 2010 में मेटलाइफ स्टेडियम में अमेरिका के खिलाफ एक फ्रेंडली मैच में ब्राजील के लिए डेब्यू किया और अपना पहला इंटरनेशनल गोल किया।

नेमार की फिटनेस बनी समस्या- फीफा वर्ल्ड कप 2026 से पहले नेमार की फिटनेस चर्चा का विषय बनी हुई थी, लेकिन चिंताओं के बावजूद मुख्य कोच कार्लो एंसेलोटी ने उन्हें 26 सदस्यीय टीम में शामिल किया। दाहिने पैर की पिंडली में चोट लगने की वजह से नेमार टूर्नामेंट में ब्राजील के पांच मैचों में से सिर्फ दो में ही खेले। वह ग्रुप प्ले में स्कॉटलैंड के खिलाफ 15 मिनट तक मैदान पर रहे और नॉर्वे के खिलाफ 67वें मिनट में मैदान पर आए।

'उन्हें जेल में देखकर बहुत बुरा लगता है'

● पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर इमरान खान को लेकर कपिल देव ने जाहिर किया अपना दर्द

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान व पीएम इमरान खान को लेकर अपने मन की बात कही। एक इंटरव्यू के दौरान कपिल देव ने इमरान खान को लेकर खुलकर बातें की और बताया कि वो किस तरह से इंसान थे। कपिल देव ने साफ तौर पर कहा कि एक ऐसा खिलाड़ी जिसने अपने देश के लिए वर्ल्ड कप जीता और फिर देश का प्रधानमंत्री भी बना उसके साथ इस तरह का व्यवहार देखकर बुरा लगता है।

इमरान की लाइफ स्टाइल को छू भी नहीं सकते

कपिल देव ने स्पोर्ट्स तक पर इंटरव्यू के दौरान पूछा गया कि क्या आपकी इमरान से दोस्ती थी तो उन्होंने कहा कि मैं ऐसा तो नहीं कहूंगा, लेकिन जब जरूरत होती थी हम बैठकर बात करते थे। वो भी पंजाबी थे और मुझे भी पंजाबी समझ में आती थी तो हम आसानी से एक-दूसरे की बात समझ लेते थे। इमरान खान की लाइफ स्टाइल को तो हम छू भी नहीं सकते। उनका लाइफस्टाइल काफी अलग था और ऐसा हमेशा रहा। इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट के दौरान भी ऐसा ही था।

'मेरे साथ कई बार धोखा हुआ'

पृथ्वी शॉ की मंगेतर आकृति ने किसके लिए लिखा ऐसा, क्या दोनों की राहें हुई जुदा?

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर पृथ्वी शॉ एक बार फिर से चर्चा में हैं। रविवार को उनकी मंगेतर आकृति अग्रवाल ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की जिसमें उन्होंने दावा किया कि उन्हें एक बार नहीं बल्कि कई बार धोखा दिया गया है। आकृति के इस पोस्ट के बाद पृथ्वी शॉ और उनके रिश्ते को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। आईपीएल 2026 सीजन से पहले जब दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें खिलाड़ियों की नीलामी में खरीदा था उससे पहले ही पृथ्वी शॉ और आकृति अग्रवाल की सगाई हो गई थी।

क्या पृथ्वी और आकृति में हुआ अलगाव

आकृति ने क्रिकेटर पृथ्वी के साथ अपने रिश्ते को दिखाने के लिए अपने ऑफिशियल अकाउंट से कई पोस्ट शेयर किए थे। क्रिकेट फैंस को आकृति और पृथ्वी के रिश्ते के बारे में अच्छी तरह से पता है, लेकिन इन सारी बातों के बीच आकृति ने जो पोस्ट शेयर किया वो किसके लिए है ये बड़ा सवाल है। क्या दोनों की राहें जुदा हो गई है, हालांकि अब तक आधिकारिक तौर पर ऐसी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। आकृति ने अपने पोस्ट में लिखा कि मेरे साथ कई बार धोखा हुआ, फिर भी मैंने कभी कुछ नहीं कहा। अभी भी यकीन नहीं होता कि एक कदम आगे बढ़ने के बाद... सब कुछ सच है, हर अफवाह सच है। सोशल मीडिया पर आप उनके बारे में जो कुछ भी देखते हैं। जब आकृति ने लिखा कि सब सच है तो इंटरनेट यूजर्स ने आकृति और पृथ्वी के रिश्ते में कुछ गड़बड़ होने का अंदाजा लगाना शुरू कर दिया। हालांकि आकृति ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में किसी का नाम नहीं लिया। फिलहाल ना तो आकृति और ना ही पृथ्वी की तरफ से कोई आधिकारिक बयान आया है। दोनों में से किसी की भी तरफ से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया न मिलने के कारण लोगों को यह नहीं पता चला है कि आकृति को सार्वजनिक रूप से इतना दुखद संदेश क्यों साझा करना पड़ा। क्या सगाई के बाद भी उनका ब्रेकअप हो गया है ये सवाल सबके मन में कौंध रहा है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
निकटस्थ व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-1-3-5

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-6

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
अपने काम को प्राथमिकता से करें। बुरी संगति से बचें। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। हाथ-पैरों में पीड़ा हो सकती है। शुभांक-4-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-2-4-5

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
मान-सम्मान में वृद्धि होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। सुविधाओं में बाधा आएगी। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-4-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
संतोषजनक सफलता मिलेगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। मेहमानों का आगमन होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। वाहन चालन में सावधानी बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-2-4-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-5-6-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-3-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। वैचारिक उत्तेजना पर नियत्रंण रखें। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-5-6-8

काकुरो पहेली - 3940

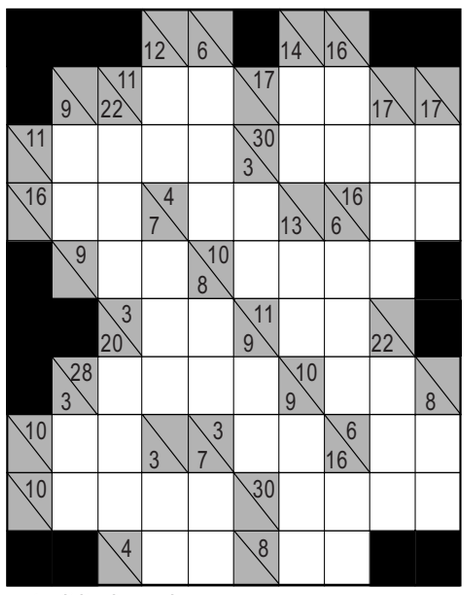

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः:

15/24 | 1 2 3 4 5 ; 7 8 9

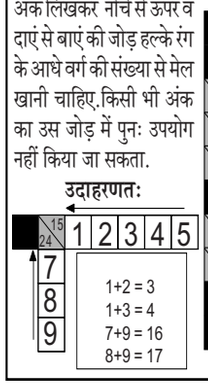

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

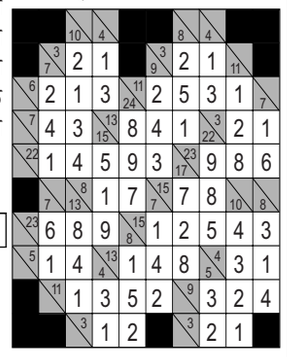

काकुरो - 3939 का हल

हंसी के फूव्वारें

दारोगा (रमेश से) - जब तुम्हारे यहां चोरी हुई, उस समय कितना बजा था?
रमेश (दारोगा से) - हम पर चार लट्ठ और हमारे भाई पर दो लट्ठ बजे थे.
दारोगा (रमेश से) - अरे मै घड़ी का पूछ रहा हूं उसमे कितना बजा था?
रमेश (दारोगा से) - साहब घड़ी तो एक ही लट्ठ बजने पर टूट गई.

□ □ □

महेश (संजय से) - मुझे खुशी इस बात की है कि मेरा बॉस एक डॉक्टर है.
संजय (महेश से) - ऐसी क्या खासियत है आपके बॉस में?
महेश (संजय से) - मैं थोड़ा भी बीमार पड़ता हूं, तो वह मुझे फौरन बेड रेस्ट की सलाह दे देता है.

□ □ □

दो मूर्ख वार्तालाप कर रहे थे.
पहला बोला- 'यदि वृक्ष पर हाथी चढ़ जाए और वहां से नीचे उतरना चाहे तो उसे क्या करना चाहिए?'
दूसरा मूर्ख बोला- 'हाथी को वृक्ष की टहनी पर बैठकर पतझड़ के आने की प्रतीक्षा करनी चाहिए.'

□ □ □

राम (मोहन से) - क्या कर रहे हो?
मोहन- दोस्त को पत्र लिख रहा हूं.
राम- लेकिन तुम्हें लिखना नहीं आता.
मोहन (राम से) - तो मेरे दोस्त को कौन सा पढ़ना आता है.

फिल्म वर्ग पहेली- 3940

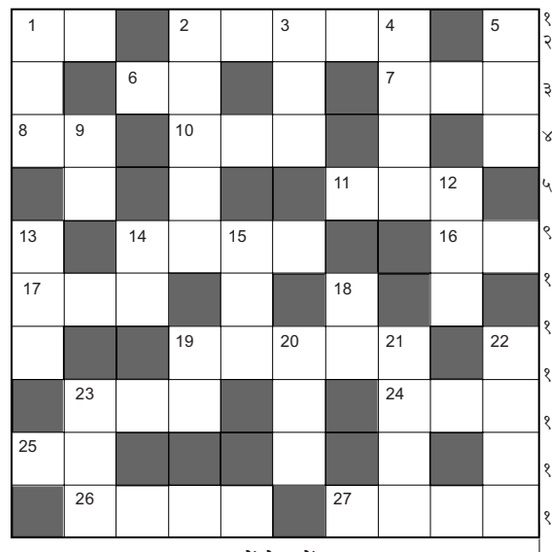

बायें से दायें:-

१. फरदीन, करीना की अमिताभ बच्चन की शीर्षक भूमिका वाली फिल्म-२
२. 'चल दरिया में डूब' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा, मुमताज की फिल्म-२,३
६. करणनाथ, मनीषा, नतान्या की 'दिल तो उड़ने लगा' गीत वाली फिल्म-२
७. 'बाहर है प्रॉबलम' गीत वाली अमृता सिंह, अमिताभ, मीनाक्षी की फिल्म-३
८. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'सुनता है मेरा खुदा' गीत वाली अनिलकपूर, माधुरी की फिल्म-३
११. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'गोरी तेरे अंग अंग में' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'बोल बेबी बोल' गीत वाली अनिलकपूर, मीनाक्षी की फिल्म-२,२
१६. बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'कोई माने या ना माने' गीत वाली फिरोजखान, रेखा की फिल्म-३
१९. देवआनंद, वहीदा की 'है अपना दिल तो आवारा' गीत वाली फिल्म-३,२
२३. 'गिर गया झुमका' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३
२४. फिल्म 'तीसरी कसम' में राजकपूर के साथ नायिका कौन थी?-३
२५. प्राण, नवीन निश्चल, रेखा की 'ना सतरा से ऊपर' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-४
२७. अजय देवगन, रानी मुखर्जी की 'ना ना मेहंदी ना मुझको लगाना' गीत वाली फिल्म-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. संजीवकुमार, शबाना आजमी की फिल्म-३
२. देवआनंद, वहीदा रहमान की 'रंगीला रे तेरे रंग में' गीत वाली फिल्म-२,३
३. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली आफ ताब, लिसा रे की फिल्म-३
४. फिल्म 'रफूचक्कर' में ऋषिकपूर के साथ नायिका कौन थी?-२,२
५. फिल्म 'छैला बाबू' में राजेश खन्ना के साथ नायिका कौन थी?-३
९. अमिताभ, रितिक, प्रीती जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'तुम रूठ के मत जाना' गीत वाली भारतभूषण, मधुबाला की फिल्म-३
१३. किशोर कुमार, चाँद उस्मानी की 'छोटा सा घर होगा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, टिवंकल की फिल्म-२
१५. फरदीनखान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तेरे प्यार का छाया नशा' गीत वाली आफताब, युक्ता मुखी की फिल्म-२
१९. फिल्म 'काश आप हमारे होते' का नायक कौन है?-२
२०. मिथुन चक्रवर्ती, टीना मुनीम की 'तुम सा नहीं देखा' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'ये लड़की जरा सी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-२,२
२२. मिथुन चक्रवर्ती, ऋतुपर्णा की 'गोरे रंग का जमाना' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3939

आ	ई	मि	ल	न	की	बे	ला		शा
गा		ल		र्गि		ना		मि	ली
ज	मी	न		स	न	म			मा
	ना		सु		गी		पिं	ज	र
ज		प	र	वा	न			ह्ला	
ग	द	र		स्त		दो	ब	द	न
ल		ख		व	ध		ल		व
	क		ना		न	ग	मा		रं
श	ह	जा	दा		वा			रं	ग
	र		न	या	न	शा		भा	

सूडोकु -3940

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3939 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

शब्द पहेली - 3940

बाएँ से दाएँ

1.नेमत,वर,ईष्टकृपा -4
3.उद्देश्य,ध्येय-4
8.सयाना,चतुर-4,3
10.मनुष्य-3
11.मोल,दाम-3
13.बैठने का स्थान-3
15.दौड़ना (अंग्रेजी-2)
17.पराजित-2
18.वध,कत्ल-2
19.काव्यकार,शायर-2
21.राशिचक्र की दसवीं राशि-3
25.आक्रमण,प्रहार-3
26.पालतू जानवर-3
27.ईश्वर,भगवान-7
30.ईश्वरीय कृपा-4
31.भयभीत होना, डरना-4

ऊपर से नीचे

2.असुर,दैत्य-3
4.गागर,घड़ा-3
5.मन की करना-4
6.प्रार्थना,ईश वंदना-4
7.चरित्र,ईमान-3
8.कार्यविधि-3
9.रेखा,लाईन-3
12.माला का मोती-3
13.राहत,विश्राम-3
14.कैनाल,उपनदी-3
16.नगद राशि-3
20.रुदन -3
22.पक्षियों का शोर-4
23.मध्यांग, कटि-3
24.12 राशियों का समूह-4
25.महल,बड़ा भवन-3
28.सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
29.अदृश्य, जो दिखाई न दे-3

शब्द पहेली -3939का हल

स	ज	दा	क	र	ना		म	त	वा	ला
ह	रा		त		का	म	ना		दा	वा
न		बे	र	ह	म		ना	रा		रि
शी	ल	वा	न		या	द		नी	र	स
ल		प		ख	ब	र	ची		न	
ता	र	न	हा	र		का	न	भ	र	ना
	म		र	ह	ब	र		यं		प
प्र	ण	य		रा	हु		ब	क	वा	स
ति		दा	स		बे	क	रा	र		न्द
का	न		चि	रा	ग		म		क	हो
र	म	जा	न		म	द	द	क	र	ना

होने वाले बच्चे के विकास पर असर डालता है सीलिएक रोग

सिलिएक रोग एक अनुवांशिक ऑटोइनयुमिन रोग है, जो बच्चे के विकास को प्रभावित करता है। ऐसे में गर्भावस्था के दौरान यदि महिलाएं हाई फाइबर का सेवन करें और ग्लूटेन खाने से परहेज करें, तो वह अपने होने वाले बच्चे को इस रोग का खतरा कम हो सकता है।

सीलिएक छोटी आंत की बीमारी है या कहा जा सकता है कि यह कुछ खानपान से होने वाली एलर्जी है। जब खाना ग्लूटेन से निकलता है, तो यह आपके पाचन तंत्र को प्रभावित करता है, जिससे पाचन संबंधी समस्याएं होती हैं। सीलिएक रोग एक ऑटोइम्यून रोग है। सीलिएक रोग एक गंभीर रोग है। सीलिएक रोग गर्भवती महिलाओं से उनके होने वाले बच्चे के विकास पर भी असर डालता है। सिलिएक रोग के कारण बच्चे की ग्रोथ रूक जाती है, जैसे बच्चे की लंबाई पर इसका असर देखने को मिलता है। आइए जानते हैं कि क्या है सिलिएक रोग और इसके प्रमुख लक्षण।

क्या है सिलिएक रोग

सिलिएक रोग एक ऑटोइनयुमिन रोग है, जो कि छोटी आंत से जुड़ा रोग है। सीलिएक रोग प्रतिरक्षा प्रणाली की वजह से होने वाली बीमारी है, जो कि ग्लूटेन खाने की वजह से होती है, जिसमें कि शरीर की रोग प्रतिरोधक्षमता अपने ही शरीर के खिलाफ लड़ने लगती है और यह पाचन तंत्र को प्रभावित करती है। यह बीमारी गेहूं, जौ, ओट्स और अन्य साबुत अनाजों से होने वाली बीमारी है, क्योंकि गेहूं, जौ एवं ओट्स में ग्लूटेन नामक प्रोटीन पाया जाता है। सिलिएक रोग व्यक्ति की छोटी आंत को ही नुकसान नहीं पहुंचाता, बल्कि कई शारीरिक विकार भी पैदा करता है।

गर्भवती महिलाएं बरतें सावधानियां

सिलिएक रोग के लक्षण

सिलिएक रोग मुख्यत: पेट की समस्याओं से जुड़ा है, लेकिन बच्चों में यह रोग उनके शारीरिक विकास पर भी बाधा डालता है। इस रोग के कुछ मुख्य लक्षण हैं जैसे- कब्ज, दस्त, पेट में दर्द या पेट का फूलना, थकान, सिर दर्द, उल्टी आना, बाल झड़ना या शरीर में निशान व दानें आना। इसके अलावा शरीर का वजन कम होना, हड्डियों की बीमारी, खून की कमी और बार-बार गर्भपात भी हो सकता है।

अपने आहार में अनाज के साथ ही फल और सब्जियों को करें शामिल

- गर्भावस्था के दौरान यदि महिलाएं यह सावधानी बरतें, तो वह अपने होने वाले बच्चे को सीलिएक रोग से दूर रख, इसके खतरे को कम कर सकती हैं। अध्ययन बताते हैं कि गर्भावस्था के दौरान यदि महिला फाइबर युक्त आहार का सेवन करती है तो वह उसके एवं आने वाले बच्चे के लिए फायदेमंद होता है।
- गभर्वती महिलाओं को गेहूं के आटे के बजाय बेसन का इस्तेमाल करना चाहिए।
- ऐसे में आपको अपने आहार में चावल, मक्का, ज्वार, बाजरा, दूध व दूध से बने उत्पाद और फल-सब्जियों को शामिल करना चाहिए। इससे आप स्वयं व अपने आने वाले बच्चे को सीलिएक रोग से बचाव कर सकते हैं।
- इसके अलावा साबुदाना की खिचड़ी, सिंगाड़े के आटे से बनने वाली रोटी, चिड़वा, मूंग दाल का हलवा और चीला खा सकते हैं, क्योंकि कई बार गर्भावस्था के दौरान कई कुछ खाने का मन होता है, तो आप चटपटी आलू की टिक्की या घर में बनी मावे की मिठाई व हलवा ले सकते हैं।
- अधिकतर प्रोस्टेट फूड्स में गेहूं, जौ या राई शामिल होता है। इसलिए इस पर लगे लेबल को जरूर देखें कि इसमें ग्लूटेन मात्रा शामिल है या नहीं।

इसके अलावा बियर से भी परहेज बरतें, क्योंकि इसमें भी गेहूं, जौ एवं राई शामिल होता है।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	50%	Island Position	50%	Strip Advt.	15%
Front Page (Solus)	75%	Right Hand Page	10%	Political Advt.	50%
Back Page	25%	Top of AD Column	15%	Pull Outs	50%
Page Three	20%	Any Other Spl. Position	10%	Discount as per deal	

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com
Follow us : @ RashtriyaShikhar/

मुपापा का हिस्सा बने आयुष्मान

यशराज-पोशम पा पिक्चर्स मिलकर बनाएंगे

आयुष्मान खुराना ने अपने करियर में कई लीक से हटकर फिल्में की हैं। वह ऐसी ही एक फिल्म 'मोपापा' का हिस्सा बनने वाले हैं, इससे बॉलीवुड के दो बडे प्रोडक्शन हाउस मिलकर बनाएंगे। जानिए, कब रिलीज होगी आयुष्मान खुराना की यह फिल्म? फिल्म 'मुपापा' को यश राज फिल्म्स और पोशम पा पिक्चर्स मिलकर बना रहे हैं, यह इन दोनों प्रोडक्शन हाउस का पहला कोलेबोरेशन है। यह मिलकर 'मोपापा' नाम की फिल्म बना रहे हैं। इसमें आयुष्मान खुराना लीड रोल में है।

बिल्कुल अलग जॉनर की होगी फिल्म

मेकर्स के मुताबिक 'मोपापा' काफी अलग जॉनर की फिल्म है। इसे समीर सक्सेना निर्देशित करेंगे। वह अब तक 'ट्रिपलिंग', 'ये मेरी फैमिली' और 'परमानेंट रूममेट्स' जैसी सीरीज बना चुके हैं। साथ ही जितेंद्र कुमार स्टारर फिल्म 'जादूगर' का निर्देशन भी वह कर चुके हैं।

कब दस्तक देगी फिल्म?

फिल्म 'मोपापा' की रिलीज डेट भी मेकर्स ने शेयर की है। यह अगले साल वैलेंटाइल वीक के बाद रिलीज होगी। इसकी रिलीज डेट 19 फरवरी, 2027 है। फिल्म में आयुष्मान खुराना के अलावा बाकी कास्ट में कौन-कौन शामिल है, अभी इसका खुलासा नहीं हुआ।

आयुष्मान खुराना करियर फ्रंट पर क्या कर रहे हैं?

बीते दिनों आयुष्मान खुराना फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' नजर आए थे। इस साल वह दो फिल्मों में नजर आएंगे। इसमें 'उड़ता तीर' और 'ये प्रेम मोल लिया' शामिल है। इसके अलावा 'मोपापा' को लेकर उनका नाम अभी-अभी सामने आया है। सभी फिल्म अलग जॉनर की हैं।

क्या '12वीं फेल' की मेधा शंकर को डेट कर रहे हैं समय रैना?

समय रैना और 12वीं फेल' की एक्ट्रेस मेधा शंकर के डेट करने की खबरें जोरों पर हैं। दोनों को एक बार फिर साथ में देखा गया है और उन्होंने कैमरा देखते ही अपना रास्ता बदल लिया। लेकिन फैंस दावा कर रहे हैं कि वे साथ हैं।

समय रैना और ' 12वीफेल' की एक्ट्रेस मेधा शंकर के डेटिंग की अफवाहें फिर से शुरू हो गई हैं, क्योंकि दोनों को एक बार फिर साथ देखा गया है। सोशल मीडिया पर दोनों का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिससे फैन्स सोच रहे हैं कि क्या उनकी दोस्ती कुछ और है और वो जान-बूझकर छिपने की कोशिश कर रहे हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया गया जिसमें दावा किया गया कि समय रैना और मेधा शंकर एक ही जगह पर साथ देखे गए। पोस्ट के मुताबिक, पैपराजी को देखते ही दोनों अलग-अलग रास्ते पर चले गए, जिससे फैंस को लगा कि वे मीडिया की नजर से बचना चाह रहे थे। वायरल पोस्ट में लिखा था, 'दोस्तों, समय रैना और मेधा शंकर डेटिंग कर रहे हैं।' इसमें आगे लिखा है, 'वे साथ देखे गए थे, और जैसे ही उन्होंने पैपराजी को देखा, वे अलग हो गए। वे अब कई बार साथ देखे जा चुके हैं। आप लोगों का क्या सोचना है?' यह पहली बार नहीं है जब समय और मेधा के डेटिंग की अफवाहें उड़ी हैं। फैंस ने पहले भी बताया है कि दोनों एक ही तरह के इवेंट्स में साथ शामिल हुए हैं, जिससे उनके रिश्ते को लेकर चल रही अटकलों को और हवा मिली है।

मेधा शंकर की आखिरी रिलीज फिल्म

वहीं, मेधा शंकर आखिरी बार प्रशांत झा के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी 2' में नजर आई थीं। इस फिल्म में अविनाश तिवारी और मेधा शंकर लीड रोल में थे। यह 'गिन्नी वेड्स सनी' (2020) का स्पिरिचुअल सीक्वल है।

समय रैना का 'इंडियाज गॉट लेटेंट'

इस बीच, समय रैना ने हाल ही में अपने विवादित शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के दूसरे सीजन के साथ वापसी की है। इसके पहले एपिसोड में, जो नेटफ्लिक्स और यूट्यूब पर एक साथ रिलीज हुआ था, 'अल्फा' की स्टार्स आलिया भट्ट और शर्वरी गेस्ट के तौर पर शामिल हुईं।

मेधा या समय ने नहीं दिया है जवाब

काफी चर्चा होने के बावजूद, समय रैना और मेधा शंकर, दोनों में से किसी ने भी डेटिंग की अफवाहों पर सीधे तौर पर कुछ नहीं कहा है। अभी तक कॉमेडियन और एक्ट्रेस के बीच रिश्ते की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और ये अटकलें पूरी तरह से फैन्स के ऑब्जर्वेशन और ऑनलाइन वायरल हो रहे क्लिप्स पर आधारित हैं।

अली गोनी ने जैस्मिन भसीन संग शादी को लेकर तोड़ी चुप्पी

टीवी इंडस्ट्री के मशहूर कपल अली गोनी और जैस्मिन भसीन की जोड़ी को दर्शक काफी समय से बेहद पसंद करते आए हैं और अक्सर सोशल मीडिया पर उनकी शादी को लेकर सवाल पूछते रहते हैं। इसी बीच अब अली गोनी ने अपने एक पोस्ट के जरिए पहली बार इस सवाल पर चुप्पी तोड़ी है। दरअसल, अली गोनी ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट साझा किया, जिसमें उन्होंने लिखा, ''जब शादी करनी होगी खुद बता दूंगा सबको। मेरे रिश्तेदार मेरे इतने पीछे नहीं पड़े जितना यहां इंस्टा पर लोग पड़े हैं। अपना अपना काम करो और खुश रहो और रहने दो।''

गौरतलब है कि अली से लोग सोशल मीडिया पर अक्सर उनकी शादी को लेकर सवाल पूछते रहते हैं और लगातार उनकी शादी को लेकर दबाव बनाते रहते हैं। ऐसे में अली की लोगों से ये अपील काफी चर्चा में है। बता दें कि जैस्मिन भसीन और अली गोनी की पहली मुलाकात 'खतरों के खिलाड़ी 9' के दौरान एयरपोर्ट पर हुई थी। इस शो के बाद दोनों के बीच दोस्ती की शुरुआत हुई, जो समय के साथ गहरी होती चली गई। लोगों के इस रिश्ते के बारे में पता तब चला, जब 'बिग बॉस 14' के दौरान अली गोनी ने जैस्मिन के लिए घर में वाइल्ड कार्ड एंट्री ली। इस शो में दोनों ने खुले तौर पर अपने प्यार का इजहार किया। 'बिग बॉस 14' के बाद से अली और जैस्मिन को कई बार एक साथ देखा गया। दोनों अक्सर एक-दूसरे के साथ समय बिताते हैं और सोशल मीडिया पर भी अपनी तस्वीरें और वीडियो साझा करते रहते हैं।

'मिर्जापुरः द मूवी' का हिस्सा नहीं हैं विक्रांत मैसी, बबलू पंडित के किरदार में नजर आएंगे जितेंद्र कुमार

विक्रांत मैसी जल्द ही आगामी वेब सीरीज 'प्रीतम एंड पेड्रो' में नजर आएंगे। इस बीच विक्रांत मैसी ने हिट वेब सीरीज 'मिर्जापुर' को लेकर बात की, जो अब 'मिर्जापुरः द मूवी' के नाम से फिल्म के रूप में बड़े पर्दे पर लौट रही है। लेकिन वेब सीरीज के पहले सीजन का हिस्सा रहे विक्रांत मैसी इस फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। इस बीच विक्रांत ने 'मिर्जापुर' के पहले सीजन में ही अपने किरदार बबलू पंडित के मर जाने पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि काश मेकर्स उन्होंने मुझे मारा न होता। जब 'मिर्जापुरः द मूवी' की घोषणा हुई थी तो फैंस को उम्मीद थी कि बबलू पंडित के किरदार में विक्रांत मैसी की फिल्म में वापसी होगी। लेकिन जब फिल्म का टीजर जारी हुआ तो ये साफ हो गया कि विक्रांत फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। उनकी जगह 'पंचायत' फेम जितेंद्र कुमार फिल्म में बबलू पंडित के किरदार में नजर आएंगे। अब हाल ही में एफएलओ बैंगलोर ऑफिशियल के साथ बातचीत में विक्रांत ने मिर्जापुर शो के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि कैसे इसमें ज्यादातर पुरुष कास्ट और क्रू थे, जो उनके अनुसार पितृसत्ता और मेल ईगो में डूबे हुए थे। उन्होंने कहा कि जब 'मिर्जापुर' मेरे पास आया, तो असल में यह बस कुछ उत्साही लोगों का एक साथ आना था। इसमें कई शानदार महिलाएं भी शामिल थीं, लेकिन मुख्य रूप से शो में मान लीजिए लगभग 85% पुरुष शामिल थे। कैमरे के आगे और पीछे दोनों जगह। यह बस लोगों का एक समूह था जो एक साथ आए और कहा, 'चलो यह शो बनाते हैं।' इस सीरीज में विक्रांत मैसी ने अली फजल के किरदार गुड्डू पंडित के भाई बबलू पंडित का किरदार निभाया था। उनके किरदार ने कहानी में गंभीरता और समझदारी भरी सोच जोड़ी। वह गुड्डू पंडित के लिए रणनीतिक दिमाग का काम करते थे। पहले सीजन में बबलू पंडित की मौत ही वह घटना थी, जिसने कॉलेज जाने वाले गुड्डू पंडित और कालीन भैया (पंकज त्रिपाठी) के बेटे मुन्ना भैया (दिव्येंदु) के बीच जबरदस्त दुश्मनी को जन्म दिया। 2018 में रिलीज होने के बाद इस शो को बहुत ज्यादा लोकप्रियता मिली और तब से इसके तीन सफल सीजन आ चुके हैं।

ऑटिज्म को लेकर फैली गलतफहमियों पर ईशा सिंह ने खुलकर की बात

टीवी अभिनेत्री ईशा सिंह इन दिनों अपने आने वाले शो 'जूही मुई' को लेकर चर्चा में हैं। इस शो में वह अपने करियर का अब तक का सबसे चुनौतीपूर्ण किरदार निभाने जा रही हैं। ईशा इसमें ऑटिज्म स्पेक्ट्रम पर रहने वाली लड़की 'जूही' की भूमिका में नजर आएंगी। अपने इस किरदार की तैयारी और ऑटिज्म को लेकर समाज में फैली गलतफहमियों पर अभिनेत्री ने खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि आज भी बड़ी संख्या में लोग ऑटिज्म को बीमारी समझते हैं, जबकि यह एक न्यूरोलॉजिकल स्थिति है। एक इंटरव्यू में ईशा सिंह ने कहा, ''आज भी बहुत से लोग ऑटिज्म को सही तरीके से नहीं समझते। जागरूकता की कमी पढ़े-लिखे लोगों के बीच भी देखने को मिलती है। मेरे अपने दोस्तों में भी ऐसे लोग हैं जिन्हें ऑटिज्म के बारे में सही जानकारी नहीं है। ऐसे में सबसे जरूरी बात यह है कि लोग इस विषय को समझें और इसके बारे में सही जानकारी हासिल करें।''

ईशा सिंह ने कहा, ''ऑटिज्म को लेकर सबसे बड़ी गलतफहमी यह है कि लोग इसे बीमारी मान लेते हैं। जबकि सच यह है कि ऑटिज्म कोई बीमारी नहीं, बल्कि मस्तिष्क के विकास से जुड़ी एक न्यूरोलॉजिकल स्थिति है। कुछ माता-पिता यह सोचते हैं कि ऑटिज्म एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैल सकता है, जबकि यह पूरी तरह गलत धारणा है। ऑटिज्म न तो संक्रामक है और न ही यह किसी तरह की बीमारी है।''

अभिनेत्री का कहना है कि ऑटिज्म स्पेक्ट्रम पर रहने वाले बच्चे अक्सर बेहद बुद्धिमान, संवेदनशील और प्यार करने वाले होते हैं। उन्हें समाज से सहानुभूति नहीं बल्कि समझ और स्वीकार्यता की जरूरत होती है। ऐसे बच्चों को बदलने की कोशिश करने के बजाय उन्हें उसी रूप में स्वीकार करना चाहिए, क्योंकि हर व्यक्ति अपनी अलग पहचान और विशेषताओं के साथ दुनिया में आता है। अपने नए शो में निभाए जा रहे किरदार को लेकर ईशा सिंह ने कहा, ''यह मेरे करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण और जिम्मेदारी भरा रोल है। चूंकि यह एक बेहद संवेदनशील विषय है, इसलिए मैंने इसकी तैयारी में कोई कमी नहीं छोड़ी। मेरा उद्देश्य ऑटिज्म से जुड़े लोगों की भावनाओं और व्यवहार को पूरी ईमानदारी के साथ दर्शकों तक पहुंचाना था।''

ईशा ने कहा, ''इस किरदार की तैयारी के दौरान मैंने ऑटिज्म पर आधारित कई इंटरव्यू देखे, विशेषज्ञों और लोगों से बातचीत की, इस विषय पर काफी रिसर्च की और कई किताबें भी पढ़ीं। यह सीखने की प्रक्रिया अभी भी जारी है। जूही का किरदार निभाते हुए मुझे हर दिन कुछ नया सीखने को मिल रहा है। मैंने अपने स्टडी, लोगों के अनुभव और अपनी व्यक्तिगत समझ को मिलाकर इस किरदार को तैयार किया है।''

अभिनेत्री ने बताया, ''जूही के किरदार के लिए मुझे अपने चलने, बोलने, बैठने, प्रतिक्रिया देने और भावनाओं को व्यक्त करने के तरीके पर भी बारीकी से काम करना पड़ा। ऑटिज्म स्पेक्ट्रम पर रहने वाले लोग हर भावना को गहराई से महसूस करते हैं, लेकिन जरूरी नहीं कि वे उसे सामान्य तरीके से व्यक्त कर पाएं। इसी बात को ध्यान में रखते हुए मैंने अपने अभिनय में किसी तरह का दिखावा नहीं रखा, बल्कि छोटे-छोटे हाव-भाव और स्वाभाविक अभिव्यक्ति पर विशेष ध्यान दिया।''

ईशा सिंह ने कहा, ''मुझे विश्वास है कि जब दर्शक 'जूही मुई' देखेंगे तो उन्हें मेरे किरदार की कई ऐसी बारीकियां नजर आएंगी, जिन पर पूरी टीम ने काफी मेहनत की है। अगर इस शो के जरिए कुछ लोग भी ऑटिज्म को लेकर अपनी सोच बदलते हैं और इसे सही तरीके से समझ पाते हैं, तो मेरी मेहनत सफल मानी जाएगी।''

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी न्याय विभाग ने अदाणी मामले को 'दोषपूर्ण' बताया, स्थायी रूप से आरोप हटाने का आग्रह

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) ने भारतीय उद्योगपति गौतम अदाणी और अन्य सात आरोपियों के विरुद्ध दर्ज आपराधिक मामले को स्थायी रूप से समाप्त करने का अनुरोध किया है। विभाग ने अपने विस्तृत हलफनामे में कहा है कि यह मामला 'एक वर्ष पहले ही समाप्त कर दिया जाना चाहिए था या फिर इसे कभी दर्ज ही नहीं किया जाना चाहिए था।' न्याय विभाग के अनुसार इस मामले के अधिकांश कथित घटनाक्रम भारत में हुए, भारतीय कंपनियों और भारतीय अधिकारियों से जुड़े थे तथा इसकी जांच भारतीय एजेंसियों ने भी की थी। विभाग का कहना है कि ऐसे मामलों में भारत की न्याय व्यवस्था अधिक उपयुक्त है और अमेरिका को 'दुनिया का पुलिसकर्मी' बनने की आवश्यकता नहीं है। विभाग ने 2024 में जो बाइडन प्रशासन के तहत अदाणी और अन्य पर आरोप लगाए थे। उन पर भारतीय सरकारी अधिकारियों को 250 मिलियन अमेरिकी डॉलर की रिश्वत देने की योजना में शामिल होने का आरोप था। अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने अमेरिकी निवेशकों से कम से कम 175 मिलियन अमेरिकी डॉलर जुटाए थे। न्याय विभाग ने कहा कि अभियोजकों को मामले छोड़ने के निर्णयों को सार्वजनिक रूप से उचित ठहराने की आवश्यकता भविष्य में ऐसी बर्खास्तगियों को हतोत्साहित करेगी। यह आंतरिक विचार-विमर्श को उजागर करेगा और कार्यकारी शाखा के सांविधानिक अधिकार का उल्लंघन करेगा।

ईरान : गाजा-लेबनान में इस्राइल की कार्रवाई पर भड़के पेजेशकियन, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को घेरा

तेहरान, एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने शनिवार (स्थानीय समय) को पश्चिम एशिया में इस्राइल की कार्रवाइयों की निंदा की। उन्होंने अमेरिका पर इस्राइल को समर्थन देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में बुद्धिजीवियों, वैज्ञानिकों और प्रभावशाली लोगों की निशाना बनाकर हत्याएं की गई हैं। समाचार एजेंसी आईआरएनए ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति पेजेशकियन तेहरान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'इमाम खामेनेई; द इटरनल लीडर ऑफ रेजिस्टेंस' में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के प्रभाव पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि ये संस्थाएं मानवाधिकारों की रक्षा का दावा करती हैं। लेकिन ऐसी घटनाओं को रोकने में विफल रही हैं। पेजेशकियन ने कहा, अगर इस्लामी देश मिलकर काम करें तो गाजा, लेबनान और फलस्तीन में संघर्ष और मानवीय संकट को रोका जा सकता है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि इस्लामी संप्रदायों और जातीय समूहों में विभाजन बाहरी ताकतों को क्षेत्र में तनाव बढ़ाने का मौका देता है। उन्होंने कहा, दिवंगत अयातुल्ला अली खामेनेई का मार्गदर्शन दुनियाभर में आज भी प्रेरणा देता है। उनका संदेश एकता, गरिमा, स्वतंत्रता और प्रतिरोध के रूप में पहले से ज्यादा मजबूत हो गया है। राष्ट्रपति ने घरेलू और विदेशी प्रतिभागियों का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि यह सम्मेलन इस्लामी दुनिया में एकता और सहयोग को मजबूत करेगा तथा हिंसा, आतंकवाद और प्रभुत्व (दबदबे) की नीतियों के खिलाफ मिलकर काम करने की प्रेरणा देगा। उन्होंने अली खामेनेई की मौत का जिक्र किया और इसे दुखद लेकिन प्रेरणादायक बताया। पेजेशकियन ने कहा कि ऐसे दिव्य नेताओं के विचार उनकी मृत्यु के बाद भी जीवित रहते हैं और आने वाली पीढ़ियों को न्याय और प्रतिरोध की राह पर प्रेरित करते रहते हैं।

कांगो में छात्रों को ले जा रही नाव नदी में डूबी, कम से कम 20 लोगों की मौत

किंशासा, एजेंसी। मध्य अफ्रीकी देश कांगो में राज्य स्तरीय परीक्षा देकर लौट रहे छात्रों को ले जा रही एक नाव शुक्रवार को नदी में डूब गई। अधिकारियों के अनुसार, इस हादसे में कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, यह नाव कसाई प्रांत में संकुरू और कसाई नदियों के संगम क्षेत्र में प्रवेश करते समय डूब गई। कांगो में नाव हादसे आम हैं। देर रात यात्रा, क्षमता से अधिक यात्रियों को बैठाना, कमजोर सुरक्षा व्यवस्था और दूरदराज के इलाकों में बुनियादी ढांचे की कमी के कारण पिछले कुछ वर्षों में ऐसे हादसों में सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है। कसाई प्रांत के इलेबो क्षेत्र के प्रशासक फ्रांस्वा कबुला ने कहा, '80 लोगों को बचा लिया गया है और 20 शव बरामद किए गए हैं।' हालांकि, हादसे के प्रत्यक्षदर्शी त्शिकुडी जीन ने एसोसिएटेड प्रेस (एपी) को बताया कि नाव में 200 से अधिक लोग सवार थे।

अमेरिकी कांग्रेस की सुनवाई में सीआईए ने विश्वविद्यालयों, अस्पतालों और जेलों के इस्तेमाल की जांच की

वाशिंगटन, एजेंसी। इस हफ्ते हुई कांग्रेस की एक सुनवाई में अमेरिकी खुफिया एजेंसी (सीआईए) के कोल्ड वॉर के दौर के एमके-अल्ट्रा प्रोग्राम की फिर से जांच शुरू हुई। इसमें सांसदों और एक्सपर्ट गवाहों ने आरोप लगाया कि एजेंसी ने दशकों तक इस प्रोग्राम के दायरे को छिपाए रखा और अमेरिका में यूनिवर्सिटी, हॉस्पिटल, जेल और दूसरी जगहों का इस्तेमाल करके बिना जानकारी वाले लोगों पर 'माइंड-कंट्रोल' (दिमाग पर काबू पाने) के एक्सपेरिमेंट किए। फेडरल सीक्रेट्स को सार्वजनिक करने के मामले में 'हाउस ओवरसाइट एंड अकाउंटेबिलिटी कमेटी' की टास्क फोर्स ने इतिहासकार स्टीफन किन्जर और पत्रकार टॉम ओ'नील के बयान सुने। उन्होंने तर्क दिया कि सीआईए प्रोग्राम के अहम पहलू अभी भी छिपे हुए हैं, क्योंकि कई रिकॉर्ड जान-बूझकर नष्ट कर दिए गए थे या उनमें से कई जानकारियां हटा दी गई थीं। सुनवाई की शुरुआत करते हुए टास्क फोर्स की अध्यक्ष अन्ना पॉलिना लुना ने कहा कि एमके-अल्ट्रा प्रोग्राम न तो कोई पॉलिसी की विफलता थी और न ही कोई ऐसा अति-उत्साही कार्यक्रम, जो नियंत्रण से बाहर हो गया हो।

उन्होंने कहा, 'यह सरकार का एक सोच-समझकर और व्यवस्थित तरीके से चलाया गया ऑपरेशन था, जिसमें अमेरिकी नागरिकों, कैदियों, अस्पताल के मरीजों, पूर्व सैनिकों और आम लोगों को उनकी जानकारी या सहमति के बिना एलएसडी,

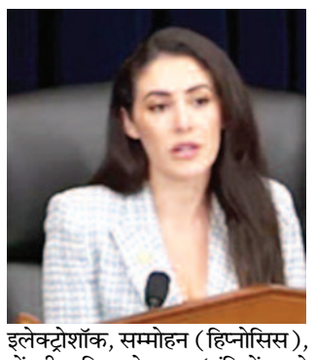

इलेक्ट्रोशॉक, सम्मोहन (हिप्नोसिस), सेंसरी डिप्राइवेशन (इंद्रियों को संवेदना से वंचित रखना) और मानसिक प्रताड़ना का शिकार बनाया गया। लुना ने आरोप लगाया कि तत्कालीन सीआईए निदेशक रिचर्ड हेल्स ने 1973 में पद छोड़ने से पहले एमके-अल्ट्रा फाइलकों को नष्ट करने का आदेश दिया था, जिसे उन्होंने 'न्याय में बाधा' और 'संघीय अभिलेखों का आपराधिक विनाश' बताया। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि एमके-अल्ट्रा के अतिरिक्त अभिलेखों की खोज की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने और प्रतिनिधि एरिक बर्लिसन ने हाल ही में सीआईए मुख्यालय का दौरा किया था। लुना ने कहा, 'सीआईए वर्तमान में हाल ही में मिले दस्तावेजों को सार्वजनिक करने की प्रक्रिया में है। उन्होंने आगे कहा कि ये रिकॉर्ड एमके-अल्ट्रा के तहत चलाए जा रहे एक जालसाजी कार्यक्रम से संबंधित हैं। पॉइजनर इन चीफ के लेखक किंजर ने गवाही दी कि यह प्रोग्राम अमेरिका और विदेशों में जेलों, क्लीनिकों और सेफ हाउस तक फैला हुआ था। उन्होंने कहा, 'इंसान के दिमाग और शरीर को खत्म करने के तरीकों की तलाश में एमके-अल्ट्रा ने मानव पर अब तक के सबसे खतरनाक एक्सपेरिमेंट किए, जो किसी अमेरिकी सरकारी एजेंसी ने कभी नहीं किए।' उन्होंने कहा कि किसी भी स्टैंडर्ड से वे मेडिकल टॉर्चर के तौर पर सही हैं। उन्होंने कहा कि बचे हुए रिकॉर्ड दिखाते हैं कि एमके-अल्ट्रा में कम से कम 149 सबप्रोजेक्ट्स थे, जिनमें 80 से ज्यादा इंस्टीट्यूशन और 185 नॉन-गवर्नमेंट रिसर्चर शामिल थे। किंजर ने कांग्रेस से डीक्लासिफाइड फाइलों से बाकी बचे हुए बदलावों को हटाने की मांग की। उन्होंने कहा, 'अब 70 साल बीत चुके हैं। यह बात अब वैलिड नहीं रह सकती।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं इस कमेटी से आग्रह करूंगा कि हमारे पास जो डॉक्यूमेंट्स हैं, उनमें सभी खाली जगहों को भरने की कोशिश करे। ओ'नील, जो 'कैओस' के लेखक हैं, ने सांसदों से कहा कि उनका मानना ??है कि पिछली कांग्रेस की जांच में प्रोग्राम का पूरा ब्योरा नहीं दिया गया था। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि कांग्रेस को इस कार्यक्रम की वास्तविक उपलब्धियों के बारे में कभी सच नहीं बताया गया। एजेंसी ने 1977 में कांग्रेस को गुमराह किया था जब उसने एमके-अल्ट्रा को एक असफल कार्यक्रम बताया था। उन्होंने गवाही दी कि उनके शोध में मनोचिकित्सक लुई जोल्योन वेस्ट और सिडनी गॉटलिब, जो एमके-अल्ट्रा का नेतृत्व करने वाले सीआईए वैज्ञानिक थे, के बीच पत्राचार का पता चला, जिसमें एलएसडी, सम्मोहन और अनजाने मानव विषयों से जुड़े प्रयोगों पर चर्चा की गई थी। ओ'नील के अनुसार, उन्हें मिले दस्तावेजों में अनिच्छुक व्यक्तियों से सच्ची जानकारी निकालने और उनमें झूठी जानकारी डालने तथा पहले से वफादार व्यक्तियों के दृष्टिकोण और विश्वासों को बदलने के प्रयासों का वर्णन किया गया है। सांसदों ने गवाहों से बार-बार उन आरोपों के बारे में सवाल किए कि विश्वविद्यालयों, अस्पतालों, जेलों और सैन्य सुविधाओं का इस्तेमाल सीआईए द्वारा वित्त पोषित संगठनों के माध्यम से गुप्त प्रयोग करने के लिए किया गया था। ओ'नील ने लेक्सिंगटन एडिक्शन सेंटर, लैकलैंड एयर फोर्स बेस हॉस्पिटल, होम्सबर्ग जेल, वैकाविल जेल और कई विश्वविद्यालयों सहित उन संस्थानों की पहचान की, जो सुनवाई के दौरान चर्चा किए गए शोध से जुड़े थे। दोनों गवाहों ने पीड़ितों की पहचान करने और अतिरिक्त रिकॉर्ड जारी करने के लिए नए सिरे से प्रयास करने का आह्वान किया। ओ'नील ने बताया कि 1977 की सुनवाई के बाद वादा की गई संघीय जांच कभी पूरी तरह से साकार नहीं हुई, जबकि किंजर ने कांग्रेस से शेष गोपनीय फाइलों की जांच करने और पहले से जारी की गई फाइलों से संपादन हटाने का आग्रह किया।

अमेरिका का 250वां स्वतंत्रता दिवस : पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपतियों ने नागरिकों से लोकतंत्र की रक्षा करने का किया आग्रह

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के 250वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक प्रशासन से जुड़े चार पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपतियों ने साझा संदेश देते हुए कहा कि अमेरिकी लोकतंत्र अभी भी निरंतर विकसित होने वाली व्यवस्था है और इसकी मजबूती नागरिकों की सक्रिय भागीदारी पर निर्भर करती है। हालांकि, देश के मौजूदा राजनीतिक माहौल को लेकर चारों नेताओं ने अलग-अलग आकलन पेश किए। पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश, बराक ओबामा, बिल क्लिंटन और जो बाइडेन, सभी ने इस मौके पर अमेरिकियों से डेमोक्रेटिक मूल्यों की रक्षा करने, नागरिक जीवन में हिस्सा लेने और देश के संस्थापकों द्वारा बताए गए एक ज्यादा व्यवस्थित संघ की दिशा में कोशिश करते रहने की अपील की। पूर्व राष्ट्रपति ओबामा ने कहा, 'अमेरिका लगातार आगे बढ़ रहा है। हर पीढ़ी को पिछली पीढ़ी के अधूरे काम को आगे बढ़ाना चाहिए, जो सही है उसकी रक्षा करनी चाहिए, जो गलत है उसे ठीक करना चाहिए और हमारे यूनियन को थोड़ा और बेहतर बनाना चाहिए। 250 साल बाद, यह पहले से कहीं ज्यादा जरूरी है।'

पूर्व राष्ट्रपति बाइडेन ने भी यही बात कही। उन्होंने कहा, 'हमारे डेमोक्रेसी के बारे में कुछ भी सुनिश्चित नहीं है। हमें इसके लिए लड़ना होगा, इसे बचाना होगा और इसे कमाना होगा। बार-बार, साल दर साल। यह कोई बोझ नहीं है। एक अमेरिकी होने का यही मतलब है।'

उन्होंने आगे कहा कि हालांकि अमेरिका अभी तक स्वतंत्रता की घोषणा (डिक्लेरेशन ऑफ इंडिपेंडेंस) में निहित आदर्शों को पूरी तरह हासिल नहीं कर पाया है, लेकिन हमने कभी उन आदर्शों का साथ नहीं छोड़ा है। उन्होंने अमेरिकी नागरिकों से अपील की कि वे यह सुनिश्चित करें कि हम भविष्य में भी कभी उन आदर्शों से पीछे न हटें। वहीं, पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश ने नागरिक जिम्मेदारी और उन स्वतंत्रताओं पर जोर दिया, जिनके बारे में उनका कहना था कि उन्होंने पीढ़ियों से अमेरिका की पहचान और मूल्यों को आकार दिया है। बुश ने एक वीडियो मैसेज में कहा, 'अगले 250 सालों में अमेरिकियों को दर्शक नहीं, बल्कि नागरिक बनना होगा। अमेरिकियों को अपने देश और जिन समुदायों में वे रहते हैं, उनके स्वास्थ्य और भलाई में सक्रिय रुचि लेने की जरूरत है।' उन्होंने वोटिंग को एक शक्तिशाली आजादी करारा दिया और कहा कि इसका हमें सम्मान करना चाहिए। उन्होंने प्रर्थना की आजादी, प्रेस की आजादी और सामुदायिक सेवा की आजादी को ऐसे स्थायी मूल्य बताया जो अमेरिकियों को एकजुट करते रहते हैं। क्लिंटन ने चारों पूर्व राष्ट्रपतियों में से सबसे बड़ा राजनीतिक संदेश दिया, जिसमें उन्होंने आगाह किया कि गहरे विभाजन के एक और दौर के बीच अमेरिका अपनी 250वीं सालगिरह मना रहा है।

हाफिज सईद का बेटा तल्हा संभालेगा लश्कर-ए-तैयबा की कमान

इस्लामाबाद, एजेंसी। पिछले साल भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा को तहस-नहस कर दिया था। अब खबर आ रही है कि इस आतंकी गुट ने खुद को दोबारा खड़ा करने की कोशिशें तेज कर दी हैं। खुफिया सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, हफ्तों तक चले आंतरिक विवाद और विचार-विमर्श के बाद संगठन ने अपने संस्थापक हाफिज सईद के बेटे तल्हा सईद को नया ऑपरेशनल कमांडर नियुक्त करने का फैसला किया है। लश्कर के पुराने धड़े के दबाव के कारण उम्रदराज हाफिज सईद को पूरी तरह दरकिनार नहीं किया गया है। वह संगठन के मार्गदर्शक और वैचारिक प्रमुख के रूप में अपनी भूमिका निभाता रहेगा। जमीनी अभियानों की पूरी कमान अब तल्हा सईद के हाथों में होगी।

तीन क्षेत्रों के लिए तीन कमांड : भारतीय खुफिया एजेंसियों के हाथ लगी रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई की देखरेख में लश्कर ने अपने नेटवर्क का पूरी तरह से ढांचा बदल दिया है। नए प्लान के तहत, लश्कर अब पाकिस्तान के भीतर तीन अलग-अलग क्षेत्रीय ऑपरेशनल कमांड के माध्यम से काम करेगा। बलूचिस्तान विंग, खैबर पख्तूनख्वा विंग और पाक अधिकृत कश्मीर विंग। सुरक्षा विश्लेषकों का कहना है कि पाकिस्तान की सेना और सुरक्षा बल इस समय बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के हमलों से बुरी तरह बेहाल हैं। कई पाकिस्तानी सैनिकों ने अपनी चौकियां छोड़ दी हैं। इस गंभीर स्थिति से निपटने के लिए पाकिस्तानी तंत्र ने अब लश्कर के आतंकियों को अपनी सेना के साथ मिलकर टीटीपी और बीएलए के खिलाफ जंग में झोंक दिया है। क्षेत्रीय कमांड बनाने का मुख्य उद्देश्य स्थानीय आतंकियों को भर्ती करना है। लश्कर का मानना है कि स्थानीय लोग वहां के भूगोल और रसद से बेहतर वाकिफ होते हैं, जिससे हालिया महीनों में खुफिया विफलता के कारण जो नुकसान झेलना पड़ा है उसकी भरपाई की जा सके।

अमेरिका में आजादी के 250 साल का जश्न: ट्रम्प बोले- अमेरिका को कम्युनिज्म नहीं चाहिए

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका ने शनिवार को आजादी के 250 साल पूरे होने का जश्न मनाया। इस मौके पर देशभर में भव्य समारोह आयोजित किए। मुख्य कार्यक्रम वॉशिंगटन डीसी के नेशनल मॉल में हुआ, जहां राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने राष्ट्र को संबोधित किया। बारिश और आंधी-तूफान के कारण कार्यक्रम में देरी हुई, लेकिन मौसम साफ होने के बाद समारोह शुरू हुआ। अपने संबोधन में ट्रम्प ने कम्युनिज्म पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, 'हम अपने देश में कम्युनिस्टों को नहीं चाहते। कम्युनिज्म हमेशा हारता आया है और आगे भी हारेगा। यह अमेरिकी व्यवस्था के बिल्कुल विपरीत है।' ट्रम्प ने कहा कि अमेरिकी सैनिकों ने दुनिया भर में कम्युनिज्म के खिलाफ लड़ाई लड़ी, ताकि यह विचारधारा कभी अमेरिका के भीतर जगह न बना सके। भाषण के बाद नेशनल मॉल में करीब 40 मिनट तक रिकॉर्ड

आतिशबाजी हुई। इस दौरान 8.5 लाख से ज्यादा फायरवर्क्स हुए। व्हाइट हाउस ने इसे अमेरिका के इतिहास का सबसे बड़ा स्वतंत्रता दिवस फायरवर्क शो बताया।

ट्रम्प बोले- हम एक देश और एक परिवार : ट्रम्प ने कहा कि 'हम एक देश हैं, एक परिवार हैं और एक ही झंडे के नीचे खड़े हैं।' उन्होंने कहा कि अमेरिका की ताकत उसकी एकता और साझा मूल्यों में है। ट्रम्प ने कहा कि पिछले 250 वर्षों में अमेरिका ने कई चुनौतियों का सामना किया, लेकिन देश हमेशा एकजुट होकर आगे बढ़ा। उन्होंने लोगों से देश की स्वतंत्रता, लोकतंत्र और राष्ट्रीय एकता को मजबूत बनाए रखने के लिए कहा।

कम्युनिज्म हमेशा हारा है और आगे भी हारेगा : अपने भाषण में ट्रम्प ने कहा कि कम्युनिज्म हमेशा हारने वाली विचारधारा रही है और आगे भी हारती रहेगी।' उन्होंने कहा कि कम्युनिस्ट व्यवस्था अमेरिकी व्यवस्था के बिल्कुल विपरीत है। उनके मुताबिक, अमेरिका की पहचान आजादी, लोकतंत्र और व्यक्तिगत अधिकारों से है, जबकि कम्युनिज्म इन मूल्यों के खिलाफ है। ट्रम्प ने कहा, 'हमारे सैनिकों ने दुनिया भर के युद्धक्षेत्रों में कम्युनिज्म के खिलाफ लड़ाई लड़ी। उन्होंने यह लड़ाई इसलिए नहीं लड़ी कि वही खतरा फिर अमेरिका के भीतर लौट आए।' ट्रम्प ने कहा कि पिछले ढाई सौ वर्षों से अमेरिका दुनिया के लिए उम्मीद, विश्वास, रोशनी और गौरव का प्रतीक रहा है। ईश्वर की कृपा से हम आगे भी ऐसे ही रहेंगे, बल्कि इससे भी बेहतर बनेंगे। उन्होंने कहा कि 4 जुलाई 1776 से 4 जुलाई 2026 तक अमेरिका ने आजादी की तानाशाही पर जीत, स्वतंत्रता की दमन पर विजय और अमेरिकी भावना की ताकत को दुनिया के सामने साबित किया है। ट्रम्प ने दावा किया कि 'आज हमारा देश पहले से कहीं ज्यादा मजबूत, ज्यादा स्वतंत्र, ज्यादा समृद्ध, ज्यादा सुरक्षित और ज्यादा गर्व से भरा हुआ है।

खतरे में शहबाज शरीफ की कुर्सी, इस सहयोगी पार्टी ने किया बगावत का ऐलान ! दी सड़कों पर उतरने की खुली धमकी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की कुर्सी खतरे में नजर आ रही है। हाल ही में पाकिस्तान की सरकार में शामिल पार्टी मानी जाने वाली मुत्तहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) शहबाज सरकार को धमकी दी है कि अगर उनसे किए गए वादे पूरे नहीं किए गए, तो उनकी पार्टी पूरे सिंध में सरकार के खिलाफ आंदोलन शुरू करेगी। एमक्यूएम-पी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार में गठबंधन सहयोगी है। पाकिस्तान के प्रसिद्ध अखबार डॉन के मुताबिक एमक्यूएम-पी ने आरोप लगाया है कि 2022 में हुए 18-सूत्रीय समझौते को अब तक लागू नहीं किया गया। पार्टी का कहना है कि यह समझौता सरकार बनाने से पहले राजनीतिक सहमति का हिस्सा था, जिसमें स्थानीय शासन,

नौकरियों में कोटा प्रणाली और संसाधनों के बंटवारे जैसे अहम मुद्दे शामिल थे।

पूरे सिंध में करेंगे आंदोलन: एमक्यूएम-पी : कराची में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए एमक्यूएम-पी के वरिष्ठ नेता फारूक सत्तार ने इसे अंतिम चेतावनी बताया और कहा, अगर मांगें पूरी नहीं हुईं तो पार्टी ऐसा विरोध आंदोलन शुरू करेगी जिसे रोकना मुश्किल होगा। उन्होंने कहा कि पार्टी ने न तो प्रांतीय सरकार में हिस्सेदारी मांगी और न ही अतिरिक्त अधिकार, बल्कि केवल अपने समझौते को लागू करने की मांग कर रही है। सत्तार ने यह भी दावा किया कि समझौते के गारंटर के तौर पर शहबाज शरीफ स्वयं शामिल थे, इसलिए अब केंद्र सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वह इसे लागू कराए। उन्होंने कहा कि 18 में से एक भी बिंदु अब तक लागू नहीं हुआ है, जिससे जनता में असंतोष बढ़ रहा है। बढ़ सकती हैं शहबाज शरीफ की मुश्किलें पार्टी ने संविधान के अनुच्छेद 149 का हवाला देते हुए संघीय हस्तक्षेप या जनमत संग्रह की मांग भी उठाई। साथ ही कराची में स्थानीय सरकार व्यवस्था, फर्जी डोमिसाइल और सरकारी नौकरियों में कोटा प्रणाली खत्म करने की मांग दोहराई गई। एमक्यूएम-पी सिंध प्रांत में विपक्ष की भूमिका निभा रही है। पार्टी का कहना है कि कराची और अन्य शहरी क्षेत्रों की समस्याओं को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है, जिससे राजनीतिक तनाव बढ़ता जा रहा है। सरकार की एक सहयोगी पार्टी का इस तरह खुलकर विरोध करना शहबाज सरकार के लिए राजनीतिक चुनौती बन सकता है।

ईरान में खोदी जा रही हजारों कब्रें ! खामेनेई के जनाजे में 3,000 लोगों के मौत की आशंका

तेहरान, एजेंसी। ईरान में पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के चार महीने बाद उनका अंतिम संस्कार किया जा रहा है। 4 जुलाई को उनके जनाजे की रस्में शुरू हो गई हैं, जो 9 जुलाई तक चलेगी और इसके बाद उनके शरीर को दफना दिया जाएगा। इसी बीच एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। जिसके मुताबिक, ईरानी सरकार खामेनेई के जनाजे से पहले हजारों कब्रें खुदवा रही है। जानकारी के मुताबिक, जर्मनी के मीडिया हाउस WELT तेहरान से मिली जानकारी के आधार पर एक रिपोर्ट जारी की है। इसमें कहा गया है कि ईरान की सरकार को सुप्रीम लीडर खामेनेई के जनाजे में 1,500 से 3,000 लोगों के मारे जाने की आशंका जताई गई है। इसके चलते ईरान की सरकार ने पर्दे के पीछे इस स्थिति के लिए तैयारियां भी कर ली हैं।

क्यों डरी हुई है ईरानी सरकार : ईरान सरकार ने आशंका जताई है कि अली खामेनेई के जनाजे में देशभर के लोग शामिल होंगे। सरकार के मुताबिक जनाजे में डेढ़ से दो करोड़ लोग शामिल हो सकते हैं। ईरान की सरकार जनाजे में शामिल होने वाले लोगों की संख्या को लेकर डरी हुई है। ईरान में बड़े नेताओं के जनाजे पर भगदड़ और हिंसा का पुराना इतिहास रहा है। सरकार को आशंका है कि खामेनेई के जनाजे में भी भगदड़ और अन्य घटनाएं हो सकती हैं। जिसमें 1,500 से 3,000 लोगों की जान जा सकती है। सरकार ने इन्हीं आशंकाओं के चलते एक हजार से अधिक कब्रों का इंतजाम किया है। तेहरान में नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि, हमने सच में कब्रें तैयार की हैं। जनाजे में अगर भगदड़ या गर्मी के कारण 3,000 लोगों की मौत भी हो जाती है, तो स्थिति को काबू से बाहर नहीं जाने दिया जाएगा। अधिकारी ने कहा कि क्योंकि इतनी भीषण गर्मी और भीड़ के बीच भगदड़ होने की संभावनाएं अधिक है। इसी बीच एक पत्रकार ने दावा किया है, नेशनल क्राइसिस मैनेजमेंट और ईरानी रेड क्रिसेंट ने ईरान के फर्स्ट वाइस प्रेसिडेंट मोहम्मद-रेजा आरिफ के एक सीक्रेट चिट्ठी भेजी है। चिट्ठी में कहा गया है कि जनाजे के दौरान भगदड़ और दूसरी घटनाओं में लोगों की मौत की आशंका के चलते तेहरान के कई कब्रिस्तानों में हजारों कब्रें तैयार की गई हैं। ईरान सरकार के इस डर के पीछेएक बड़ी वजह ईरान में बड़े नेताओं के जनाजे के दौरान लोगों की मौतों का इतिहास भी है। 1989 में जब ईरान के पहले सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खुमैनी का जनाजा निकाला गया था, तब भगदड़ में 8 लोगों की मौत हो गई थी और सैकड़ों लोग बुरी तरह घायल हो गए थे।

बांग्लादेश में ईशनिंदा के आरोपों से अल्पसंख्यकों पर संकट: 6 महीने में 17 मामले, एचआरसीबीएम ने जताई चिंता

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। अल्पसंख्यक अधिकारों के लिए काम करने वाले संगठन ह्यूमन राइट्स कांग्रेस फॉर बांग्लादेश माइनॉरिटीज (एचआरसीबीएम) ने आरोप लगाया है कि देश में ईशनिंदा (ब्लासफेमी) के आरोपों का इस्तेमाल सुनियोजित तरीके से अल्पसंख्यक समुदायों को निशाना बनाने के लिए किया जा रहा है। संगठन के अनुसार, जनवरी से जून 2026 के बीच ऐसे 17 मामले सामने आए हैं, जो एक चिंताजनक और लगातार दोहराए जा रहे पैटर्न की ओर इशारा करते हैं।

एचआरसीबीएम ने हाल ही में सुनामगंज जिले के एक हिंदू युवक दीप्तो राय के मामले का हवाला देते हुए दावा किया कि सोशल मीडिया पर आरोप लगते ही भीड़ इकट्ठा हो जाती है, पुलिस कार्रवाई शुरू हो जाती है और डिजिटल फोरेंसिक जांच पूरी होने से पहले ही आरोपी और उसके परिवार को सामाजिक, आर्थिक और मानसिक दबाव का सामना करना पड़ता है। संगठन का कहना है कि यह केवल कानूनी मामला नहीं बल्कि अल्पसंख्यकों में भय और असुरक्षा का माहौल पैदा करने का तरीका बनता जा रहा है। एचआरसीबीएम ने बांग्लादेश सरकार और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

17 मामलों का किया दावा : ह्यूमन राइट्स कांग्रेस फॉर बांग्लादेश माइनॉरिटीज (एचआरसीबीएम) ने कहा कि जनवरी से जून के बीच ऐसे 17 मामले दर्ज किए गए हैं, जो एक 'खतरनाक पैटर्न' को दर्शाते हैं। संगठन के अनुसार, 'हाल ही में सुनामगंज जिले के ताहिरपुर उपजिला में हिंदू अल्पसंख्यक युवक दीप्तो राय पर लगाए गए ईशनिंदा के आरोप ने इस प्रवृत्ति को फिर उजागर किया है। संगठन ने कहा कि सोशल मीडिया पर आरोप सामने आते ही भीड़ जुट जाती है, पुलिस कार्रवाई करती है, और डिजिटल फोरेंसिक जांच पूरी होने से पहले

ही आरोपी और उसके परिवार पर भारी सामाजिक दबाव बन जाता है। एचआरसीबीएम ने पीड़ित परिवार और प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से कहा कि यह आरोप 'झूठा और आधारहीन' था।

धार्मिक स्थलों को बनाया गया निशाना : एफआईआर का हवाला देते हुए संगठन ने बताया कि मामले में सोशल मीडिया पोस्ट, पुलिस हिरासत, मोबाइल फोन जब्ती और साइबर कानून से जुड़े प्रावधान शामिल हैं, लेकिन गिरफ्तारी के समय यह स्पष्ट नहीं था कि संबंधित सामग्री वास्तव में आरोपी ने पोस्ट की थी या उसका नियंत्रण उसी के पास था। संगठन ने कहा कि इस घटना के बाद आरोपी के परिवार, उनकी आजीविका और स्थानीय धार्मिक स्थल पर भी हमले और दबाव की स्थिति बनी।

अल्पसंख्यकों को बनाया जा रहा निशाना : ह्यूमन राइट्स कांग्रेस फॉर बांग्लादेश माइनॉरिटीज संगठन ने कहा, 'बांग्लादेश के अल्पसंख्यकों के लिए यह अब कोई अलग-थलग घटना नहीं है, बल्कि एक दोहराई जाने वाली सामाजिक हिंसा की प्रक्रिया बन गई है।' संगठन ने दावा किया कि पिछले वर्ष भी ईशनिंदा के आरोपों में 73 अल्पसंख्यक युवाओं की गिरफ्तारी हुई थी। एचआरसीबीएम ने कहा कि असली समस्या केवल आरोप नहीं है, बल्कि आरोप लगते ही सजा जैसा माहौल बन जाना है जबकि अदालत या फोरेंसिक जांच से पहले ही परिवारों, संपत्तियों और समुदायों को निशाना बनाया जाता है। एचआरसीबीएम संगठन ने बांग्लादेश सरकार, पुलिस, न्यायपालिका, मानवाधिकार आयोग और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से इस स्थिति को 'राष्ट्रीय अल्पसंख्यक सुरक्षा आपातकाल' के रूप में देखने की अपील की।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साईं प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)